MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 24 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-80

ट्रंप का दावा - ईरान बातचीत को बेताब, इसलिए 5 दिन युद्धविराम

एक और मौका

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे तनाव को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच गंभीर बातचीत चल रही है और अगले पांच दिनों के भीतर समझौता हो सकता है। हालांकि, ईरान ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की सीधी या अप्रत्यक्ष वार्ता नहीं हो रही है।

ट्रंप ने कहा कि सकारात्मक माहौल को देखते हुए उन्होंने अमेरिकी रक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि ईरान के पावर प्लांट्स और ऊर्जा ढांचे पर प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को पांच दिनों के लिए स्थगित रखा जाए। उनका दावा है कि हालिया वार्ताएं रचनात्मक रही हैं और इससे क्षेत्रीय संघर्ष समाप्त हो सकता है।

फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उनके दूत स्टीव विटकॉफ और सलाहकार जारेड कुश्नर ने ईरानी प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की है और ईरान किसी भी कीमत पर समझौता करना चाहता है।

ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर कलीबाफ सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने ट्रंप के दावों को गलत बताते हुए कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका अपनी रणनीतिक कमजोरी छिपाने के लिए इस तरह के दावे कर रहा है।

तनाव का केंद्र बना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जहां से वैश्विक तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। इस मार्ग पर किसी भी प्रकार का व्यवधान अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव ला सकता है।

ट्रंप ने पहले ईरान को चेतावनी दी थी कि यदि 48 घंटे के भीतर इस मार्ग को पूरी तरह नहीं खोला गया तो उसके ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

इसके जवाब में ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया था कि उसके पावर प्लांट्स या तेल संरचना पर हमला हुआ तो वह पूरे खाड़ी क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई करेगा

ट्रंप ने अपने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि पिछले दो दिनों में ईरान के साथ बातचीत बेहद सकारात्मक और रचनात्मक रही है और इसी कारण सैन्य कार्रवाई को फिलहाल रोका गया है। हालांकि, इस पर भी ईरान ने कहा कि ऐसा कोई संपर्क नहीं हुआ है, जिससे दोनों देशों के बयानों में साफ विरोधाभास दिखाई दे रहा है।

निकला चीन का 'तेल'

13 दिन में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

ईरान जंग की मार चीन तक पहुंच गई है। चीन में मार्च में दूसरी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाये गये हैं. चीन ने ईंधन संकट की तैयारियों के तहत खुदरा ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। ऐसा इस आशंका के बीच किया गया है कि अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध लंबा खिंच सकता है, जिससे गैसोलीन और डीजल की कमी हो सकती है।

चीन की टॉप प्लानिंग संस्था राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग (एनडीआरसी) ने अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच मंगलवार से शुरू होने वाले अस्थायी उपायों की घोषणा की है। एनडीआरसी ने कहा कि ये उपाय अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में असामान्य वृद्धि के असर को कम करने, उपयोगकर्ताओं पर बोझ घटाने, इकोनॉमी को स्थिर करने के लिए और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं।

चीन ने सोमवार को पेट्रोल यानी कि गैसोलीन की कीमतों में 1160 युआन यानी कि 168 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का इजाफा किया है। जबकि डीजल की कीमतों में 1115 युआन यानी कि 159 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का इजाफा किया गया है। इससे पहले 9 मार्च को भी चीन में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी थीं।

1 टन यानी कि 1000 किलोग्राम डीजल में आमतौर पर लगभग 1136 से 1220 लीटर के बीच डीजल होता है। जबकि 1 टन पेट्रोल में 1300 से 1400 लीटर पेट्रोल होता है।

चीन के पास आपातकाल के लिए 4 महीने का पेट्रोलियम रिजर्व है।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा के बाद पूरे चीन में वाहन मालिक अपने वाहनों की टंकी भरवाने के लिए गैस स्टेशनों की ओर दौड़ पड़े।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ अवरुद्ध हो गया है, यह एक प्रमुख समुद्री मार्ग है जिसके ज़रिए दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा का परिवहन होता है।

एक लाख होगा सोना?

आधी कीमत में चाँदी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों और घरेलू वायदा कारोबार में सोना और चांदी की कीमतों में सोमवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई। चांदी अपने हालिया उच्च स्तर से लगभग आधी कीमत तक लुढ़क गई, जबकि सोना भी रिकॉर्ड स्तर से करीब 63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया।

सोने-चांदी की कीमत में जारी इस गिरावट के बाद लोग उम्मीद लगाकर बैठे हैं कि क्या सोना एक बार फिर से 1 लाख रुपये के नीचे आएगा ? क्या चांदी की कीमत डेढ़ लाख रुपये से नीचे खिसकेगी? क्या ये खरीदारी का सही मौका है ?

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 5 मई की एक्सपायरी वाली चांदी ने 29 जनवरी को 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का ऐतिहासिक उच्च स्तर छुआ था। सोमवार को कारोबार के दौरान यह गिरकर 1,99,643 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। इस तरह चांदी की कीमत अपने उच्च स्तर से 2,20,405 रुपये तक टूट गई।

हालांकि देर शाम बाजार में कुछ सुधार देखने को मिला और चांदी का भाव बढ़कर करीब 2.23 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया।

सोने की कीमतों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। 29 जनवरी को सोने का वायदा भाव 1,93,096 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर था, जो सोमवार को गिरकर करीब 1,29,595 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। ▶10पर

पश्चिम एशिया से उपजी स्थिति पर प्रधानमंत्री का संसद में बयान

संकट तो है, लेकिन घबराना नहीं : मोदी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को गम्भीर चिंता का विषय बताते हुए सोमवार को कहा कि कच्चे तेल एवं गैस की जरुरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है, इसलिए भारत पर इसका असर स्वभाविक है लेकिन इस चुनौती का मिलकर और एकजुटता के साथ मुक़ाबला करने की जरूरत है।

श्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर वक्तव्य देते हुए कहा कि इस संकट के कारण भारत की चिंताएं स्वाभाविक है, लेकिन भारत को एकजुट रहकर चुनौतियों का मुकाबला करना आता है। कोरोना संकट के समय की इसी तरह की चुनौती का हमने एकजुट रहकर सामना किया था और अब इस चुनौती का मुकाबला भी उसी तरह एकजुटता से करना होगा।

पश्चिमी एशिया के देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा , इन देशों में हमारे मिशन भारतीयों की मदद में जुटे हैं। प्रभावित देशों में हमारे मिशन लगातार भारतीयों की मदद में लगे हुए हैं। चाहे वहां काम करने वाले भारतीय हों या वहां गए पर्यटक, सभी को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। भारतीय मिशन नियमित रूप से इसको लेकर सलाह जारी कर रहे हैं। भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24/7 सहायता कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं। इनके माध्यम से सभी प्रभावित लोगों को नवीनतम जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने कहा, संकट के समय में भारत और विदेश में भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस युद्ध की शुरुआत से ही प्रभावित देशों में रहने वाले प्रत्येक भारतीय को सहायता प्रदान की गई है। मैंने पश्चिम एशियाई देशों के अधिकांश राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। यह दुखद स्थिति है कि संघर्ष के दौरान कुछ लोगों ने अपनी जान गंवाई है और कुछ घायल हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने युद्धग्रस्त और संघर्ष से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध का ज़िक्र करते हुए कहा , जिस क्षेत्र में संघर्ष चल रहा है, वह विश्व के अन्य देशों के साथ हमारे व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग भी है। यह क्षेत्र विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की जरुरतों के लिए हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा यह क्षेत्र हमारे लिए इस कारण से भी महत्वपूर्ण है कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। वहां वाणिज्यिक जहाज चलते हैं। भारतीय चालक दल के सदस्यों की संख्या भी बहुत अधिक है। इन विभिन्न कारणों से, भारत की चिंताएं स्वाभाविक रूप से अधिक हैं। इन सब स्थितियों को देखते हुए आवश्यक है कि संसद से इस संकट को लेकर हमारी एक आवाज और आम सहमति दुनिया तक पहुंचे।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति को लेकर लगातार संसद को अवगत करा रही है। उनका कहना था कि पिछले दो-तीन हफ्तों में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने सदन को स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। यह संघर्ष तीन सप्ताह से अधिक समय से चल रहा है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है और इसीलिए दुनिया इस संघर्ष के शीघ्र समाधान के लिए सभी पक्षों से आग्रह कर रही है।

संकट की स्थिति में भारतीय कूटनीति पर उन्होंने कहा वर्तमान वैश्विक माहौल में भारत की भूमिका स्पष्ट है। शुरुआत से ही हमने इस संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की है। मैंने पश्चिम एशिया के सभी संबंधित नेताओं से व्यक्तिगत रूप से बात की है। मैंने सभी से तनाव कम करने और इस संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया है। भारत ने नागरिकों, ऊर्जा और परिवहन अवसंरचना पर हमलों की निंदा की है। वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को अवरुद्ध करना अस्वीकार्य है। भारत इस युद्ध जैसे माहौल में भी भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कूटनीति के माध्यम से निरंतर प्रयास कर रहा है। भारत ने हमेशा मानवता के कल्याण और शांति का समर्थन किया है। मैं दोहराता हूं कि इस समस्या का एकमात्र समाधान संवाद और कूटनीति है। हमारे सभी प्रयास तनाव कम करने और इस संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में हैं। इस युद्ध में किसी के भी जीवन को खतरे में डालना मानवता के हित में नहीं है इसलिए हमारा प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना है। जब ऐसे संकट उत्पन्न होते हैं, तो कुछ तत्व उनका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं,

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 22^0

बेगमपेट रनवे के नीचे देश का पहला ट्रैफिक अंडरपास

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एक ऐतिहासिक परियोजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को केंद्र सरकार के अधीन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से बेगमपेट हवाई अड्डे के रनवे के नीचे अंडरपास बनाने की अनुमति मिल गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना देश की पहली ऐसी पहल होगी, जिसमें एक सक्रिय हवाई अड्डे के रनवे के नीचे से ट्रैफिक टनल (सुरंग) गुजरेगी। इस परियोजना का उद्देश्य उत्तरी जिलों (आदिलाबाद, निजामाबाद और करीमनगर) से शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों के दबाव और यातायात जाम को कम करना है। उन्होंने बताया कि केंद्र से मंजूरी मिल चुकी है और काम प्रगति पर है।

शहर के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए सरकार ने तीन-स्तरीय रणनीति (अंडरपास, सतही सड़कें और एलीवेटेड कॉरिडोर) अपनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया, सरकार ने जवाहरनगर में वैकल्पिक भूमि देकर रक्षा मंत्रालय से 153 एकड़ रक्षा भूमि प्राप्त की है।

फुटपाथों से अतिक्रमण हटाना, स्ट्रीट वेंडर्स के लिए जगह आवंटित करना और केबीआर नेशनल पार्क के पास मल्टी-लेवल पार्किंग बनाना प्राथमिकता में शामिल है। नलगोंडा और विजयवाड़ा मार्गों पर एलीवेटेड कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। सार्वजनिक परिवहन पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने एक और बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार इस महीने के अंत तक या अप्रैल में 15,000 करोड़ रुपये की लागत से लार्सन एंड टुब्रो से हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना को अपने नियंत्रण में लेने की योजना बना रही है। मेट्रो नेटवर्क का 76 किलोमीटर विस्तार किया जाएगा, जिसमें लगभग 24,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मेट्रो को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ा जाएगा ताकि लास्ट माइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके। ▶10पर

कोलंबिया वायुसेना का विमान क्रैश

बोगोटा/नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

कोलंबिया की वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान सोमवार को दक्षिणी अमेज़न क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में लगभग 110 सैनिक सवार थे और टेकऑफ के कुछ ही समय बाद यह आग के गोले में बदल गया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ के अनुसार लॉकहीड मार्टिन निर्मित सी-130हरक्यूलिस विमान पुटुमायो प्रांत के प्यूर्टो लेगुइज़ामो से उड़ान भर रहा था, जब यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह क्षेत्र अमेज़न के घने जंगलों में स्थित है और पेरू की ▶10पर

शेयर बेजार

1,836 अंक ढहा, 13.65 लाख करोड़ स्वाहा

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान टकराव के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने से सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी 2 प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुए, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2.46 प्रतिशत या 1,836.57 अंक गिरकर 72,696.39 पर बंद हुआ। ▶10पर

दुनिया के एनर्जी प्रमुख ने चेताते हुए कहा ऐसे तो पूरी दुनिया पर आएगा ऊर्जा का संकट

सिडनी, 23 मार्च (एजेंसियां)।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने गंभीर समस्याओं को लेकर आगाह किया है। आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कहा है कि युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट से वैश्विक अर्थव्यवस्था बहुत बड़े खतरे में है और कोई भी देश इसके प्रभावों से अछूता नहीं रहेगा।आस्ट्रेलिया की राजधानी में नेशनल प्रेस क्लब में बोलते हुए, आईईए चीफ ने कहा, मौजूदा हालात को देखते हुए यह संकट अब पूर्व में 2 बार पैदा हुए तेल संकटों का मिला-जुला रूप बन गया है।बिरोल ने आगे कहा, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बहुत-बहुत बड़े खतरे का सामना कर रही है और मुझे पूरी उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान जल्द से जल्द हो जाएगा। उन्होंने कहा, अगर यह संकट इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा, तो कोई भी देश इसके प्रभावों से बच नहीं पाएगा। इसलिए, अब वैश्विक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। बता दें हार्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है। इससे पेट्रोलियम बाजार इस कदर प्रभावित हुआ है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। वहीं डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे रिफाइंड उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है।ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध शुरू हुए अब लगभग 3 सप्ताह का समय बीते चुका है लेकिन इस जंग के खत्म होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच दुनिया का सबसे प्रमुख जलमार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज प्रभावी रूप से बंद है, जिससे भारत सहित पूरी दुनिया के लिए ईंधन आपूर्ति से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई है। इस युद्ध ने वैश्विक तेल बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी आपूर्ति बाधा उत्पन्न कर दी है। हार्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही ठप है जिससे प्रतिदिन लगभग दो करोड़ बैरल कच्चा तेल और तेल उत्पाद की आवाजाही प्रभावित हुई है। आवाजाही बंद होने से पेट्रोलियम बाजार इस कदर प्रभावित हुआ है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं और डीजल, जेट ईंधन और तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) जैसे रिफाइंड उत्पादों की कीमतों में और भी भारी वृद्धि हुई है।

वहीं इन सब के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह अगले 48 घंटों के भीतर स्ट्रेट आफ होर्मुज को पूरी तरह से नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बिजली संयंत्रों को पूरी तरह मिटा देगा। ट्रंप ने कहा कि हमले की शुरुआत ईरान के सबसे बड़े पावर प्लांट से की जाएगी। वहीं ट्रंप के बयान के तुरंत बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पलटवार किया। ईरान ने घोषणा की है कि यदि अमेरिका उसके ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाता है, तो वह ना केवल होर्मुज जलडमरूमध्य को स्थायी रूप से बंद कर देगा, बल्कि क्षेत्र में मौजूद उन सभी देशों के ऊर्जा केंद्रों को भी निशाना बनाएगा जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं।

स्टाक खोलने पर सहमति

आईईए ने इससे पहले भी तेल संकट को लेकर चेतावनी जारी की थी। बीते शुक्रवार को एजेंसी ने कुछ ऐसे सुझाव भी दिए थे, जिन्हें अपनाकर सरकारें, कंपनियां और आम लोग तेल संकट के प्रभाव को कम कर सकते हैं। संकट को देखते हुए बीते 11 मार्च को आईईए के सदस्य देश आपातकालीन भंडार से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने पर सहमत हुए थे जो एजेंसी के इतिहास में स्टाक से की गई सबसे बड़ी निकासी है।

न्यूज ब्रीफ

1971 में बांग्लादेश में बंगाली हिन्दुओं के खिलाफ पाक सेना कठघरे में, डेमोक्रेट सांसद ने की युद्ध अपराध और जनसंहार के रूप में मान्यता देने की मांग

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा में एक अहम प्रस्ताव पेश किया है। इसमें 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश में बंगाली हिन्दुओं के खिलाफ पाकिस्तानी सेना और जमात-ए-इस्लामी जैसे उसके सहयोगियों के हमले को युद्ध अपराध और जनसंहार के रूप में मान्यता देने की मांग की गई है। ओहायो से डेमोक्रेट सांसद की तरफ से पेश यह प्रस्ताव विदेश मामलों पर प्रस्ताव समिति को भेजा गया है, जहां इस पर आगे विचार किया जाएगा। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को जेल में डाल दिया। इसके बाद पाकिस्तानी सैन्य टुकड़ियों ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूरे पूर्वी पाकिस्तान में आपरेशन सर्चलाइट नामक एक व्यापक कार्रवाई शुरू की, जिसमें आम नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। अगर अमेरिका संसद इस प्रस्ताव पर मुहर लगा देती है और बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ पाकिस्तानी सेना और जमात-ए-इस्लामी के अत्याचार को नरसंहार के रूप में मान्यता देता है तो पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ेगा और अन्य देश और संस्थाएं भी इसी दिशा में कदम उठा सकते हैं। वहीं अमेरिका कुछ व्यक्तियों या संस्थाओं पर लक्षित प्रतिबंध लगा सकता है। प्रस्ताव में उस समय के ढाका में तैनात अमेरिकी वाणिज्य दूत आर्चर ब्लड की तरफ से भेजे गए प्रसिद्ध ब्लेड कार्डर्स का भी जिक्र किया है। टेलीग्राम में उन्होंने लिखा था कि पाकिस्तानी सेना के मदद से गैर-बंगाली मुस्लिम समूह गरीब इलाकों पर हमले कर रहे हैं और वहां बंगालियों और हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं। इस टेलिग्राम पर ढाका स्थित काउंसुल जनरल आफिस के 20 सदस्यों के हस्ताक्षर थे। इसमें कहा गया है, लेकिन हमने इस मामले में इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसके लिए दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द का इस्तेमाल किया जा सकता है, पूरी तरह से एक संप्रभु राष्ट्र का आंतरिक मामला है।

इजराइली में भी है लिटल इंडिया यहां गुलाब जामुन, चाट, जलेबी और भेलपूरी के लोग शौकीन

तेल अवीव। इजराइल के दक्षिणी डिमोना शहर पर ईरान ने मिसाइल हमले किए इसमें दर्जनों लोग

घायल हुए हैं। यह शहर अपने परमाणु केंद्र के गुंबदनुमा ढांचे के लिए मशहूर है और इसे लिटिल इंडिया के नाम से जाना जाता है। इस शहर में करीब 7500 भारतीय-यहूदी रहते हैं। इनकी आबादी शहर की कुल आबादी की 30 फीसदी है। यहां लोग मराठी और हिंदी बोलते हैं। लोगों में क्रिकेट का खेल लोकप्रिय हैं। खाने-पीने के शौक भी एकदम भारतीय हैं। यहां दुकानों पर सोनपापड़ी, गुलाब जामुन, पापड़ी चाट, जलेबी और भेलपूरी मिलती है। जानकारी के मुताबिक 1950 और 60 के दशक में भारतीय यहूदी बड़ी संख्या में इजराइल पहुंचे थे और फिर वहीं बस गए। हालांकि उनपर चढ़ा भारतीय संस्कृति का रंग अब भी नहीं उतरा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक स्थानीय निवासी ने बताया कि मिसाइल एक सामुदायिक भवन पर गिरी और उसके प्रभाव से आसपास के पुराने मकान ढह गए।

होर्मुज द्वीप की लाल मिट्टी का अनोखा रहस्य, लोग स्वादिष्ट चटनी बनाकर खाते हैं

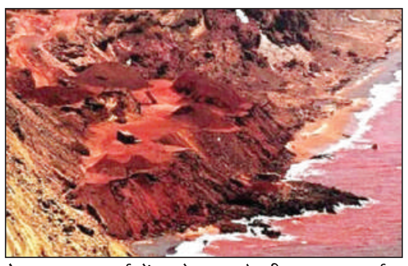

तेहरान। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अक्सर चर्चा में रहने वाला होर्मुज स्ट्रेट न केवल वैश्विक तेल आपूर्ति का जरुरी समुद्री मार्ग है, बल्कि इसके पास मौजूद होर्मुज आइलैंड अपनी अनोखी प्राकृतिक विशेषताओं के कारण भी दुनिया भर में मशहूर है। यह द्वीप अपनी रंग-बिरंगी मिट्टी और पहाड़ों के कारण रेनबो आइलैंड के नाम से जाना जाता है। होर्मुज स्ट्रेट जहां फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाला रणनीतिक समुद्री रास्ता है, वहीं होर्मुज आइलैंड एक छोटा लेकिन बेहद खास द्वीप है, जो ईरान के तट से करीब 8 से 10 किलोमीटर दूर स्थित है। इस द्वीप की सबसे बड़ी खासियत इसकी बहुरंगी मिट्टी है। यहां लाल, पीली, हरी और नारंगी रंग की मिट्टी मिलती है, जो विशेष भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के कारण बनी है। हालांकि, इनमें से केवल एक खास लाल मिट्टी ही खाने योग्य मानी जाती है, इस स्थानीय भाषा में गेलक कहा जाता है।

नेपाल में बालेन्द्र की पहली कैबिनेट बैठक में 1170 राजनीतिक नियुक्तियों को रद्द करने की तैयारी

काठमांडू, 23 मार्च (एजेंसियां)।

बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में बनने वाली सरकार ने राज्य के विभिन्न निकायों में की गई कुल 1,170 राजनीतिक नियुक्तियों को एक साथ रद्द करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रशासनिक तंत्र में सुधार लाने की योजना के तहत सरकार गठन के तुरंत बाद शाह का पहला कदम पिछले शासनकाल में की गई नियुक्तियों को रद्द करना होगा।

राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के वरिष्ठ नेता शाह 27 मार्च को प्रधानमंत्री पद के लिए शपथग्रहण करने वाले हैं। उसी दिन वे मंत्रिमंडल गठन करने की तैयारी में हैं। संवैधानिक निकायों, सार्वजनिक संस्थानों, कूटनीतिक मिशनों और विभिन्न बोर्डों में राजनीतिक आधार पर नियुक्तियां होती रही हैं। इन सबका विवरण एकत्र किया जा रहा है। पार्टी के केंद्रीय सदस्य एवं सांसद पुकार बम के अनुसार, शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद होने वाली मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में ही इस विषय पर निर्णय लिया जाएगा।

पार्टी प्रवक्ता मनीष झा के अनुसार, नई सरकार बनने से पहले ही ऐसे पदों पर बैठे लोगों से नैतिक आधार पर स्वेच्छा से इस्तीफा देने का आग्रह किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि राज्य तंत्र को कार्यकर्ता भर्ती केंद्र बनने से रोकने के अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि केवल कार्यकर्ताओं के पालन-पोषण के उद्देश्य से की गई नियुक्तियों को रद्द किया जाएगा।

उनका कहना है, यदि किसी व्यक्ति की राजनीतिक पृष्ठभूमि है लेकिन वह सक्षम है, तो उसकी नियुक्ति उचित हो सकती है। लेकिन केवल अनावश्यक रूप से कार्यकर्ताओं को लाभ पहुँचाने के लिए राज्य पर बोझ डालने वाली नियुक्तियों को समाप्त किया जाएगा। सरकार में आने के बाद इनका पुनरावलोकन किया जाएगा। झा के अनुसार, ऐसी नियुक्तियों की संख्या 1,170 है। उन्होंने यह भी कहा, कुछ आयोग और निकाय तो हमें आवश्यक ही नहीं लगते, वे करदाताओं के पैसे पर बोझ मात्र हैं। अगर संबंधित लोग अभी स्वेच्छा से पद छोड़ दें तो बेहतर होगा। फिलहाल पार्टी ने यह सार्वजनिक नहीं किया है कि किन-किन निकायों या पदों को खाली कराया जाएगा। नेताओं के अनुसार, इस विषय पर अभी और चर्चा व तैयारी बाकी है, इसलिए नाम तुरंत सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। कुछ मामलों में केवल पदाधिकारी बदलने के बजाय पद या संस्थान को ही समाप्त किया जा सकता है। जेन-जी आंदोलन के बाद हुए चुनाव में लगभग दो-तिहाई जनमत प्राप्त कर सरकार बनाने की तैयारी में जुटी पार्टी ने सत्ता में आते ही लोकप्रिय कदम उठाने की योजना बनाई है। जनता को स्पष्ट रूप से दिखने वाले कार्यों के लिए बालेन्द्र शाह ने विभिन्न नियुक्तियों की समीक्षा और निरस्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। इस कदम से संवैधानिक निकायों से लेकर सरकारी संस्थानों तक के प्रमुख और सदस्य सीधे प्रभावित हो सकते हैं। नेपाल में एंटी करप्शन ब्यूरो, लोक सेवा आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और निर्वाचन आयोग जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक निकाय हैं जहां राजनीतिक नियुक्तियां होती आई हैं।

भारतीय महिला के बच्चे को चीन में अच्छे स्कूल में नहीं मिल रहा प्रवेश

बीजिंग। एक भारतीय महिला अपने पति के साथ पिछले आठ वर्षों से चीन में रह रही है। महिला का पति भी चीन का ही रहने वाला है, इसके बावजूद वह अपने बेटे का दाखिला किसी अच्छे किंडरगार्टन में नहीं करा पाई। आखिरकार महिला अपने बच्चे को लेकर भारत लौटने का फैसला कर चुकी है। चीन की शिक्षा प्रणाली की जटिलता और प्रतिस्पर्धा को यह मामला उजागर करता है। चीन में शिक्षा को बेहद गंभीरता से लिया जाता है और यहां एडमिशन प्रक्रिया काफी सख्त मानी जाती है। कई माता-पिता बच्चे के जन्म से पहले ही स्कूलों की तलाश शुरू कर देते हैं। यहां एडमिशन केवल आवेदन फार्म या परीक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि हुकौ नामक स्थानीय निवास पंजीकरण प्रणाली पर आधारित होता है। यह सिस्टम तय करता है कि बच्चे को किस क्षेत्र के किस स्कूल में प्रवेश मिलेगा। यदि परिवार के पास उस इलाके का हुकौ नहीं है, तो सरकारी स्कूल में दाखिला मिलना लगभग असंभव हो जाता है। इसके अलावा, स्कूल डिस्ट्रिक्ट हाउस का चलन भी चीन में काफी प्रचलित है। लोग अच्छे स्कूलों के आसपास घर खरीदने के लिए भारी रकम खर्च करते हैं, क्योंकि एडमिशन के लिए प्रापर्टी दस्तावेज और स्थानीय पहचान अनिवार्य होते हैं। कई प्रतिष्ठित स्कूलों में यह नियम भी है कि परिवार को उस क्षेत्र में कम से कम एक से तीन साल तक रहना जरूरी है। जिन्जिन रूक्स्यू नीति के तहत बच्चों को पास के स्कूल में ही प्रवेश दिया जाता है। चीन में सरकारी और निजी स्कूलों के बीच भी बड़ा अंतर देखने को मिलता है। सरकारी स्कूलों में फीस कम होती है और अनुशासन सख्त होता है, लेकिन यहां प्रवेश के लिए स्थानीय नियमों का पालन अनिवार्य है।

तेहरान में भीषण विस्फोट, इजराइल पर मिसाइलों से हमला, लेबनान का कासमीयेह पुल ध्वस्त

तेहरान/तेल अवीव, 23 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान की राजधानी तेहरान में भीषण विस्फोट हुए हैं। इजराइल का आसमान मिसाइलों की तेज रफ्तार से चमक उठा हुआ है। लेबनान में कासमीयेह पुल ध्वस्त कर दिया गया है। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस युद्ध से तेल और गैस का संकट गहरा गया है। दुनिया के तमाम हिस्सों में त्राहिमाम-त्राहिमाम मचा हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान के पूर्वी हिस्से में इस युद्ध में अब तक का सबसे बड़ा हमला हुआ है। राजधानी तेहरान का पूर्वी हिस्सा इससे हिल गया है। हमले की तीव्रता को देखते हुए हवाई रक्षा तंत्र (एयर डिफेंस सिस्टम) को सक्रिय किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका-इजराइल ने एकीकृत हमला किया है।

तेहरान को दहलाने से पहले इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि ईरान पर हमले शुरू होने वाले हैं। इस बीच बताया गया है कि ईरान के खुर्रमबाद में हवाई हमले के बाद व्यापक तबाही हुई है। मिसाइलों और राकेट से किए गए हमले के बाद इलाके में ब्लैक आउट हो गया है। कुछ इमारतें मलबे के ढेर में बदल गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में एक अहम पुल को निशाना बनाया है। हमले में कासमीयेह पुल उड़ गया है। इससे यातायात और मानवीय सहायता की पहुंच बाधित हो गई। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने इस हमले की निंदा की है।

इजराइल का कहना है कि इस पुल का इस्तेमाल हिजबुल्लाह आतंकी करते थे। हिजबुल्लाल के हमलों को रोकने के लिए इसे नष्ट करना जरूरी था। आईडीएफ ने कहा है कि ईरान की क्लस्टर मिसाइलों से मध्य इजराइल में हुए नुकसान के बाद तेहरान पर हमला किया गया। ईरान के हमले में कोई घायल नहीं हुआ है।

लगातार नौवीं बार पहले स्थान पर रहा है फिनलैंड

लंदन । वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में उत्तरी यूरोप का छोटा सा देश फिनलैंड लगातार नौवीं बार पहले स्थान पर रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की वर्ष 2026 की इस रिपोर्ट में यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि यहां के लोग न सिर्फ आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं, बल्कि जीवन के हर पहलू में संतुष्टि और संतुलन महसूस करते हैं। फिनलैंड की खुशहाली के पीछे कई मजबूत कारण हैं, जिनमें सबसे अहम है सामाजिक सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था। यहां हर नागरिक को आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बेरोजगारी के समय सहायता जैसी सुविधाएं मिलती हैं। लोगों को यह चिंता नहीं सताती कि नौकरी जाने या उम्र बढ़ने पर उनका जीवन कैसे चलेगा। सरकार नागरिकों की बुनियादी जरूरतों की जिम्मेदारी उठाती है, जिससे जीवन में स्थिरता बनी रहती है। देश में भ्रष्टाचार लगभग न के बराबर है और प्रशासन को दुनिया के सबसे पारदर्शी तंत्रों में गिना जाता है। कानून का सख्ती से पालन होता है और पुलिस व्यवस्था पर लोगों का भरोसा मजबूत है। अपराध दर भी बेहद कम है, जिससे नागरिक सुरक्षित महसूस करते हैं। यही कारण है कि यहां का सामाजिक माहौल शांत और संतुलित बना रहता है। फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था भी इसकी खुशहाली का बड़ा आधार है।

जेन जी आंदोलन की जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई नई सरकार के गठन के बाद

काठमांडू, 23 मार्च (एजेंसियां)।

एक सप्ताह बाद यानी 27 मार्च को बालेन्द्र शाह को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाना तय हो चुका है। ऐसे में जेन जी आंदोलन की जांच प्रतिवेदन को लागू करना या सार्वजनिक करना अब उन्हीं की जिम्मेदारी होगी।

अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सरकार ने उक्त प्रतिवेदन को सार्वजनिक न करने का निर्णय लिया है। अंतरिम प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार रामबहादुर रावल ने कहा कि वर्तमान सरकार अपने हिस्से का काम पूरा कर चुकी है। उन्होंने कहा, इस सरकार ने प्रतिवेदन को आगे बढ़ा दिया है, बाकी काम आने वाली सरकार पूरा करेगी। रविवार को हुई मंत्रिपरिषद बैठक ने जांच आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करने का निर्णय लिया था। हालांकि, रिपोर्ट स्वीकार करने के बाद भी आगे की कोई प्रक्रिया नहीं बढ़ाई गई है। नेपाल सरकार के मुख्य सचिव सुमनराज अर्याल ने कहा, प्रतिवेदन स्वीकार कर लिया गया है, इसके अलावा कुछ भी नहीं हुआ है। इसे सार्वजनिक करना है या नहीं, यह निर्णय कैबिनेट का होता है। जांच आयोग गठित कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने और उसे लागू करने का वादा करने वाली सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार अब विदाई के चरण में है। इस सरकार ने रिपोर्ट के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी निर्वाचित सरकार को सौंप दी है। रिपोर्ट स्वीकार करने के एक सप्ताह बाद भी न तो पूर्व घोषणा के अनुसार इसे सार्वजनिक किया गया है और न ही कार्यान्वयन के लिए संबंधित निकायों को भेजा गया है। फिलहाल रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय में ही रखी हुई है। रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और लागू करने की मांग जेन जी आंदोलन के नेताओं द्वारा लगातार की जा रही है। जेन जी की अगुवा रक्षा बम ने सुशीला कार्की से अपील की है कि वह रिपोर्ट सार्वजनिक करें और 8 और 9 सितंबर 2025 को हुई घटनाओं में संलिप्तता स्पष्ट करें।

सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से उन पर भी सवाल उठ रहे हैं, इसलिए इन प्रश्नों का जवाब देने के लिए रिपोर्ट को सार्वजनिक करना आवश्यक है।

ईरान की रणनीति, अब होर्मुज से निकलने वाले जहाजों को चुकाने होंगे 20 लाख डालर

तेहरान, 23 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका और इजराइल से अकेल जंग लड़ रहा ईरान अब फंड जुटाने पर जोर दे रहा है। इसके लिए स्टेट आफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से 20 लाख डालर वसूलने की योजना बनाई गई है। ईरान के एक सांसद ने ही ऐसा दावा किया है। इससे पहले ईरान ने धमकी दी थी कि अगर अमेरिका की तरफ से हमले किए जाते हैं, तो स्ट्रेट आफ होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। माना जा रहा है इससे ईरान को जंग लड़ना आसान होगा और लंबे समय तक लड़ाई लड़ना पड़े तो भी ईरान सरवाइव कर लेगा। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य, अलादीन ब्रूजेर्दी ने कहा कि यह कदम पहले ही लागू किया जा चुका है। उन्होंने कहा, अब, चूंकि युद्ध की अपनी लागत होती है, इसलिए स्वाभाविक रूप से हमें यह करना चाहिए और यहां से गुजरने वाले जहाजों से ट्रांजिट शुल्क लेना चाहिए। ब्रूजेर्दी ने डोनाल्ड ट्रंप की उस चेतावनी का भी जिक्र किया, जिसमें ट्रंप ने कहा था

कि यदि 48 घंटों के भीतर स्ट्रेट को नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के बिजली और ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकता है। इसके जवाब में ब्रूजेर्दी ने कहा कि इजरायल का ऊर्जा ढांचा भी ईरान की पहुंच में है और उसे एक दिन के भीतर पूरी तरह तबाह किया जा सकता है।आईजी मार्केट विश्लेषक टोनी साइकैमोर ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी ने अब बाजारों पर 48 घंटे की अनिश्चितता का टिक टिक करता हुआ टाइम बम रख दिया है। यदि इस अल्टीमेटम को वापस नहीं लिया गया, तो हम सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों को ब्लैक मंडे के रूप में गिरते हुए और तेल की कीमतों को काफी ऊंचे स्तर पर जाते हुए देखेंगे।संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ अपनी रेड लाइन्स पर अडिग हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच स्ट्रेट आफ होर्मुज की लगभग नाकेबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान को दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को बंधक नहीं बनाने देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि अगर ईरान ने 48 घंटों के अंदर स्ट्रेट आफ होर्मुज को पूरी तरह से फिर नहीं खोला तो ईरान के बिजली संयंत्रों को पूरी तरह तबाह कर देंगे।

तो पूरी तरह बंद देंगे रास्ता

ईरान की सेना ने चेतावनी दी कि यदि ट्रंप देश के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाते हैं, तो वे स्ट्रेट आफ होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर देंगे। सेना की आपरेशनल कमांड खातम अल-अंबिया ने सरकारी टीवी द्वारा प्रसारित बयान में कहा, यदि ईरान के बिजली संयंत्रों के संबंध में अमेरिका की धमकियों पर अमल किया गया, तो स्ट्रेट आफ होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा, और इसे तब तक नहीं खोला जाएगा जब तक कि हमारे नष्ट किए गए बिजली संयंत्रों का पुनर्निर्माण नहीं हो जाता।

मोदी ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को श्रद्धांजलि दी और भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में उनकी शहादत को एक निर्णायक पल के रूप में याद किया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज, हम भारत माता के वीर सपूतों - भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव - के सामने श्रद्धा से नतमस्तक हैं। राष्ट्र के लिए उनकी शहादत हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए अंकित है।

श्री मोदी ने कम उम्र में ही उनके साहस और समर्पण को रेखांकित करते हुए कहा कि इन तीनों का बलिदान आज भी कई पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, ''कम उम्र में ही उन्होंने असाधारण साहस और भारत की

स्वतंत्रता के उद्देश्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। औपनिवेशिक शासन की ताकत से बिना डरे, उन्होंने पूरे दृढ़ विश्वास के साथ बलिदान का मार्ग चुना, और राष्ट्र को अपने जीवन से भी ऊपर रखा।

उन्होंने उनके आदर्शों की चिरस्थायी प्रासंगिकता पर भी जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, न्याय, देशभक्ति और निडर प्रतिरोध के उनके आदर्श आज भी अनगिनत भारतीयों के मन में जोश भरते हैं।

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव देश के स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे सम्मानित क्रांतिकारियों में से हैं। ब्रिटिश अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या में उनकी भूमिका के लिए ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा 23 मार्च, 1931 को उन्हें फांसी दे दी गई थी। यह हत्या राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध में की गई थी। इस दिन को भारत में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मोदी ने धामी सरकार के चार साल पूरे होने पर दी बधाई

देहरादून, 23 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री को सोमवार को भेजे गए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड के ऊर्जावान मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।श्री मोदी ने पत्र में उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि सदियों से आस्था, अध्यात्म, साहस और समृद्ध परंपराओं की भूमि रही है। यहां की विविध भाषाएं-बोलियां, लोक परंपराएं और सरल जीवनशैली प्रदेश को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में हमारी सरकार बनी है, तब से उत्तराखंड विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ मामले में फिर टली सुनवाई, अगली तारीख 27 को

सुलतानपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी मामले में सुनवाई सोमवार को वादी मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा के गैर हाजिर होने के कारण टल गई है। न्यायालय अब इस मामले में 27 मार्च को सुनवाई करेगी।

वादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने आज यहां बताया कि उन्होंने पिछली पेशी पर अदालत में एक प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें मांग की गई है कि राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों के ऑडियो और वीडियो साक्ष्य पेश किए गए हैं, उनका मिलान राहुल गांधी की असली आवाज से कराया जाए। विजय मिश्रा की अनुपस्थिति के कारण कोर्ट ने 27 मार्च की तारीख तय की है, जहाँ मामले में बहस होगी।

भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अक्टूबर 2018 में यह परिवाद दर्ज कराया था। इस मामले में 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपए के दो मुचलकों पर जमानत दी थी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने पुनः एमपी/एमएलए कोर्ट में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद, कोर्ट ने वादी पक्ष को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था, जिसके बाद से लगातार गवाह पेश किए जा रहे थे।

20 फरवरी को राहुल गांधी ने एमपी/एमएलए कोर्ट में उपस्थित होकर सीआरपीसी की धारा 313 के तहत अपना बयान दर्ज कराया था। कोर्ट ने राहुल गांधी को अपनी बेगुनाही के संबंध में सफाई और साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए 9 मार्च की तिथि नियत की थी, लेकिन राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने कोर्ट में कोई सफाई या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद कोर्ट के न्यायाधीश शुभम वर्मा ने मामले में बहस के लिए अगली तारीख 27 मार्च नियत की है।

लाल किला कार बम विस्फोट मामले में एनआईए ने की कश्मीर में नौ ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली के लाल किले के पास पिछले साल 10 नवंबर को हुए कार बम विस्फोट मामले की जांच के तहत सोमवार को कश्मीर में नौ स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर, बारामुला, कुपवाड़ा और कुलगाम जिलों में उन व्यक्तियों से जुड़े ठिकानों पर तलाशी ली गयी, जिन्हें विस्फोट के पीछे कथित आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा माना जा रहा है। इस विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गयी थी और 32 अन्य घायल हुए थे।

एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, जम्मू-कश्मीर के विभिन्न स्थानों पर नौ जगहों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, बारामुला जिले के रफियाबाद निवासी डॉ. बिलाल नसीर मल्ला के घर पर भी तलाशी ली गयी, जिसे इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। कुपवाड़ा जिले के लंगेट क्षेत्र में भी छापेमारी जारी है।

इसके अलावा श्रीनगर के नौगाम इलाके और दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में भी कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

एनआईए इस मामले में अब तक कई डॉक्टरों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस विस्फोट का मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी हमले में ही मारा गया था।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी के लाल किले के पास भीड़भाड़ वाले इलाके में विस्फोटकों से भरी कार में धमाका हुआ था, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गयी थी और अन्य 32 घायल हो गए थे।

ईरान युद्ध से ऊर्जा झटका 1970 के दशक के संकट से भी बदतर : आईईए

कैनबरा, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल के ईरान के साथ युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट ''बेहद गंभीर'' है और यह 1970 के दशक केनु तेल संकट से भी बदतर हो गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को यह चेतावनी दी, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव से वैश्विक आपूर्ति शृंखला को खतरा बना हुआ है।उन्होंने चेतावनी दी है कि ईरान से जुड़े युद्ध के कारण पैदा हुआ वैश्विक ऊर्जा संकट 1970 के दशक के तेल संकटों से भी अधिक गंभीर हो सकता है।श्री बिरोल ने कैनबरा के नेशनल प्रेस क्लब में बोलते हुए कहा कि एजेंसी बाजार की स्थितियों पर कड़ी नजर रख रही है और यदि व्यवधान बढ़ता है, तो सदस्य देशों के साथ समन्वय में कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''यदि आवश्यक हुआ, तो निश्चित रूप से हम ऐसा करेंगे। हम बाजारों का विश्लेषण करेंगे और सदस्य देशों के साथ परामर्श करेंगे।'' इस महीने की शुरुआत में, संघर्ष के कारण वैश्विक कच्चे तेल के बाजारों में आई तेजी के बाद कीमतों को स्थिर करने के लिए एजेंसी के सदस्य रणनीतिक भंडार से रिकॉर्ड 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने पर सहमत हुए थे। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब भू-राजनीतिक तनाव तब बढ़ गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को एक सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि तेहरान वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए महत्व-पूर्ण मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोलता है, तो 48 घंटों के भीतर ईरानी बिजली संयंत्रों को ''नष्ट और समाप्त'' कर दिया जाएगा। श्री ट्रम्प ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि जलमार्ग तक पहुंच बहाल करने में विफल रहने पर प्रमुख ईरानी बुनियादी ढांचे पर हमले किए जाएंगे। यह चेतावनी तनाव में भारी वृद्धि का संकेत है, विशेष रूप से उनके हालिया बयानों के बाद जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका इस क्षेत्र में सैन्य अभियानों को ''कम करने'' पर विचार कर रहा है। अमेरिका इसके बावजूद अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखे हुए है और पश्चिम एशिया में अतिरिक्त नौसैनिक बलों को तैनात कर रहा है। इजरायल ने भी अपने अभियान को तेज करने का संकेत दिया है, जिसमें रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने कहा है कि ईरान पर हमले काफी बढ़ जाएंगे। इजरायली सेना ने कहा कि उसने सप्ताहांत में ईरान और लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर समन्वित हमलों में 200 से अधिक स्थानों को निशाना बनाया है। जमीनी स्तर पर शत्रुता जारी है और ईरानी मिसाइल हमलों ने दक्षिणी इजरायल को निशाना बनाया है।

अराद में, कम से कम 74 लोग घायल हुए हैं। एक अन्य मिसाइल डिमोना में एक इमारत से टकराई, जहां इजरायल का परमाणु केन्द्र स्थित है। इस बीच, ईरान ने आंतरिक सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया है और विदेशी नेटवर्क के साथ हमलों के नुकसान के बारे में जानकारी साझा करने के कम से कम 25 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

पश्चिम एशिया में गतिरोध की ओर बढ़ रहा है युद्ध

नयी दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। ईरान युद्ध अब चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और इसके तत्काल समाप्त होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

अब तक के मौजूदा आकलन एवं रिपोर्टों से पता चलता है कि युद्ध वास्तव में एक लंबे और जटिल गतिरोध में बदल गया है, जिसमें सामरिक सफलताओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक गलत आंकलन भी शामिल हैं, विशेष रूप से अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरानी सैन्य क्षमताओं एवं सामर्थ्य के संदर्भ गलत अनुमान लगाया गया था।

अमेरिका और इज़रायल दोनों को शायद यह भ्रम था कि अयातुल्ला अली खामेनेई और अन्य ईरानी नेताओं की लक्षित हत्याओं से युद्ध समाप्त हो जाएगा और ईरान जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा, जैसा कि 2025 में ईरानी परमाणु सुविधाओं पर हमले या 2020 में इराक में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के समय हुआ था। हर बार ईरान ने इस तरह की जवाबी कार्रवाई नहीं की, जैसी वह अब कर रहा है।

इसके अलावा, वेनेजुएला में कुछ घंटों तक चले और बिना किसी प्रतिरोध के सफल अभियान के बाद अमेरिका आत्मसंतुष्ट हो गया था। लेकिन इस बार ईरान ने अमेरिका को गलत साबित कर दिया। यही अमेरिका की सबसे बड़ी गलती थी।

हालांकि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ गहन सैन्य अभियान चलाए हैं लेकिन कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिका और इज़रायल अति

आत्मविश्वास से भरे हुए थे और लापरवाह हो गए। खबरों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि ईरान द्वारा एक साथ कई अमेरिकी और इज़रायली ठिकानों पर किए गए हमले ने उन्हें चौंका दिया।

ईरान से 4000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित डिएगो गार्सिया पर ईरान द्वारा किए गए मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल हमले ने युद्ध को एक नया आयाम दिया क्योंकि इससे ईरानी मिसाइलों की लंबी दूरी

की मारक क्षमता का पता चला। इसके अलावा, 22 मार्च को दक्षिण दिमोना शहर में इजरायल के परमाणु संयंत्रों पर ईरानी मिसाइल हमले ने इजरायली मिसाइल रक्षा प्रणाली की कमजोरी को उजागर किया।

इजरायली अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच करेंगे कि इजरायली इंटरसेप्टर आने वाली मिसाइलों को रोकने में क्यों विफल रहे।

ईरानी नेताओं ने बार-बार कहा है कि अगर अमेरिका और इज़रायल ईरान में जमीनी सेना भेजते हैं तो उन्हें अप्रत्याशित परिणामों का सामनाकरना पड़ेगा।

जून 2025 और फिर फरवरी 2026 में परमाणु और सैन्य अवसंरचना पर बड़े हमलों के बावजूद, ईरान की सरकार नहीं गिरी जैसा कि कुछ लोगों को उम्मीद थी। इसके बजाय, तेहरान का रुख और सख्त हो गया। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं का आकलन करने में विफल रहा। 'रोरिंग लायन' जैसे अभियानों के बाद भी ईरान ने पर्याप्त भंडार बनाकर रखा हुआ है और अमेरिकी ठिकानों और क्षेत्रीय लक्ष्यों पर जवाबी हमला कर रहा है।

सामरिक एवं सैन्य त्रुटियों के अलावा, आर्थिक त्रुटि निस्संदेह अमेरिका और इज़रायल की सबसे बड़ी गलती साबित हुई है। ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज़ जलडमरूमध्य को बंद करने और अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी देशों पर हमलों ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल मच गई है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी है।

ईरान के परमाणु संयंत्रों पर 2025 में हुए हमलों के बाद, अमेरिका को लगता था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कम से कम दो साल पीछे चला गया है। हालांकि, अब रिपोर्टों से संकेत मिल रहा है कि ईरान ने अपने अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम भंडार को कहीं छिपाया हो सकता है।

अमेरिकी ठिकानों वाले खाड़ी देशों पर ईरानी हमलों के साथ, युद्ध एक परोक्ष चरण में प्रवेश कर गया है और प्रत्यक्ष हमलों से आगे बढ़कर एक बहु-मोर्चे वाला अपरंपरागत युद्ध बन गया।

इसके अलावा, श्री ट्रंप के ईरान को नक्शे से मिटा दो या पूरी तरह से नष्ट कर दो, उसकी सेना खत्म, वायुसेना नष्ट या नौसेना समुद्र में डूबी हुई, जैसे बयान भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। इन बयानों के बाद ईरान ने अचानक जवाबी मिसाइल हमले किए।

श्री ट्रम्प के बयान उनकी घोर रणनीतिक गलतफहमी, अति उत्साह एवं अपर्याप्त खुफिया रिपोर्टों को दर्शाते हैं, जिन्होंने सीधे तौर पर युद्ध के लंबे समय तक चलने और अनिश्चितता में योगदान देने का कार्य किया है।

श्री ट्रंप ने 20 मार्च को दावा किया कि ईरान की सेना पूरी तरह नष्ट और मृत हो चुकी है। श्री ट्रंप शुरू से ही लगातार कहते रहे हैं कि यह युद्ध चार-पांच सप्ता चलेगा। फिर भी, 23 मार्च तक इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। श्री ट्रम्प की भड़काऊ बयानबाजी वास्तव में ईरान के आत्मसमर्पण के बजाय विरोध का मुख्य कारण है। ईरान को ''कुछ भी शेष न छोड़ने'' और उसे नक्शे से मिटा देने की धमकियों को तेहरान ने अस्तित्व के खतरे के रूप में लिया है, जिससे उसका संकल्प और भी मजबूत हो गया है।ईरान ने रविवार को युद्ध समाप्त करने के लिए छह शर्तें भी रखीं। नरम और सुलहपूर्ण प्रतीत होने वाले बयानों के बावजूद, युद्ध जारी है।

किसानों को मिलेंगे अतिरिक्त पैसे, पानी का नहीं होगा दुरुपयोग, जाम के लिए नई योजना

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)।

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई। इसमें 39 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 37 प्रस्तावों पर मोहर लगी। जबकि 2 प्रस्तावों (प्रस्ताव संख्या 20 और 21) को स्थगित कर दिया गया है। बैठक का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु प्रदेश के किसान रहे। सरकार ने आगामी रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं खरीद की नीति स्पष्ट कर दी है, जिससे अन्नदाताओं की आय में सीधा इजाफा होगा।

वहीं, कृषि मंत्री ने कहा कि उतराई, छनाई व सफाई के लिए किसानों को 20 रुपये प्रति कुंतल अलग से दिया जाएगा। किसानों ने इस साल प्रदेश के भीतर काफ़ी अच्छी फसल लगाई है। कृषि विभाग ने उन्हें पर्याप्त मात्रा में बीज भी उपलब्ध कराए हैं। पर्याप्त मात्रा में इसकी खरीद की जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं उठाना पड़े।

प्रदेश मंत्रिपरिषद ने राज्य के औद्योगिक विकास प्राधिकरणों की सेवा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से औद्योगिक विकास प्राधिकरण केंद्रीयकृत सेवा (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के साथ वर्ष 2018 में लागू नियमावली में व्यापक संशोधन का रास्ता साफ हो गया है।

सरकार के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य विभिन्न औद्योगिक प्राधिकरणों, विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच वेतनमान, भत्तों और सेवा शर्तों में मौजूद असमानताओं को खत्म करना है। नई नियमावली लागू होने के बाद इन संस्थाओं में कार्यरत कार्मिकों को समान अवसर और बेहतर सेवा संरचना मिल सकेगी।

प्रस्ताव के अनुसार, 2018 की नियमावली में समय-समय पर किए गए संशोधनों के बावजूद कई विसंगतियां बनी हुई थीं, जिन्हें दूर करने के लिए यह द्वितीय संशोधन लाया गया है। संशोधित नियमावली के तहत सेवा शर्तों को अधिक स्पष्ट, संगठित और प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा, जिससे प्रशासनिक दक्षता में सुधार होने की उम्मीद है।

कैबिनेट के इस निर्णय से न केवल कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि होगी, बल्कि औद्योगिक विकास प्राधिकरणों की कार्यप्रणाली भी अधिक सुव्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनेगी। सरकार का मानना है कि एकरूप सेवा ढांचा निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार करेगा और औद्योगिक परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

राज्य सरकार लंबे समय से औद्योगिक विकास को गति देने के लिए नीतिगत सुधारों पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो प्राधिकरणों को अधिक सक्षम, जवाबदेह और निवेश-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाईअड्डे पर एयर कनाडा विमान फायर ट्रक से टकराया, कई घायल

न्यूयॉर्क, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाईअड्डे पर रविवार देर रात एयर कनाडा का एक विमान रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया, जिसमें कई आपातकर्मी घायल हो गए और हवाईअड्डे का संचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जैज़ एविएशन का बॉम्बार्डियर सीआरजे-900 विमान मॉन्ट्रियल से न्यूयॉर्क पहुंचा और आने के बाद गेट की ओर जा

रहा था, तभी रनवे-4 पर उसकी टक्कर फायर ट्रक से हो गयी।

स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया गया है कि इस हादसे में कम से कम चार दमकलकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। विमान में सवार लगभग 100 यात्रियों की स्थिति का आकलन किया जा रहा है। घटना के बाद दमकल, एंबुलेंस और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं

बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे के बाद अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने 'एयरक्राफ्ट इमरजेंसी' का हवाला देते हुए ला गार्डिया आने वाली सभी उड़ानों पर अस्थायी रोक लगा दी। इससे पहले भी खराब मौसम के कारण हवाईअड्डे का संचालन प्रभावित रहा था।

राकेश बेदी ने थियेटर में वीडियो बनाने वालों से की अपील

स्पॉइलर डालकर दूसरों का मजा न बिगाड़ें

स्पाई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस में ताबड़तोड़ कमाई के साथ नए रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रही है। दिन-ब-दिन फिल्म को लेकर दर्शकों में क्रेज बढ़ता ही जा रहा है। वहीं, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स फिल्म के कुछ सीन का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। इस पर एक्टर राकेश बेदी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर सभी से खास अपील की। 'धुरंधर: द रिवेंज' में नेता 'जमील जमाली' की भूमिका निभाने वाले राकेश बेदी ने लोगों से कहा कि सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े वीडियो शेयर कर वे फिल्म देखने वालों का उत्साह खराब न करें। वीडियो में वे कहते हैं, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत गर्व हो रहा है। फिल्म ने न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में कमाई के नए कीर्तिमान बनाए हैं। यह सिर्फ पैसे की कमाई नहीं है, बल्कि लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रही है। दर्शकों की प्रतिक्रियाएं बहुत शानदार आ रही हैं और कलेक्शन अभूतपूर्व है।

राकेश बेदी ने एक खास गुजारिश करते हुए कहा, कृपया फिल्म देखते समय उसके सीन रिकॉर्ड करके या फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर न डालें। खास तौर पर क्लाइमैक्स (अंतिम हिस्सा) के बारे में कुछ न बताएं और न ही शेयर करें। ऐसा करने से दूसरों का मजा खराब होता है, क्योंकि ये स्पॉइलर बन जाते हैं। आपने फिल्म का आनंद ले लिया, अब दूसरों को भी पूरा मजा लेने दें।

इसी के साथ ही, राकेश ने एक दिलचस्प किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने कहा, हाल ही में मेरी मुलाकात क्रिकेट के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर से हुई। गावस्कर ने मुझसे कहा कि उन्हें फिल्म देखनी है, लेकिन टिकट का इंतजाम नहीं हो पा रहा है। क्या कुछ जुगाड़ हो सकता है?

उन्होंने आगे कहा, इसलिए, मैं उनके लिए कुछ टिकटों का इंतजाम करने की कोशिश कर रहा हूं। उम्मीद है कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। खैर मैं एक बार फिर आप सभी से गुजारिश करता हूं कि कृपया फिल्म के दृश्यों को शूट करके सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें। ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं है। आपने तो फिल्म का आनंद ले लिया; अब दूसरों को भी इसका आनंद लेने दीजिए।

धुरंधर: द रिवेंज की सफलता के बीच रणवीर सिंह का बड़ा खुलासा, बताया क्यों रह गए थे दंग

स्पाई एक्शन थ्रिलर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस में ताबड़तोड़ कमाई करने में जुटी है। फिल्म की कहानी और कलाकारों के बेहतरीन अभिनय से धुरंधर का जादू हर भारतीय के सर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म में जियोपॉलिटिकल मुद्दे, गुप्त ऑपरेशन और देशभक्ति के तत्व मजबूती से उठाए गए हैं। ऐसे कई संवेदनशील और आम लोगों की पहुंच से दूर के मुद्दों को फिल्म में दिखाया गया है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं। सोमवार को निर्देशक आदित्य धर ने रणवीर का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस वीडियो में रणवीर ने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने और कहानी सुनने के अनुभव को बताया। दरअसल, ये वीडियो एक इवेंट का है, जिसमें रणवीर कहते हैं कि जब उन्होंने पहली कहानी सुनी थी, तो वे इसे सुनते ही हैरान रह गए थे।

अभिनेता ने कहा, जब सर ने मुझे ये कहानी सुनाई, मैं तो हक्का-बक्का रह गया था। मैंने सर से पूछा भी कि क्या ऐसा सच में होता है? सर ने कहा, हां बेटा, ऐसा भी होता है।

रणवीर ने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा, यह एक ऐसी दुर्लभ गुण-वत्ता वाली फिल्म है, लेकिन बिना किसी दिखावे के। इसकी हर एक चीज बिल्कुल सही और विश्वसनीय तरीके से पेश की गई है, जो व्यावसायिक तौर पर सिनेमा में खास संतुलन बनाए रखता है। ऐसी सफलता को पाना बहुत मुश्किल होता है, जहां कहानी गहरी हो लेकिन मनोरंजन भी टॉप हो। मुझे गर्व है कि मैं इसका हिस्सा हूं।आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म में भले ही रणवीर सिंह ने मुख्य भूमिका अदा की हो लेकिन इसके हर एक किरदार की अपनी खासियत रही है। फिल्म में एक भारतीय अंडरकवर एजेंट जो पाकिस्तान में दुश्मन की मांद में घुसकर 'धुरंधर' का किरदार निभाता है। बताया जाता है कि दानिश को दाउद इब्राहिम के किरदार में ढलने के लिए रोज 8-9 घंटे प्रोस्थेटिक मेकअप करना पड़ता था। वहीं, आर. माधवन का किरदार अजीत डोभाल से प्रेरित था। अक्षय खन्ना ने पाकिस्तानी गैंगस्टर और राजनीतिज्ञ रहमान बलूच की भूमिका निभाई थी।

चुंबक के सेट पर मिली खास सलाह बनी प्रेरणा : संदीपा धर

फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया में सफलता का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। यहां कब कौन-सा काम किसी कलाकार की किस्मत बदल दे, यह पहले से कहना मुश्किल होता है, इसलिए कई अनुभवी कलाकार हमेशा नए कलाकारों को एक ही बात सिखाते हैं- लगातार काम करते रहो और अपने हुनर पर भरोसा रखो। इस कड़ी में एक्ट्रेस संदीपा धर ने भी ऐसा ही एक अनुभव साझा किया है, जिसने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। यह अनुभव उनकी नई वेब सीरीज 'चुंबक' की शूटिंग से जुड़ा हुआ है, जहां उनकी मुलाकात दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता से हुई। मुलाकात के खास पलों को याद करते हुए संदीपा धर ने कहा, नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने एक शॉर्ट फिल्म 'स्टूडेंट' की थी, उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि वही काम आगे चलकर उनके लिए नए मौके लेकर आएगा। लेकिन उसी काम की वजह से उन्हें बाद में फिल्म 'बधाई हो' जैसी बड़ी और सफल फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। वह कहती हैं कि कौन-सी फिल्म, कौन देखेगा और कहां देखेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। तुम्हारा काम एक एक्टर के तौर पर बस काम करते रहना है और अच्छा काम करना है ताकि कहीं न कहीं कोई तुम्हें देखे और सोचे कि शायद तुम किसी और प्रोजेक्ट के लिए सही हो. संदीपा ने माना कि यह बात सुनने में जितनी आसान लगती है, उसे जिंदगी में बनाए रखना उतना ही मुश्किल होता है, लेकिन यह सफलता का मंत्र है, जिसे समझना जरूरी है।

नीना गुप्ता ने लंबे समय तक संघर्ष किया और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 1982 में 'साथ-साथ' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने 'मंडी', 'जाने भी दो यारों', 'त्रिकाल' और 'गांधी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी। उन्होंने टीवी की दुनिया में भी नाम कमाया और 90 के दशक में 'सांस' (1999) और 'सिस्की' जैसे टीवी शो के साथ-साथ क्विज शो 'कमजोर कड़ी कौन' की मेजबानी करके घर-घर में मशहूर हो गईं। उनके करियर में चार चांद तब लगे, जब वह 'बधाई हो' (2018) में नजर आईं। इस फिल्म के लिए उन्होंने फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड जीता। इसके बाद उन्होंने 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान', 'ऊंचाई' और 'पंचायत' (वेब सीरीज) में प्रमुख भूमिकाएं निभाईं।

वहीं संदीपा धर की बात करें, तो वह हाल ही में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अब वह पहली बार नीना गुप्ता के साथ 'चुंबक' में काम कर रही हैं। हालांकि इस सीरीज के बारे में ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते : दिव्या दत्ता

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।''

दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।''

इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

शिल्पा शेट्टी ने बताया रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज का सही तरीका

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल और नियमित योगाभ्यास से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लोगों को योगा करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक फिटनेस वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने न सिर्फ इस एक्सरसाइज को रिवर्स हाइपर करने का सही तरीका बताया, बल्कि इसके कई फायदों पर भी रोशनी डाली। अभिनेत्री ने इसे अंडररेटेड यानी कम चर्चित लेकिन बहुत प्रभावी व्यायाम बताया, जो खासकर नितंब (ग्लूट्स) को मजबूत बनाने के लिए आरामदायक है। शिल्पा ने लिखा, रिवर्स हाइपर के कई फायदे हैं। सबसे पहले, यह व्यायाम हिप एक्सटेंशन के जरिए ग्लूट्स मैक्सिमस मांसपेशी को बहुत अच्छे से टारगेट करता है, जिससे नितंब मजबूत और आकर्षक बनते हैं। दूसरा, यह कमर के निचले हिस्से (लोअर बैक) के लिए काफी सुरक्षित माना जाता है। यह पोस्टीरियर चेन यानी पीठ, ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग्स को मजबूत बनाता है और रीढ़ की हड्डी पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता। उन्होंने आगे लिखा, इसके अलावा, यह व्यायाम स्क्वाट्स, डेडलिफ्ट्स जैसी भारी एक्सरसाइज को करने में मदद करता है और हिप एक्सटेंशन की ताकत बढ़ाता है। साथ ही, यह संतुलित पोस्टीरियर चेन बनाता है, यानी ग्लूट्स, हैमस्ट्रिंग्स और लोअर बैक को एक साथ एक्टिवेट करता है। आखिर में नियंत्रित तरीके से करने पर लोअर बैक की जकड़न कम होती है, जिससे खून का बहाव बेहतर होता है और रीढ़ को अच्छा सपोर्ट मिलता है।

अभिनेत्री ने इसे घर पर या जिम में आसानी से करने का भी आसान तरीका बताया। उन्होंने लिखा, ग्लूट्स की ताकत से ऊपर उठाएं। ऊपर पहुंचकर 1-2 सेकंड रुकें और फिर धीरे-धीरे नीचे लाएं। उन्होंने सेट्स और रेप्स की डिटेल देते हुए लिखा, 3 सेट में 15 से 18 रेप्स करें। कंट्रोल के साथ ऊपर उठाएं। अब ऊपर 1-2 सेकंड होल्ड करें और धीरे-धीरे नीचे आएं।

आसान नहीं था टीवी से बॉलीवुड का सफर, उल्का गुप्ता ने सुनाई अपनी कहानी

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगीं। उल्का गुप्ता ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, ''टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।''

बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, ''इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।''

उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया।

इसे लेकर उन्होंने कहा, ''फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।''

नवरात्र का छठा दिन, यमुना छठ पर द्विपुष्कर योग व अभिजित मुहूर्त

चैत्र नवरात्र का कल यानी 24 मार्च को छठवां दिन है। इस दिन मां कात्यायनी की पूजा के साथ-साथ यमुना छठ या यमुना जन्मोत्सव भी मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा-वृंदावन में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन देवी यमुना पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं, इसलिए इसे यमुना जन्मोत्सव के रूप में भी जाना जाता है। यह पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को पड़ती है। यमुना छठ पर भक्त सुबह स्नान कर यमुना जी की पूजा करते हैं। नदी के तट पर सूर्य को अर्घ्य देते हैं माता यमुना से वरदान मांगते हैं। मथुरा-वृंदावन में इस दिन विशेष तौर पर लोग पीले वस्त्र पहनकर यमुना स्नान करते हैं और फल-मिठाई का प्रसाद चढ़ाते हैं। शाम को यमुना जी की विशेष आरती और भजन होते हैं। मंगलवार को तिथि षष्ठी शाम 4 बजकर 7 मिनट तक है। हालांकि, उदयातिथि के अनुसार, पूरे दिन षष्ठी तिथि ही रहेगी। नक्षत्र रोहिणी शाम 7 बजकर 4 मिनट शाम तक है।

वहीं, मंगलवार को सूर्योदय 6 बजकर 21 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 34 मिनट पर होगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 46 मिनट से 5 बजकर 34 मिनट तक है। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 3 मिनट से 12 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त 2 बजकर 30 मिनट दोपहर से 3 बजकर 19 मिनट दोपहर तक है। वहीं, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 33 मिनट से 6 बजकर 57 मिनट तक, अमृत काल शाम 4 बजकर 6 मिनट से 5 बजकर 35 मिनट तक रहेगा।

खास बात है कि मंगलवार को द्विपुष्कर योग भी है, जो 7 बजकर 4 मिनट शाम से अगले दिन सुबह 6 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। वहीं, रवि योग सुबह 6 बजकर 21 मिनट से 7 बजकर 4 मिनट शाम तक है।

अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल 3 बजकर 31 मिनट शाम से 5 बजकर 3 मिनट शाम तक, यमगंड 9 बजकर 24 मिनट सुबह से 10 बजकर 56 मिनट सुबह तक, गुलिक काल दोपहर 12 बजकर 28 मिनट से 1 बजकर 59 मिनट तक है। दुर्मुहूर्त 8 बजकर 47 मिनट सुबह से 9 बजकर 36 मिनट सुबह तक और विडाल योग 6 बजकर 21 मिनट सुबह से 7 बजकर 4 मिनट शाम तक रहेगा।

चांदी के गिलास में पानी पीने के फायदे

चंद्रमा होगा मजबूत, वैदिक ज्योतिष से जानें कैसे करें सेवन

चांदी धातु का वैदिक ज्योतिष के साथ-साथ आयुर्वेद में भी खास महत्व है। इसे बेहद पवित्र माना गया है जो शुद्धता, शांति और चंद्रमा से संबंधित है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, चांदी धातु का संबंध चंद्रमा से होता है। लाल किताब में भी चांदी के गिलास में पानी पीना बहुत अच्छा माना गया है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, चांदी के गिलास में रखे पानी का सेवन करने से सकारात्मकता बढ़ती और जातक को मानसिक शांति महसूस होती है। साथ ही, शास्त्रों में चंद्रमा को मजबूत करने के लिए चांदी धातु का विशेष महत्व बताया गया है।

चांदी का संबंध चंद्रमा से

ज्योतिषशास्त्र में चांदी का संबंध चंद्रमा से माना गया है, जो मन, मानसिक स्थिति, शांति, भावनाओं और स्वास्थ्य कारक है। अगर किसी जातक की जन्म कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर या पीड़ित हो तो ज्योतिष एक्सपर्ट मधु प्रिया के अनुसार, उसे चंद्र दोष का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में चिंता, भावनाओं में उतार-चढ़ाव, तनाव आदि समस्याएं परेशान करने लगती हैं। ऐसे में चंद्रमा को मजबूत करने के लिए वैदिक ज्योतिष व लाल किताब में कई उपायों का वर्णन मिलता है। जिनमें से एक है चांदी के पात्र में जल का सेवन करना।

चांदी के गिलास में पानी पीने के फायदे

मान्यता है की चांदी जन्म कुंडली में चंद्रमा की स्थिति को मजबूत करने में सहायक होता है। इसके प्रयोग से आंतरिक शांति को बढ़ सकती है और इसे नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर रखने में सहायक माना गया है। चांदी के गिलास में पानी पीने से मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा मिलता है और भावनाओं को संतुलित करने में भी मदद मिलती है। अगर आप अत्यधिक चिंतित व परेशान रहते हैं तो यह उपाय करके देख सकते हैं। यह अधिक चिंता और तनाव से भी राहत दिला सकता है। मान्यता है की चांदी में रोगाणुरोधी गुण होते हैं। ऐसे में इसके पात्र में रखा पानी पीने से यह तीन दोष पित्त, कफ और वात को संतुलित रखता है। यह धातु चंद्रमा को मजबूत करने के साथ-साथ संबंधों में गहराई और करुणा को भी बढ़ावा देता है। चांदी के गिलास में पानी पीने से मानसिक शांति महसूस होती है और यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

चांदी के गिलास में पानी कैसे पिएं?

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, चांदी के गिलास में पानी पीने के लिए शुद्ध व अच्छी गुणवत्ता वाली चांदी के पात्र का प्रयोग करना चाहिए।

रात के समय चांदी के गिलास को अच्छी तरह साफ करके उसमें स्वच्छ जल भरकर रातभर छोड़ें। ऐसा करने से चांदी धातु और चंद्रमा के गुण जल में समा सकें।

चांदी के पात्र में कम से कम 6 से 8 घंटे तक जल को जरूर रखना चाहिए। इसके बाद, अगले दिन सुबह के समय चांदी के गिलास में जल का सेवन करें।

ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार, बेहतर परिणाम और चंद्रमा की स्थिति को मजबूत करने के लिए खाली पेट जल का सेवन करते समय मन ही मन में 'ओम सोम सोमाय नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए।

चांदी के गिलास में पानी किन लोगों को पीना चाहिए?

अगर कुंडली में चंद्रमा वृश्चिक राशि में हो, निम्न राशि में हो या चंद्रमा शनि की युति से विष योग बन रहा हो तो चांदी के पात्र में पानी का सेवन किया जा सकता है।

मान्यता है की कर्क, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों के लिए चांदी के गिलास में पानी पीना बेहद लाभदायक होता है। ये तीनों राशियां जल तत्व से संबंधित होती हैं। ऐसे में चांदी के पात्र में पानी पीना शुभ हो सकता है।

चांदी धातु नींद संबंधी समस्या और हार्मोनल असंतुलन से राहत दिलाने में सहायक होता हैं। हालांकि, इस उपाय को करने से पहले किसी कुशल ज्योतिषी से अपनी कुंडली में चंद्रमा की स्थिति जरूर दिखवानी चाहिए।

कौन सी देवी किस अंग की करती हैं रक्षा

दुर्गा सप्तशती के कवच का महात्म्य

सनातन धर्म में भगवती की आराधना को समर्पित चैत्र नवरात्रि का पर्व विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में शक्ति की आराधना से भक्ति, शक्ति और आस्था के साथ आरोग्य का वरदान माता देती हैं। साथ ही, हर प्रकार के भय से भी मुक्त करती हैं। नवरात्रि में कई भक्त पूरे नौ दिन व्रत रखकर माता दुर्गा की आराधना, पूजा-पाठ करते हैं। इस दौरान दुर्गा कवच (देवी कवच) का पाठ बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह मार्कंडेय पुराण में वर्णित दुर्गा सप्तशती का एक शक्तिशाली हिस्सा है, जिसे ब्रह्मा जी ने ऋषि मार्कंडेय को बताया था। दुर्गा कवच मां दुर्गा के नौ रूपों द्वारा साधक के पूरे शरीर की रक्षा करता है। यह स्तोत्र न केवल शारीरिक रक्षा करता है, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक बल भी प्रदान करता है। धर्म शास्त्रों में वर्णित है कि दुर्गा सप्तशती के नित्य पाठ करने से भय, नकारात्मकता की समस्या, शत्रु, रोग से मुक्ति मिलती है। यह आरोग्य, समृद्धि, मनोकामना पूर्ति, सुख-शांति और मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है।

दुर्गा सप्तशती के कवच में उल्लेखित है कि दुर्गा के विभिन्न रूप भक्तों के अलग-अलग अंगों की रक्षा करते हैं। यह कवच साधक को हर प्रकार के भय से मुक्त रखता है और सभी रोगों का नाश करता है। सच्चे मन से पाठ करने वाले को हर संकट से सुरक्षा मिलती है। नवरात्रि में सुबह या शाम इस कवच का पाठ करने से घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कवच में उल्लेखित है कि चामुंडा देवी सिर की रक्षा, माता शैलजा आंखों की विशालाक्षी कानों की रक्षा करती हैं। माहेश्वरी नाक, महाकाली मुंह की सरस्वती जीभ की और वाराही देवी गर्दन की रक्षा करती हैं। अंबिका हृदय की रक्षा करती हैं और कौमारी भुजाओं की रक्षा, चंडिका हाथों की रक्षा, नारायणी उदर (पेट) की रक्षा करती हैं और माहेश्वरी कमर की रक्षा करती हैं। देवी महालक्ष्मी जांघों की रक्षा, भैरवी घुटनों की रक्षा, महाकाली पिंडलियों (जांघों के पीछे) की रक्षा तो ब्रह्मांड की देवी (दुर्गा) पैरों और पूरे शरीर की रक्षा करती हैं।

मां हिंगुला के चमत्कार की वजह से जलती है जगन्नाथ मंदिर की रसोई, चैत्र माह में निकलती है यात्रा

19 मार्च में नौ अलग-अलग रूपों में भक्तों को दर्शन देने के लिए आ रही हैं और देशभर के देवी मंदिरों में मां के स्वागत के लिए तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। ओडिशा में मां भगवती के कई रूपों की पूजा होती है लेकिन चैत्र नवरात्रि के आगमन के साथ मां भगवती को अग्नि के रूप में पूजा जाता है और इसका संबंध विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से जुड़ा है। हम बात कर रहे हैं मां हिंगुला मंदिर की, जो सिद्धपीठों में शामिल है। ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित मां हिंगुला मंदिर राज्य के बाकी मंदिरों से भव्य और मन को मोह लेने वाला है। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में मां की सोने से सजी प्रतिमा विराजमान है, जहां मां के चारों हाथों में अस्त्र और शस्त्र मौजूद हैं। नवरात्रि के नौ दिन मां के दिव्य शृंगार किए जाते हैं। खास बात यह है कि मां हिंगुला को अग्नि की देवी के रूप में पूजा जाता है। भक्त चैत्र नवरात्रि में मां के दर्शन करने के बाद भोग मंदिर में बने अग्निकुंड में डालते हैं।

स्थानीय कथाओं की मानें तो मां हिंगुला का संबंध विश्व प्रसिद्ध पुरी के जगन्नाथ मंदिर से भी है। माना जाता है कि पुरी के राजा को भगवान जगन्नाथ ने स्वप्न में आदेश दिया था कि वे मां हिंगुला की पूजा करें ताकि जगन्नाथ मंदिर की अनूठी रसोई में प्रतिदिन आने वाले विशाल प्रसाद का प्रबंधन हो सके। ऐसा माना जाता है कि देवी पुरी की रसोई में पवित्र अग्नि के रूप में प्रकट होती हैं और यही कारण है कि चैत्र के महीने में मां हिंगुला के मंदिर में 'हिंगुला यात्रा' निकाली जाती है। यह यात्रा न सिर्फ आध्यात्मिकता का प्रतीक है, बल्कि इस लोक उत्सव में ओडिशा की संस्कृति की भी झलक देखने को मिलती है।

चैत्र नवरात्रि में मां हिंगुला को समर्पित मेला भी लगता है, जिसमें भक्त नौ दिन तक भारी संख्या में मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भक्तों को मानना है कि मां हिंगुला के अग्नि रूप में दर्शन करने के बाद जिंदगी के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। यही कारण है कि भक्त खास कर नवजात बच्चों को मां हिंगुला के दर्शन के लिए लेकर आते हैं और कुछ वहां पर मुंडन भी कराते हैं।

माँ भगवती को अति प्रिय ये दादिमा फल

चैत्र नवरात्र का पावन पर्व 19 मार्च से शुरू हो चुका है। इस दौरान भक्त मां दुर्गा की आराधना में विभिन्न फूल, फल और मिठाइयां चढ़ाते हैं, लेकिन शास्त्रों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता रानी को लाल-लाल दानों वाला फल दादिमा अत्यंत प्रिय है। दादिमा या अनार का उल्लेख धर्म शास्त्रों में भी मिलता है, जिसके अनुसार सभी फलों में अनार देवी को सबसे अधिक प्रिय है। इसे अर्पित करने से सुख-समृद्धि, संतान सुख, आरोग्य और कर्ज मुक्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा को अनार चढ़ाने की परंपरा बहुत पुरानी है, जो विशेष फलदायी माना जाता है। यह न केवल माता को प्रसन्न करता है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए भी लाभकारी साबित होता है। अनार की लालिमा शक्ति, जीवन ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक मानी जाती है। इसकी गहरी लाल रंगत मां दुर्गा की शक्ति और रौद्र रूप से भी जुड़ी हुई है।

धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि में अनार चढ़ाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार में सौभाग्य बढ़ता है। कई भक्त इसे विशेष रूप से कर्ज से मुक्ति और आर्थिक समृद्धि के लिए अर्पित करते हैं। अनार को अखंड फल माना जाता है, जैसे नारियल या श्रीफल को बारह महीने का फल कहते हैं, वैसे ही अनार भी पूजा में अत्यंत शुभ फल है।

अनार केवल धार्मिक महत्व का ही नहीं, बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर है। आयुर्वेदिक ग्रंथों और 12वीं शताब्दी के संस्कृत ग्रंथ 'मानसोल्लास' में अनार को पवित्र और अत्यधिक लाभकारी बताया गया है। यह फल रक्त शुद्ध करता है, एनीमिया या खून की कमी दूर करता है, पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है, हृदय रोगों से बचाव करता है और इम्युनिटी बढ़ाता है।

अनार ऐसा फल है, जिसका सेवन साल भर किया जा सकता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और पोटैशियम पाए जाते हैं। गर्मी में यह ठंडक प्रदान करता है और त्वचा को स्वस्थ रखता है। अनार का जूस पीने से थकान दूर होती है और शरीर में नई ऊर्जा आती है।

बुध गोचर मीन राशि में, नीच राशि में बैठकर बुध बढ़ाएंगे मेष, सिंह सहित अन्य राशियों की परेशानी, जानें उपाय

बुध गोचर मीन राशि में 11 अप्रैल को होने जा रहा है। बुध कुंभ राशि से निकलकर गुरु की राशि मीन में प्रवेश करने जा रहे हैं। 30 अप्रैल तक बुध मीन राशि में ही गोचर करेंगे। बुध के लिए मीन राशि नीच राशि मानी गई है। नीच राशि में आने पर बुध कमजोर अवस्था में आ जाते हैं। बुध कमजोर अवस्था में आने के बाद मेष, सिंह सहित 5 राशियों को करियर में और पारिवारिक मामलों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। करियर में उतार चढ़ाव के साथ साथ रिश्तों में भी परेशानी बनी रहेगी।

मेष राशि – मेष राशि के लोगों के लिए बुध का गोचर होने से शारीरिक ऊर्जा में कमी महसूस हो सकती है। इस दौरान छोटी छोटी परेशानियों आपको काफी ज्यादा असहज महसूस करा सकती है। साथ ही आपको नींद आदि से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। इस दौरान हो सकता है कि आपको अपने मन मुताबिक परिणाम नहीं मिल पाएं जिस वजह से आप थोड़ा निराश महसूस कर सकते हैं। साथ ही आपको अपनी आर्थिक स्थिति परल भी दबाव महसूस हो सकता है। अगर आपका कोई कोर्ट कचहरी से जुड़ा मामला चल रहा है तो आपको उसमें अपने मन मुताबिक सफलता नहीं मिल पाएगी।

उपाय :बुध को मजबूत करने के लिए गणेशजी को हर बुधवार लड्डुओं का भोग लगाएं।

सिंह राशि – बुध की मीन राशि में गोचर से सिंह राशि के जातकों को आमदनी में काफी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। आपको सलाह है कि इस समय कोई भी जोखिम भरा निवेश न करें। साथ ही नौकरीपेशा जातकों को कार्यस्थल पर कुछ अस्थिर परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको सलाह है कि इस समय अपने वाणी और व्यवहार पर थोड़ा नियंत्रण रखें। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको करियर में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर इस समय आपकी समझदारी की परीक्षा हो सकती है।

उपाय : बुध ग्रह के लिए हरी मूंग की दाल का दान करें। बुध का नकारात्मक प्रभाव कम होगा।

तुला राशि – तुला राशि के लोगो के लिए बुध का गोचर आपके लिए अच्छा नहीं दिखाई दे रहा है। इस समय आपको अपने काम में बार बार अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आर्थिक मामलों में भी आपको काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको सलाह है कि इस दौरान नियमित दिनचर्या अपनाएं तो आपको लाभ मिलेगा। परिवार के लिहाज से देखें तो यह समय आपके लिए काफी सकारात्मक रहने वाला है। घर परिवार में संतोष का माहौल बना रहेगा।

उपाय : बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए गाय को हरा चारा खिलाएं।

मकर राशि – मकर राशि के लोगों को इस समय अपने विरोधियों से संभलकर रहना होगा। वह आपकी छवि का नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। साथ ही आपको भाग्य का भी पूरा साथ नहीं मिलेगा। लेकिन, अपने प्रयास में कमी न आने दें। प्रयास करने से आपको धीरे धीरे सफलता जरूर मिलेगी। आपकी मेहनत पूरी तरह से व्यर्थ नहीं जाएगी। आपको इस समय अपनी छवि को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। सोशल मीडिया पर कोई भी ऐसी बात साझा न करें क्योंकि, ऐसा करने से आपका छवि बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

उपाय : अपनी बहन या मौसी को कोई उपहार भेट करें। क्योंकि, बुध का संबंध बहन और मौसी से माना गया है।

किचन वास्तु उपाय, जानें किचन में कौनसी पांच गलतियां करने से बचना चाहिए

घर की रसोई को वास्तु शास्त्र में एक अहम हिस्सा माना गया है। किचन सिर्फ खाना बनाने के लिए ही काम नहीं आता है बल्कि यहां से घर में ऊर्जा का संचार होता है। यह ऊर्जा परिवार के सभी सदस्यों को प्रभावित करती है। किचन से निकलने वाली ऊर्जा स्वास्थ्य और धन के साथ साथ करियर को भी प्रभावित करती है। कई बार घर की ऊर्जा के कारण करियर में ग्रोथ रुक जाती है।

किचन में आग और पानी एक साथ नहीं होने चाहिए

वास्तु एक्सपर्ट डॉ मधुप्रिया प्रसाद बताती है कि रसोई में पानी और चूल्हा को एक साथ बिल्कुल आमने सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा होना पर यह बड़ा वास्तु दोष बन जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सिंक और चूल्हे के बीत कम से कम 2 से 3 फीट होना चाहिए। अगर सिंक और चूल्हा एक साथ होते हैं तो परिवार में मनमुटाव और मानसिक तनाव बना रहता है। अगर दोनों पास है तो उनके बीच में कोई लकड़ी या ग्रेनाइट का डिवाइडर लगा दें।

किचन में कोई आईना न लगाएं

अक्सर घरों में किचन को सुंदर बनाने के लिए शिशा लगा देते हैं लेकिन, किचन में आईना लगा देते हैं। किचन में सजावट के लिए आईना लगाना वास्तु के अनुसार, वर्जित माना गया है। दरअसल, आईना अग्नि की ऊर्जा को रिफ्लेक्ट कर देता है और जीवन में अस्थिरता पैदा होती है। परिवार के लोगों में बेवजह विवाद पैदा होता है।

टूटे हुए बर्तन न रखें

किचन में भूलकर भी चटके हुए या टूटी कटोरी और प्लेट आदि नहीं रखने चाहिए। अगर आप किचन में ऐसा बर्तन रखते हैं तो दरिद्रता को आमंत्रित करते हैं। घर परिवार में सुख समृद्धि बनाकर रखने के लिए ऐसा बर्तनों को किचन से तुरंत ही बाहर निकाल दें।

रात में जूठे बर्तन न रखें

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि रसोई में गंदगी रहने से राहु का वास बढ़ता है। राहु के कारण परिवार में अस्थिरता आती है। ऐसे में किचन में रात के समय जूठे बर्तन न छोड़े। वरना आर्थिक तंगी और भारीपन महसूस होगा। रात के समय किचन को अच्छे से साफ करके ही सोएं।

सही दिशा में रखें चूल्हा

रसोई में गैस चूल्हा को सही दिशा में यानी उत्तर पश्चिम में ही रखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो यह अग्नि तत्व को कमजोर कर देता है। जिस वजह से अनावश्यक खर्च और करियर में बार बार रुकावट का सामना करना पड़ता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

फिलहाल आर्थिक मंदी नहीं

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का मानना है कि ईरान युद्ध के कारण विश्व खतरनाक ऊर्जा-संकट की दहलीज पर है। युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से तेल-गैस ठिकानों को इतना तबाह, बर्बाद किया गया है कि उनकी भरपाई में सालों का वक्त लगेगा। ऊर्जा-संकट के साथ खाद्य-संकट भी जुड़ा है। इस समय करीब 32 करोड़ लोग दुनिया में खाद्य-सुरक्षा के लिए जूझ रहे हैं। इसी दौरान 'मूडीज' जैसी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी का आकलन सामने आया है कि वैश्विक आर्थिक मंदी के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी, उसी देश में, 12 माह की अवधि में, करीब 49 फीसदी आर्थिक मंदी की संभावनाएं हैं। अमरीका की जीडीपी 2934 लाख करोड़ रुपए (करीब 30.6 ट्रिलियन डॉलर) की है, जबकि कर्ज 3640 लाख करोड़ रुपए (करीब 39 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है। अमरीका में पेट्रोल-डीजल के दाम भी 17-20 फीसदी तक बढ़ गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-गैस का उत्पादक देश है। नतीजतन अब अमरीका की जनता और विपक्ष राष्ट्रपति ट्रंप को गरियाते हुए सवाल करने लगे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध क्यों छेड़ा गया? यह सरासर अवैध, अनैतिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ यौद्धिक कार्रवाई है। 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी' की एक रपट के मुताबिक, इस साल के अंत तक वैश्विक आर्थिक विकास दर में 0.7 फीसदी की कमी हो सकती है। यह अरबों रुपए की राशि बनती है। कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि ईरान युद्ध लंबा चला, तो 1929 वाली महामंदी का दौर भी आ सकता है। यदि कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत में भी महंगाई दर 5-6 फीसदी तक बढ़ सकती है। यदि ईरान के दावों के मुताबिक, कच्चा तेल 200 डॉलर तक उछलता है, तो भारत में महंगाई दर 7-8 फीसदी तक पहुंच सकती है। फिलहाल महंगाई दर 3 फीसदी से कुछ अधिक है। वैसे भारत 12-14 फीसदी तक की मुद्रास्फीति झेल चुका है। भारत की जीडीपी भी 1-2 फीसदी कम हो सकती है, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था 'क्रैश' होने की स्थिति में नहीं है और न ही मंदी के पुख्ता आसार हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि युद्ध के बाद भी भारत की विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जो विश्व में सर्वाधिक होगी। यदि विकास दर 7 फीसदी से अधिक से लुढ़क कर 3 फीसदी पर आती है, तो हमें आर्थिक मंदी की चिंता करनी होगी। अर्थशास्त्री भारत सरकार से यह आग्रह भी कर रहे हैं कि सरकार तेल से करीब 7 लाख करोड़ रुपए सालाना कमाती है। ईरान युद्ध हमारे लिए एक 'झटका' है, फिलहाल 'संकट' की स्थिति नहीं है। झटके के असर को कम करने के लिए सरकार तेल की कमाई में से कुछ खर्च कर उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है। अभी हमें प्रतीक्षा करनी होगी कि युद्ध के बाद कच्चे तेल के दाम कहां स्थिर होते हैं-80 या 90 डॉलर प्रति बैरल! उसके मुताबिक ही नई नीतियां बनानी होंगी। फिलहाल डॉलर के मुकाबले हमारी मुद्रा 'रुपया' सार्वकालिक निचले स्तर पर है। यह भी हमारी अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार, अंतरराष्ट्रीय खरीद और भुगतान आदि को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। ईरान ने अभी तक 9 देशों के 39 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए हैं, नतीजतन तेल-गैस की आपूर्ति बाधित है, क्योंकि उन्होंने या तो उत्पादन बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम कर दिए हैं। भारत में तेल की किल्लत नहीं है। बहरहाल समस्याएं और सवाल तो हैं, लेकिन मंदी की भयावह स्थिति नहीं है।

युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से तेल-गैस ठिकानों को इतना तबाह, बर्बाद किया गया है कि उनकी भरपाई में सालों का वक्त लगेगा। ऊर्जा-संकट के साथ खाद्य-संकट भी जुड़ा है। इस समय करीब 32 करोड़ लोग दुनिया में खाद्य-सुरक्षा के लिए जूझ रहे हैं। इसी दौरान 'मूडीज' जैसी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी का आकलन सामने आया है कि वैश्विक आर्थिक मंदी के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी, उसी देश में, 12 माह की अवधि में, करीब 49 फीसदी आर्थिक मंदी की संभावनाएं हैं। अमरीका की जीडीपी 2934 लाख करोड़ रुपए (करीब 30 .6 ट्रिलियन डॉलर) की है, जबकि कर्ज 3640 लाख करोड़ रुपए (करीब 39 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है। अमरीका में पेट्रोल-डीजल के दाम भी 17-20 फीसदी तक बढ़ गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-गैस का उत्पादक देश है। नतीजतन अब अमरीका की जनता और विपक्ष राष्ट्रपति ट्रंप को गरियाते हुए सवाल करने लगे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध क्यों छेड़ा गया? यह सरासर अवैध, अनैतिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ यौद्धिक कार्रवाई है। 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी' की एक रपट के मुताबिक, इस साल के अंत तक वैश्विक आर्थिक विकास दर में 0 .7 फीसदी की कमी हो सकती है। यह अरबों रुपए की राशि बनती है। कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि ईरान युद्ध लंबा चला, तो 1929 वाली महामंदी का दौर भी आ सकता है। यदि कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत में भी महंगाई दर 5-6 फीसदी तक बढ़ सकती है।

आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

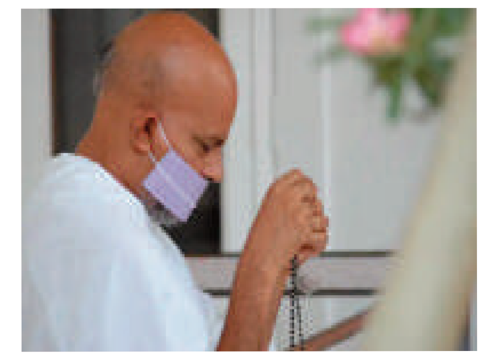

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण। मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे। आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरुआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है।

मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

कुछ अलग

एक कील चाहिए

हुनर तराशने के लिए कील भी एक प्रयत्न है। अंत तक सीधी रहे, तो बड़े काम कर लेती है। एक कील की जरूरत भी कई बार बहुत बड़ी समस्या हो सकती है, रौनक राम को इसका पता उस वक्त लगा जब दरवाजा बीच में ही अटक गया। दरअसल वर्षों से सीधी रही एक कील उस दिन टेढ़ी हो चुकी थी। इज्जत के खोखले पलों से मुक्त होने के लिए वह नई कील खरीदने निकला। रौनक राम को लगा कि भारत में वाकई विकास हो रहा है। उसने दुकानदार के सामने कील खरीदने की पेशकश कर दी, 'जनाब! एक ऐसी कील चाहिए, जो घर के दरवाजे को बंद कर सके।' दुकानदार की हंसी में उसे कील नजर आई। सोचने लगा, 'ये कीलें भी न जानें कहां-कहां बिखरी होती हैं। सबसे ज्यादा तो दिल्ली में होती होंगी। जहां विकास की बात होती है, वहां कील जरूर होती है।' उसने मन ही मन स्व. पिता जी को याद किया, 'यह कैसा विकास कराया है कि दरवाजा अड़ गया है। अच्छी कीलें लगाई होतीं, तो यह नौबत न आती।' आश्चर्य यह कि उस बड़ी सी दुकान में उसकी जरूरत की कील नहीं मिली। पूरा बाजार छान मारा, लेकिन दरवाजे के काम और नाप की कील नहीं मिली। उसे बताया गया कि स्वच्छता अभियान से पता करे, शायद वहां कोई मिल जाए। पहली बार उसे फख्र हुआ कि स्वच्छता अभियान भी उसके दरवाजे को बचा सकता है। अपनी इज्जत बचाने वह स्वच्छता रैली में पहुंच गया। मंत्री जिस मंच से हरी झंडी दिखा रहे थे, वहां कीलों से उसे सुरक्षित बनाया गया था। एक बार तो मन में आया कि मंत्री को हटाकर अपने लिए उचित कील चुन ले, लेकिन स्वच्छता अभियान की रैली लंबी थी।

देश दुनिया से

अमेरिका-ईरान युद्ध से अब इंटरनेट सेवाओं पर संकट के बादल

अमेरिका इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा हैं। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफ है। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी और ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है। लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनें में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे। इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवास्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काहन ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया। इंटरनेट की दुनिया में आमूलचूल बदलाव तो टिम बर्नर्स ली द्वारा ड्ब्लूड्ब्लूड्ब्लू वर्ल्ड वाइड वेव विकसित किया तो इससे संचार दुनिया ही बदल गई। भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियों काल, ईमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है और इसीको लेकर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है। वैसे आज संयुक्त राष्ट्र संघ तो बेमानी हो गया है। दुनिया के देशों के अलग अलग बने संगठन चाहे वे नाटो हो या ब्रिक्स या पिछले कुछ सालों के देश-दुनिया के हालातों में बेमानी हो गए हैं। वैश्विक हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कोई ना कोई ऐसी नियामक संस्था या कोई ना कोई इस तरह की बाध्यकारी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जिससे दुनिया के देशों और उनके नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं से छेड़छाड़ ना हो इस तरह की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। किसी भी देश या संगठन को इस तरह की सार्वभौमिक सेवाओं को बाधित करने से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। क्योंकि दुनिया के देशों में कौन कब सिरफिरा नेता अपने अहम् की शांति के लिए दुनिया को संकट में ड़ाल दे इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। आज ऊर्जा, पानी, स्वास्थ्य, डिजिटल दुनिया आदि आदि ऐसी सेवाएं है जिनके प्रभावित होने का असर समूची नहीं तो अधिकांश देशों पर पड़ता है और यह दुष्प्रभाव केवल देशों तक ही नहीं अपितु वहां निवास करने वाले करोड़ों नागरिकों पर सीधे सीधे पड़ता है। ऐसे में पूरी वैश्विक व्यवस्था को ही ठप्प करने वाले प्रयासों पर अंकुश या कारगर रोक लगाया जाना जरुरी हो जाता है। दो देशों के टकराव के चलते समूची दुनिया या दुनिया के अधिकांश देशों को संकट में नहीं ड़ाला जा सकता। दुनिया के देशों को इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी।

आप का नज़रिया

फिर भी बजट जिंदा है

कोशिश कदमों की आहट, शिनाख्त है, लेकिन कोई गिनती नहीं। एक हकीकत को खुली आंखों से देखना अगर कसौटी है, तो सुखविंदर सिंह सुक्खू के बजट की आंखें खुली हैं। क्योंकि हमें आदत है चांदी के चम्मच से पकवान हासिल करने की, इसलिए चांदी के वर्क नहीं, पत्तल पर खीर बिखरी है। अंततः जिस आरडीजी ने बखेड़ा किया, वह खुद हैरत में होगी कि फिर भी बजट जिंदा है। मरता वो है जिसकी इच्छा शक्ति नहीं होती, लेकिन यहां सुधरने-संवरने की कला है। हिमाचल के बजट में तख्त और ताज देखेंगे, तो यह 2025-26 के 58514 करोड़ के बजट से अपने पांव समेट कर राज्य 54928 करोड़ की चादर में पांव समेट रहा है। अच्छी बात यह कि कसरतें बहुत हुईं जनाब, आपके खजाने को आजमाने में, तरकश में बहुत तीर हैं दिखाने में। बजट में हम प्रदेश को देखें, खजाने को समझें या तात्कालिक जरूरतों से बाहर निकलें। चार घंटे से ज्यादा समय से निकला बजट भाषण, यह समझाने की कोशिश करता रहा कि 'मैं जिंदा हूं।' मुख्यमंत्री गांव की संवेदना, गांव के परिदृश्य और गांव की आर्थिक संभावनाओं के करीब खड़े होते हैं। जाहिर है गोवंश को मुकद्दर का चारा खिलाया जा रहा है और जहां गाय का दूध 61 और भैंस का 71 रुपए प्रति किलो का हिसाब किसान की गोशाला को नई आर्थिकी समझा रहा है। बीज गांव की अवधारणा से सौ गांव अगर प्रगतिशील बनेंगे, तो माइक्रो इरिगेशन, फार्म रोड व फेंसिंग इत्यादि की बुनियाद पर प्राकृतिक खेती से गेहूं-मक्की, हल्दी और जौं की खरीद को मालामाल करने का समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है। मछुआरों को पहली बार यह एहसास होगा कि सरकार चाहे तो उनका प्रोफेशन, आर्थिक घाट पर भविष्य को रेखांकित करेगा। इसी तरह ट्राउट फिश की पैदावार बढ़ाने के लिए जो संवर्धन योजना बनी है, वहां स्वरोजगार के लिए एक बड़ी संभावना हो सकती है। सरकार ग्रामीण आर्थिकी में शहद, हर्बल और फूलों की खेती पर भी कुछ प्रोत्साहन जोड़ लेती, तो यह पैकेज और मजबूत हो जाता। यह दीगर है कि गांव को अहमियत देते हुए सरकार शहरीकरण की आवश्यकताओं में कई संभावनाएं भी देख रही है। 542 करोड़ के प्रावधान से रेखांकित हो रहा शहरीकरण, नए निकायों को प्रेरित करेगा। नए शहरों की परिकल्पना में स्वर भले ही ऊंचे हों, लेकिन एक हकीकत यह भी कि धर्मशाला और शिमला की स्मार्ट सिटी योजनाएं आंसुओं से भरी हैं। सरकार अपनी आर्थिक व्यवस्था के अति दरिद्र दौर में जीने के तर्क ऊंचे करती है और फिजूलखर्ची के नाम पर वेतनों में कटौती का साहसिक फैसला लेती है। ऐसे में बजट का एक राग तो आर्थिक पैमानों की गड़बड़ी है, जो कर्मचारी वेतन, पेंशन, उधारी और ऋण अदायगी करते-करते इतनी उखड़ जाती है कि विकास, सामाजिक सुरक्षा तथा राहत के पैमानों के लिए व्यय एक-चौथाई भी नहीं बचता। खैर कहीं खुशियों के लड्डू भी फूटेंगे और यह उन कैटेगरी या पदों के लिए वसंत सरीखा भी है, जिनका पारिश्रमिक या मानदेय आगे बढ़ा है। खुशियों के कई फलक जिन विधानसभा क्षेत्रों में उभरे हैं, उन्हें मुबारक और यह इसलिए भी कि स्वयं विधानसभा अध्यक्ष भी दो क्षेत्रों के संदर्भों की अंजलि में, अपने क्षेत्र की अभिलाषा रखते देखे गए। बजट ने सियासी सौगंधों की जमीन पर सत्ता की गारंटियों की हाजिरी लगाई है। एक लाख अति गरीब लोगों के जीवन में आशा भरते हुए मुख्यमंत्री तीन सौ यूनिट बिजली की आपूर्ति मुफ्त कर देते हैं। सियासत के दूसरे छोर पर विपक्ष ने भी बजट की ओपनिंग में खुद को ओपनर बनाने का अवसर खोज लिया। बजट अपनी क्षमता का सूर्य मेडिकल कालेजों को दिखा रहा है, लेकिन सबसे हट कर पर्यटन क्षेत्र मुस्करा रहा है। सबसे बड़ा व इस सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट यानी कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार अब एयरोसिटी का आधार खोज रहा है। उड़ान के तहत प्रवेश द्वार बढ़ाए जा रहे हैं, तो कई अन्य इरादे भी जाहिर हो रहे हैं। बजट का भाषण अपने आप में एक ऐसी कसरत रहा, जहां हस्ती और हैसियत के बीच शब्दों को खूब तोला गया।

नए शहरों की परिकल्पना में स्वर भले ही ऊंचे हों, लेकिन एक हकीकत यह भी कि धर्मशाला और शिमला की स्मार्ट सिटी योजनाएं आंसुओं से भरी हैं। सरकार अपनी आर्थिक व्यवस्था के अति दरिद्र दौर में जीने के तर्क ऊंचे करती है और फिजूलखर्ची के नाम पर वेतनों में कटौती का साहसिक फैसला लेती है। ऐसे में बजट का एक राग तो आर्थिक पैमानों की गड़बड़ी है, जो कर्मचारी वेतन, पेंशन, उधारी और ऋण अदायगी करते-करते इतनी उखड़ जाती है कि विकास, सामाजिक सुरक्षा तथा राहत के पैमानों के लिए व्यय एक-चौथाई भी नहीं बचता। खैर कहीं खुशियों के लड्डू भी फूटेंगे और यह उन कैटेगरी या पदों के लिए वसंत सरीखा भी है, जिनका पारिश्रमिक या मानदेय आगे बढ़ा है। खुशियों के कई फलक जिन विधानसभा क्षेत्रों में उभरे हैं, उन्हें मुबारक और यह इसलिए भी कि स्वयं विधानसभा अध्यक्ष भी दो क्षेत्रों के संदर्भों की अंजलि में, अपने क्षेत्र की अभिलाषा रखते देखे गए। बजट ने सियासी सौगंधों की जमीन पर सत्ता की गारंटियों की हाजिरी लगाई है। एक लाख अति गरीब लोगों के जीवन में आशा भरते हुए मुख्यमंत्री तीन सौ यूनिट बिजली की आपूर्ति मुफ्त कर देते हैं। सियासत के दूसरे छोर पर विपक्ष ने भी बजट की ओपनिंग में खुद को ओपनर बनाने का अवसर खोज लिया।

दृष्टि कोण

युद्ध के दौर में खाद्यान्न भंडार की शक्ति

हाल ही में 13 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9.3 करोड़ से अधिक किसानों को 18640 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि की पीएम- किसान सम्मान निधि की 22 वीं किस्त जारी करते हुए कहा कि किसान और कृषि परिवेश भारत की शक्ति बन गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच जहां भारत के रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद देश के आम आदमी के लिए राहत और अर्थव्यवस्था की ताकत बन गए हैं, वहीं 1 अप्रैल से लागू होने वाले वर्ष 2026-27 के आम बजट के तहत देश की कृषि को उन्नत और निर्यात उन्मुख बनाने की प्रभावी पहल की गई है। गौरतलब है कि दुनिया के तेजी से खुलते हुए कृषि बाजारों और खाद्यान्न की बढ़ती वैश्विक मांग के मद्देनजर भारत के द्वारा कृषि को निर्यात उन्मुख बनाए जाने से किसानों की आर्थिक सशक्तता के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। 21वीं सदी के इस दौर में कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा के साथ आगे ले जाना सरकार की प्राथमिकता है। बजट 2026-27 में कृषि क्षेत्र के लिए 162671 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। सरकार तकनीक और कृषि हितप्रद नीति के माध्यम से किसानों को केवल 'अन्नदाता' ही नहीं, बल्कि 'निर्यातकर्ता' बनाने की दिशा में काम कर रही है। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन सहित सभी कृषि क्षेत्रों को मजबूत किया जा रहा है। ऐसे में उच्च मूल्य वाले कृषि क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ाने से ही हम अपनी खेती को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल सकते हैं और दुनिया में भारत से बड़े पैमाने पर कृषि निर्यात बढ़ा सकते हैं। इस समय भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कृषि उत्पादों का निर्यातक देश है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि जहां देश का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन देश के आम आदमी के लिए भोजन की गारंटी है, वहीं दुनिया के कई जरूरतमंद देशों के करोड़ों लोगों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति का आधार भी है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास केंद्रीय पूल में अप्रैल 2026 तक लगभग 182 लाख टन गेहूं उपलब्ध हो जाने का अनुमान है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे और भारत ने जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी किया। अब एक बार फिर इस समय जब ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध से दुनिया में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही हैं और खाद्यान्न आपूर्ति में व्यवधान है, तब भारत का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं और भारत नए खाद्यान्न निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है। पिछले माह फरवरी 2026 में भारत ने 25 लाख टन गेहूं का निर्यात भी सुनिश्चित किया है। निःसंदेह कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खासतौर से विगत कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र व छोटे किसानों की मजबूती के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। 'पीएम किसान सम्मान निधि' और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कई कार्यक्रमों से देश का कृषि क्षेत्र लगातार मजबूत हुआ है।

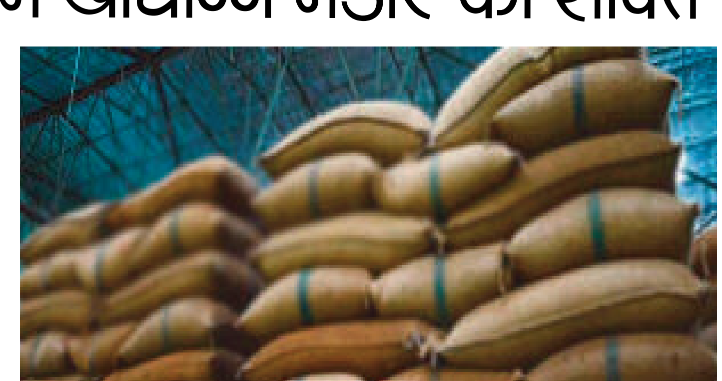

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम-संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरूरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली-भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई-बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द ग़ायब करने की क़ाबिलियत रखती हे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद-विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शरीर के किसी अंगे में दर्द होने की संभावना है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर-उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रूमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 मार्च 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी सायं 04:10 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 07:05 तक
योग : प्रीति प्रातः 09:06 तक
करण : तैतिल सायं 04:10 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : षष्ठम कात्यायनी पूजन , स्कन्द षष्ठी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आमजन की समस्याओं का हो त्वरित समाधान अधिकारी करें नियमित मॉनिटरिंग : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, किसान, मजदूर, युवा सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता से कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई भी इसी ध्येय की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत दे रहे हैं। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को संवेद-नशीलता के साथ सुनते हुए अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी उम्मीद के साथ आते हैं। ऐसे में अधिकारी इन प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इनका शीघ्र निस्तारण करें। शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। आमजन अपनी परिवेदनाओं के निस्तारण से बेहद संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए इसका शीघ्र समाधान करें।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनके निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में जोधपुर के प्रेम हरि प्राणी मात्र सेवा संस्थान से आए संत-महात्माओं का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया एवं उनसे आशीर्वाद लिया। श्री शर्मा ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन भी किए। जन सुनवाई में मुख्यमंत्री से 'मुएथई' खेल में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाले राजस्थान के युवा प्रतिभागियों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राजस्थान कांग्रेस एक अप्रैल से राज्यव्यापी लोकतंत्र बचाओ अभियान शुरू करेगी

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (आरपीसीसी) सभी नवगठित ग्राम पंचायतों के लिए अध्यक्षों की नियुक्ति करेगी, जबकि सभी शहरी स्थानीय निकायों में वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। 1 अप्रैल, 2026 से आरपीसीसी 'संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ' शीर्षक से राज्यव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस पहल के तहत, प्रत्येक वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी, जिसके बाद 21 सदस्यीय कार्यकारी समितियों का गठन किया जाएगा। यह घोषणा आरपीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर स्थित राज्य कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए की। डोटासरा ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार चुनावी हार के डर से जानबूझकर शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव टाल रही है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न बहाने बनाकर इन चुनावों को स्थगित करने के बार-बार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने ओबीसी प्रतिनिधित्व आयोग के गठन में देरी की और उसे पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए। अब, आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत न होने का हवाला देते हुए, सरकार अदालत के निर्देशों के बावजूद चुनाव टालने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने सवाल उठाया कि पर्याप्त संसाधनों के बिना आयोग अपना सर्वेक्षण कैसे पूरा कर सकता है और रिपोर्ट कैसे प्रस्तुत कर सकता है, और कहा कि सरकार पंचायती राज चुनावों में देरी करने के लिए रिपोर्ट स्वीकार करने को तैयार नहीं दिख रही है। उनके अनुसार, यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सीधा हमला है।

सहायक उप निरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर/भरतपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भरतपुर जिले के रूपवास थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक प्रवीण कुमार को 12,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी : प्रवीण कुमार, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस थाना रूपवास, जिला भरतपुर। रिश्वत की राशि: 12,000 रुपये। परिवादी ने एसीबी को शिकायत दी थी कि उसके भाई द्वारा दर्ज कराए गए एक मुकदमे में नाम निकालने (एफआईआर से नाम हटाने) की एवज में एएसआई प्रवीण कुमार लगातार रिश्वत की मांग कर उसे परेशान कर रहा था।

एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक श्रीमती एस परिमला के निर्देशन में इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया। शिकायत के सत्यापन के बाद, उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने जाल बिछाया।सोमवार को जैसे ही आरोपी प्रवीण कुमार ने परिवादी से 12,000 रुपये की रिश्वत स्वीकार की, एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वर्तमान में आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

युवा भारत की मूल जड़ो को पहचानें और विकास में सहभागी बने: वासुदेव देवनानी

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उम्मीद जताई है कि देश के युवाओं और नागरिकों के वर्तमान जज़्बे को देखते हुए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत का संकल्प समय से पहले ही साकार हो जाएगा । देवनानी सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के मानविकी पीठ सभागार में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएनएस)द्वारा विकसित भारत 2047 समर्थ युवा-सशक्त भारत प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो अल्पना कटेजा ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशालय श्री एस एस भटनागर थे। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का सपना नहीं बल्कि अब हर भारतीय का संकल्प बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की कोई महाशक्ति बनने की होड़ में नहीं है बल्कि वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हुए पहले की तरह एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। भारत सदैव विश्व का मार्गदर्शक रहा है और आगे भी बना रहेगा। आज के युवकों को भलीभांति यह बात समझनी होगी कि मेरा भारत महान और सबसे सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े युवाओं का आह्वान किया कि वे भारत की मूल जड़ो को पहचाने और एआई के वर्तमान समय में युगानुकूल होते हुए नवाचारों और प्राचीन ज्ञान का समन्वय करके विकास की महान यात्रा में भारत की संस्कृति को आत्मसात करते हुए सहभागी बने। साथ ही सेवा की संस्क्रृति को अपने जीवन का अंग बनाएं। विधानसभाध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि हम सभी भारतवासियों को इस बात का गर्व होना चाहिए कि हम सदियों पहले से ही विश्व गुरु और विकसित सभ्यता और संस्कृति वाला देश रहें है ।

भरतपुर-अलवर फोरलेन सड़क को बहरोड़ तक विस्तारित करने किया जाए: गुप्ता

भरतपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्रीय विकास, सुदृढ़ कनेक्टिविटी तथा पर्यटन एवं औद्योगिक प्रगति को नई दिशा देने के उद्देश्य से भरतपुर-अलवर स्वीकृत फोरलेन सड़क परियोजना को बहरोड़ तक विस्तारित करने कि मांग की है। इस महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक एवं शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया है।

गुप्ता द्वारा प्रेषित पत्र में कहा है कि भरतपुर से अलवर तक फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति राज्य सरकार का एक दूरदर्शी एवं सराहनीय कदम है, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस परियोजना को आगे बढ़ाते हुए अलवर से बहरोड़ तक विस्तारित किया जाना राज्यहित में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

पत्र में कहा गया है कि, बहरोड़ तक सड़क के विस्तार से एक सशक्त एवं निर्बाध सड़क संपर्क स्थापित होगा, जो राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क, विशेष रूप से दिल्ली-जयपुर कॉरिडोर से सीधे जुड़ाव सुनिश्चित करेगा। इससे न केवल आवागमन सुगम एवं तीव्र होगा, बल्कि माल परिवहन की दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। गुप्ता द्वारा पत्र में यह भी रेखांकित किया गया है कि बहरोड़ तक सड़क विस्तार से भरतपुर का सीधा संपर्क शेखावाटी क्षेत्र-झुंझुनू, सीकर एवं चूरू-से स्थापित होगा। इससे इन क्षेत्रों के बीच व्यापारिक, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और क्षेत्रीय समन्वय को मजबूती मिलेगी।पर्यटन के दृष्टिकोण से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भरतपुर का विश्व प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना पक्षी विहार), अलवर के प्रमुख पर्यटन स्थल जैसे सरिस्का एवं बाला किला, तथा शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों एवं सांस्कृतिक धरोहरों को जोड़कर एक समेकित पर्यटन सर्किट विकसित किया जा सकेगा।

विभिन्न साइंस इंडस्ट्री एसोसिएशनों ने कॉमर्शियल गैस उपलब्धता को लेकर ऊर्जा मंत्री से लगाई गुहार

अंबाला, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी की साइंस इंडस्ट्री में मध्य-पूर्व युद्ध से उत्पन्न हुए कामर्शियल गैस संकट को लेकर प्रदेश के उच्च अधिकारियों से बातचीत करते हुए इसके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साइंस उद्यमियों के लिए कॉमर्शियल गैस की निरंतर उपलब्धता होनी चाहिए ताकि इनके कामकाज प्रभावित न हों।

विज के अम्बाला छावनी स्थित आवास पर आज अम्बाला छावनी साइंस इंडस्ट्री से द अम्बाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्यूफेक्चरर्स एसोसिएशन और साइंटिफिक अप्रेट्स मैन्यूफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टस के पदाधिकारियों से मुलाकात करते हुए गैस उपलब्धता के लिए गुहार लगाई। एसोसिएशन पदाधिकारियों की मांग को त्वरित कार्रवाई करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव जे. गणेशन से बात की और साइंस इंडस्ट्री में निरंतर कॉमर्शियल गैस उपलब्धता जारी करने को कहा।

उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी में हजारों घरों की रोजी-रोटी साइंस इंडस्ट्री है और गैस उपलब्ध नहीं होने पर काम प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइंस इंडस्ट्री में गैस आपूर्ति का अलग से शेड्यूल तय कर यहां निरंतर गैस उपलब्ध कराई जाए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज डीसी अम्बाला अजय तोमर से भी इस मामले में कार्रवाई करने के दिशा-निर्देश दिए ताकि साइंस उद्यमियों को गैस किल्लत से जुझना न पड़े।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई पर एसोसिएशन सदस्यों व साइंस उद्यमियों ने उनका धन्यवाद जताया।

शहीदों के बलिदान से ही सुरक्षित है देश की आजादी: आरती सिंह

चंडीगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज शहीदी दिवस के अवसर पर देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 23 मार्च का दिन भारतीय इतिहास में अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक है। यह दिन हमें महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के अद्वितीय बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों ने अन्याय के खिलाफ संघर्ष का जो संदेश दिया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र सर्वोपरि है। देशहित में किया गया प्रत्येक त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनके साहस, त्याग और समर्पण ने देशवासियों को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया और एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखी।

आरती सिंह राव ने कहा कि वर्तमान समय में शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शहीदों और उनके परिवारों के सम्मान एवं कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शहीद परिवारों को सहयोग और सम्मान प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं और उनके सम्मान में कोई कमी न आने दें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शहीदों का बलिदान केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक है। उनके आदर्श हमें हर परिस्थिति में राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

सतत कृषि ही भविष्य की समृद्धि का आधार : नायब सिंह

मुख्यमंत्री ने 21 महिलाओं सहित 42 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

चंडीगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषि मेला-2026 का शुभारंभ करते हुए किसानों, वैज्ञानिकों और नवाचार को एक मंच पर लाने की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि हिसार की मिट्टी मेहनत, पशुधन समृद्धि और वीर सैनिकों की कुर्बानियों की गवाही देती है। राखीगढ़ी हमारी प्राचीन सभ्यता का गौरव है, जबकि अग्रोहा की धरती महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता और व्यापारिक वैभव की कहानी कहती है। कृषि मेले में पहुंचने पर सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा किसानों को जानकारी देने के लिए प्रकाशित की गई पुस्तकों का भी विमोचन किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री बीआर कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में समृद्ध किसानी का प्रतीक हल भी भेंट किया।

उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि के पावन अवसर पर मां स्कंदमाता की आराधना और शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस का संयोग हमें त्याग, तपस्या और समर्पण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ कृषि मेले का आयोजन किया गया है, जो सतत कृषि-समृद्धि की राह विषय पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह मेला किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि का प्रतीक है। विश्वविद्यालय ने उन्नत बीज, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भिवानी जिले के गोकुलपुरा में 64 एकड़ में 11.67 करोड़ रुपये की लागत से बने पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया है। यह केंद्र मोटे अनाजों की रोग व कीट प्रतिरोधी किस्मों के विकास, मिलेट्स आटे की सेल्फ लाइफ बढाने के साथ-साथ उत्पादकों के लिए बाजार संपर्क स्थापित करेगा और उन्नत किस्मों के विकास और वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य करेगा। यह केंद्र मिलेट्स उत्पादों के प्रसंस्करण तथा वैल्यू एडिशन की आधुनिक तकनीकें भी विकसित करेगा।

उन्होंने कृषि मेले में 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, जिनमें 21 महिला किसान भी शामिल रहीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें प्रदेश की प्रगति का प्रेरणास्रोत बताया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस सरकार के बजट ने माइनॉरिटीज़ को धोखा दिया

कोरुतला, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के माइनॉरिटी नेताओं ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार ने हालिया बजट में संख्याओं की बाजीगरी कर तेलंगाना के मुस्लिम माइनॉरिटी समुदाय के साथ धोखा किया है। नेताओं का कहना है कि बजट में कई वादों को अनदेखा या घटा दिया गया है, जिससे समुदाय के किशोरों, महिलाओं और गरीब परिवारों को बड़ा नुकसान पहुँचना संभव है।

स्टूडेंट फीस रीइंबर्समेंट : पहले प्रस्तावित 300 करोड़ को घटाकर 100 करोड़ कर दिया गया ˉ नेताओं का दावा है कि यह 200 करोड़ (66%) की कटौती मुस्लिम छात्रों की पढ़ाई रोकने जैसा है।

'शादी मुबारक' स्कीम: मुस्लिम महिलाओं को '1 तुलमा सोना' देने के वादे के लिए बजट में कोई राशि आवंटित नहीं की गई ˉ नेताओं ने कहा कि यह गरीब मुस्लिम लड़कियों के साथ धोखा है।

चुनावी किट वितरण: बीआरएस शासन में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 4,000 किट दी जाती थीं, जबकि वर्तमान बजट में यह घटाकर 1,200 किट कर दी गईं ˉ 70% गरीब परिवारों को त्योहारों के तोहफ़े नहीं मिलने का आरोप।

स्वयं-रोज़गार अनुदान: लगभग 1.20 लाख युवाओं ने सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट लोन के लिए आवेदन किया; नेताओं ने पूछा कि क्या किसी को भी सब्सिडी मिली?

माइनॉरिटी बॉन्ड और सिलाई मशीन वितरण जैसी स्कीमें रुकवा दी गईं ˉ नेताओं ने इसकी वापसी की मांग की।

गुरुकुल और माइनॉरिटी स्कूल फंडिंग: नेताओं का कहना है कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही के कारण कॉर्पोरेट स्तर पर माइनॉरिटी स्कूलों के लिए फंड रोके जा रहे हैं और मेस बिल पेंडिंग हैं, जिससे विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है। इठड ने पहले 204 माइनॉरिटी गुरुकुल बनाए थे; नेताओं ने पूछा कि क्या मौजूदा कांग्रेस सरकार ने एक भी नया गुरुकुल बनाया या मौजूदा स्कूलों के लिए फंड जारी किए हैं।

नेताओं ने बजट में की गई कटौतियों और अनुदानों के न दिए जाने पर आपत्ति जताई और मुख्यमंत्री व वित्त मंत्रालय से इन मुद्दों को शीघ्र सुधरने की मांग की। बीआरएस माइनॉरिटी टाउन प्रेसिडेंट सैयद फहीम के साथ 15वें वार्ड के काउंसलर बाबा, 19वें वार्ड के काउंसलर मो. मोसिन, 32वें वार्ड के काउंसलर वसीम, नेता मो. सनावुद्दीन, असलम कुरैशी, वसीक रहमान, आबिद खान, इमरान, अज़मत, तैसीर, नड्डू और अन्य शामिल थे।

धनुर गांव में अखंड हरि नाम सप्ताह भक्ति भाव के साथ सम्पन्न

मदनूर, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के धनुर गांव में स्थानीय जनता के सहयोग से हनुमान मंदिर परिसर में अखंड हरि नाम सप्ताह का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। सप्ताह कमेटी के अनुसार पूरे सप्ताह प्रतिदिन सुबह पारायण, दोपहर में प्रवचन, शाम को गाथा-भजन तथा रात्रि में हरि कीर्तन का आयोजन किया गया। सप्ताह के समापन पर विशेष हरि जागरण आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को महाराज द्वारा अमृतमय उपदेश प्रदान किया गया।

अखंड हरि नाम सप्ताह के अवसर पर महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरा धनुर गांव हरिनाम स्मरण से गुंजायमान हो उठा। समापन दिवस पर गांव में शोभायात्रा भी निकाली गई। इस अवसर पर स्थानीय सरपंच जयश्री देवकते सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष हरि भक्त उपस्थित रहे।

एक वर्ष में कचरा डंपिंग यार्ड स्थानांतरित होगा : पोन्नम प्रभाकर

मंचेरियाल, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार करीमनगर शहर के लंबे समय से लंबित कचरा डंपिंग यार्ड की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसे लगभग एक वर्ष के भीतर स्थानांतरित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि पिछले चार दशकों से जमा कचरे को हटाने और नए स्थान पर स्थानांतरण की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ डंपिंग यार्ड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के संज्ञान में मामला लाया गया है और वारंगल0करीमनगर के बीच नई आधुनिक सुविधा विकसित करने की योजना बनाई जा रही है।सरकार प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे के साथ-साथ पुराने कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण और स्थानांतरण के लिए उपयुक्त पद्धति तय करेगी, जिसमें एक गैर-सरकारी संगठन का भी सहयोग लिया जाएगा।

येल्लम्मा गुट्टा बचाने की मांग, अवैध मिट्टी खुदाई पर कलेक्टर व माइनिंग एडी के पास शिकायत

पेद्दापल्ली, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । नेशनल बीसी एसोसिएशन के राष्ट्रीय समन्वयक अकुला स्वामी विवेक पटेल ने सोमवार को प्रजावाणी शिकायत निवारण सत्र के दौरान जिले में हो रही अवैध मिट्टी खुदाई के खिलाफ कलेक्टर और माइनिंग असिस्टेंट डायरेक्टर के पास शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों से पहाड़ियाँ गायब हो रही हैं और पर्यावरण तथा राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है।

शिकायत में कलवाश्रीरामपुर मंडल के येल्लम्मा गुट्टा और ओडेले मंडल के कोलनूर गांव में स्थित दाना गुट्टा की अवैध खुदाई का विशेष उल्लेख है।

आरोप है कि ट्रैक्टर, लॉरी और टिपर के बेड़े का उपयोग करके दिन-रात मिट्टी की लूट की जा रही है और अवैध रूप से निकाली गई मिट्टी रियल एस्टेट परियोजनाओं में उपयोग की जा रही है।

इससे न केवल स्थानीय भू-आकृति और पारिस्थितिकी को नुकसान हो रहा है, बल्कि सरकार को मिलने वाला रॉयल्टी राजस्व भी छिन रहा है।

उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि ओडेले और कलवाश्रीरामपुर के संदिग्ध स्थानों का मौके पर निरीक्षण कराए जाए और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

शिकायत नेशनल इउ एसोसिएशन के राष्ट्रीय समन्वयक अकुला स्वामी विवेक पटेल ने दर्ज कराई।

सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ मंचेरियाल के व्यापारियों का विरोध, काम स्थगित करने की मांग

मंचेरियाल, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। त्योहारों और विवाह सीज़न के दौरान सड़क चौड़ीकरण कार्य शुरू होने से प्रभावित व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ नाराज़गी जताते हुए काम को मानसून तक स्थगित करने की मांग की है।

नगर में बेलमपल्ली चौक, रेलवे स्टेशन, आईबी चौक से श्रीनिवास गार्डन, विश्वनाथ मंदिर से वेंकटेश्वर थिएटर सहित कई प्रमुख मार्गों को लगभग 78 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ा किया जा रहा है। परियोजना के तहत भूमिगत जल निकासी, विद्युत व्यवस्था, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट और फुटपाथ निर्माण भी शामिल है।

व्यापारियों का कहना है कि दुकानों के सामने के हिस्से और प्रवेश द्वार हटाए जाने से उनके व्यवसाय पर गंभीर असर पड़ा है, जबकि यह समय बिक्री के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण होता है।

इस मुद्दे पर पूर्व विधायक नादिपेल्ली दिवाकर राव ने स्थल का निरीक्षण कर स्थानीय विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव की आलोचना की और आरोप लगाया कि कार्रवाई में पक्षपात किया जा रहा है। राजनीतिक दलों भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के समर्थकों को लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए।

व्यापारियों ने प्रशासन से त्योहारों के मौसम को देखते हुए कार्य अस्थायी रूप से रोकने और वैकल्पिक समाधान खोजने की अपील की है।

कुनाराम रेलवे फ्लाईओवर के लिए भूमि अधिग्रहण में तेज़ी लाने के निर्देश

पेद्दापल्ली, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़िला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने पेद्दापल्ली0कुनाराम रेलवे ओवर ब्रिज (ठजइ) परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित भूमि अधिग्रहण कार्यों को तेज़ी से पूरा करने के निर्देश दिए।

सोमवार को एकीकृत ज़िला कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने बताया कि ठजइ के अप्रोच रोड निर्माण हेतु आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी कर संबंधित विभाग को सौंप दी गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मार्ग पर स्थित दुकानों को शीघ्र खाली कराने के लिए कार्य योजना लागू की जाए, ताकि निर्माण कार्य बिना बाधा के प्रारंभ किया जा सके। कलेक्टर ने यह भी कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा परियोजना के लिए निधि जारी की जा चुकी है, इसलिए रेलवे ओवर ब्रिज और उसके अप्रोच रोड का निर्माण समानांतर रूप से पूरा किया जाए, जिससे यह सुविधा जल्द से जल्द जनता के उपयोग में लाई जा सके। बैठक में पेद्दापल्ली के आरडीओ बी. गंगैया, आर एंड बी विभाग के कार्यपालक अभियंता भाव सिंह, तहसीलदार राजकुमार, नगर आयुक्त वेंकटेश सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पशुओं का अनिवार्य टीकाकरण जरूरी : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने डेयरी किसानों से अपील की है कि वे अपने पशुओं का गालिकुंटु (संक्रामक) बीमारी से बचाव हेतु अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएँ।राष्ट्रीय नि:शुल्क टीकाकरण अभियान का शुभारंभ सोमवार को नासपुर में चलित वाहन से किया गया।

अभियान 10 मार्च से 9 अप्रैल तक चलेगा। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान पशुपालन की सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। किसी भी समस्या या शंका के लिए किसानों को नजदीकी पशु चिकित्सक से तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई।

किनवट में सर्वधर्मीय परिचय सम्मेलन तीन जोड़े विवाह बंधन में बंधे

किनवट, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आधार बहुउद्देशीय सेवा भावी संस्था द्वारा किनवट के कलावती गार्डन में सर्वधर्मीय विधवा, विधुर, तलाकशुदा, परित्यक्त एवं दिव्यांग विवाह इच्छुकों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तीन युगल विवाह बंधन में बंधे, जबकि पांच विधवा महिलाओं को सिलाई मशीन तथा लगभग सौ महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यंकटराव नेमानीवार ने की तथा आयोजन की प्रस्तावना प्रा. जयश्री भरणे ने रखी। उपस्थित मान्यवरों ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई दी।

मंचेरियाल जल्द बनेगा क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र

नई स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्माण अंतिम चरण में

मंचेरियाल, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में लगभग 255 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र और नए जिला सरकारी अस्पताल के निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं, जिससे मंचेरियाल जल्द ही एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है।जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने निर्माणाधीन अस्पतालों का निरीक्षण किया। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक की तीन मंजिलों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि गुडीपेट स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज मंचेरियाल की इमारत और छात्रावास उद्घाटन के लिए तैयार हैं।स्थानीय विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव ने कहा कि नई स्वास्थ्य सुविधाओं से मंचेरियाल, कोमाराम भीम जिला और पड़ोसी महाराष्ट्र के मरीजों को लाभ मिलेगा तथा गंभीर इलाज के लिए हैदराबाद जाने की आवश्यकता और खर्च दोनों कम होंगे।

वासवी क्लब द्वारा छाछ व ठंडे पानी का वितरण, तीसरे दिन भी सेवा जारी

मंचेरियाल, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भीषण गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से वासवी क्लब के तत्वावधान में आईबी चौरास्ता स्थित सरकारी अस्पताल के पास लगातार तीसरे दिन छाछ और ठंडे पानी का वितरण किया गया।

इस सेवा कार्यक्रम में 43वें डिवीजन की पार्षद चिलुवेरु ज्योति श्रीनिवास तथा उनके पति ने दानदाता के रूप में सहयोग किया। क्लब के गवर्नर पुलुरी बालमोहन सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहकर सेवा कार्य में जुटे रहे। अस्पताल आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और राहगीरों ने इस पहल की सराहना की। क्लब ने भविष्य में भी ऐसे जनसेवा कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

जुक्कल क्षेत्र में विकास कार्य जारी, पूर्व विधायक पर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष का पलटवार

मदनूर, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मदनूर मंडल अध्यक्ष दरासवार सयालु ने सोमवार को ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक में कहा कि वर्तमान विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव के नेतृत्व में जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेज़ी से प्रगति पर हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, गरीब परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, इन्द्रम्मा आवास और किसान भरोसा जैसी योजनाओं का लाभ जनता तक पहुँच रहा है। साथ ही उन्होंने पूर्व विधायक पर निशाना साधते हुए उनके कार्यकाल के विकास कार्यों पर सवाल उठाए और बयानबाज़ी से बचने की नसीहत दी।

मुल्कल्ला डिवीजन में कुष्ठ रोग पहचान सर्वे अभियान शुरू

मंचेरियाल, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरपालिका के मुल्कल्ला डिवीजन में कुष्ठ रोग पहचान के लिए घर-घर सर्वे अभियान की शुरुआत कॉरपोरेटर बिय्याल त्रिवेणी ने की।

जिला कुष्ठ निवारण अधिकारी डॉ. सुधाकर नायक ने लोगों से सर्वे में स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करने और शरीर पर सुन्न धब्बे जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत सूचना देने की अपील की। उन्होंने बताया कि समय पर पहचान और उपचार से कुष्ठ रोग पूरी तरह ठीक किया जा सकता है तथा संदिग्ध मरीजों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

सरकारी अस्पताल को इन्नानी परिवार की ओर से जल मशीन का दान

मदनूर, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल मुख्यालय के सरकारी अस्पताल को राम सुख बाल मुकुंद इन्नानी के नाम पर इनानी परिवार द्वारा लगभग 60 हजार रुपये मूल्य की जल मशीन दान में दी गई।

इसका उद्घाटन सरपंच उषा संतोष मेस्त्री ने पूजा-अर्चना के साथ किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इनानी परिवार ने पूर्व में भी क्षेत्र में चिकित्सा और शिक्षा के लिए लाखों रुपये मूल्य की भूमि दान की है।

कार्यक्रम में डॉ. आनंद जाधव, डॉ. हिंगोले सहित अस्पताल के कर्मचारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

जयपुर ने जीता जिंदल स्टील इंडियन ओपन पोलो चैंपियनशिप का खिताब

जयपुर ने फाइनल में जिंदल पैंथर को 12-9 से हराकर जीता सीजन का 11वां खिताब

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को जिंदल पैंथर को 12–9 से हराकर जिंदल स्टील इंडियन ओपन पोलो चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जयपुर ने इस सीजन का 11वां खिताब भी हासिल कर लिया।

जयपुर की जीत में अलेजो अरामबुरु ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने शानदार आठ गोल दागे। उनके अलावा टीम के अन्य खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन तालमेल और संतुलित खेल दिखाया।

मैच की शुरुआत से ही जयपुर ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले चक्कर में अलेजो अरामबुरु ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने भी शानदार फील्ड गोल किया। प्रताप सिंह कनोटा और डेनियल ओटामेंडी ने भी गोल दागे, जिससे जयपुर ने पहले चक्कर के अंत तक 4–2 की बढ़त बना ली।

दूसरे चक्कर में जयपुर ने अपने खेल पर पकड़ और मजबूत की। उनकी सुदृढ़ रक्षा पंक्ति ने जिंदल पैंथर को गोल करने का मौका नहीं दिया, जबकि अरामबुरु ने एक और गोल कर बढ़त को 5–2 तक पहुंचा दिया। तीसरे चक्कर में जिंदल पैंथर ने जोरदार वापसी की कोशिश की। जुआन ग्रिस जावालेत्ता के नेतृत्व में टीम ने लगातार गोल किए और स्कोर को 6–5 तक पहुंचा दिया। हालांकि जयपुर ने अपनी बढ़त बनाए रखी। चौथे चक्कर में मुकाबला काफी रोमांचक हो गया, जहां दोनों टीमों ने तेजी से गोल किए। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने अहम समय पर गोल कर जयपुर को बढ़त दिलाए रखी, जबकि जावालेत्ता ने जिंदल पैंथर को मुकाबले में बनाए रखा। इस चक्कर के अंत तक स्कोर 8–7 रहा। पांचवें चक्कर में जयपुर ने एक बार फिर दबदबा बनाया। अलेजो अरामबुरु ने निर्णायक गोल करते हुए टीम को 11–8 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंतिम चक्कर में जिंदल पैंथर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जयपुर ने संयम बनाए रखा। एक और गोल के साथ जयपुर ने मुकाबला 12–9 से जीत लिया और खिताब पर कब्जा जमाया।

न्यूज ब्रीफ

अरुंधति रेड्डी और साहिबजादा फरहान बने फरवरी माह के आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी 2026 के लिए प्लेयर आफ द मंथ पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, जबकि महिला वर्ग में भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को यह सम्मान दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों का चयन विश्वभर के प्रशंसकों के मत और पूर्व खिलाड़ियों व विशेषज्ञों की समिति के आधार पर किया गया। साहिबजादा फरहान ने टी–20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह पुरस्कार अपने नाम किया। उन्होंने एक ही संस्करण में सबसे अधिक रन बनाकर विराट कोहली का रिकार्ड तोड़ दिया और नामीबिया व श्रीलंका के खिलाफ दो शतक जड़कर इतिहास रच दिया। फरहान ने फरवरी के दौरान सात टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 383 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 76.60 और स्ट्राइक रेट 160.25 रहा। पुरुष वर्ग में फरहान ने इंग्लैंड के विल जैक्स और अमेरिका के शैडली वैन शालविक को पीछे छोड़ा, जबकि महिला वर्ग में रेड्डी ने श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा और पाकिस्तान की फातिमा सना को पछाड़ा। फरहान ने कहा, यह पुरस्कार जीतना मेरे लिए बेहद खास है। विश्व कप जैसे बड़े मंच पर प्रदर्शन करना गर्व की बात है और मैं इस लय को आगे भी जारी रखना चाहता हूं। अरुंधति रेड्डी ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी–20 श्रृंखला में शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत को 2–1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने तीन मैचों में 4/22, 2/30 और 2/35 के प्रदर्शन के साथ कुल आठ विकेट हासिल किए। उनका औसत 10.87 और इकोनामी 7.25 रहा।

मियामी ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर, वर्ल्ड नंबर-1 अल्कराज तीसरे दौर से बाहर

मियामी। मियामी ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां विश्व नंबर–1 कार्लोस अल्कराज को रविवार को तीसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने कड़े मुकाबले में तीन सेटों में हराकर बाहर कर दिया। 22 वर्षीय अल्कराज, जिन्होंने इसी साल जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था, इस सीजन में अब तक 17–2 के रिकार्ड पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह पिछले सप्ताह इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव से हार चुके थे। मुकाबले में कोर्डा ने दूसरे सेट में 5–4 पर मैच सर्व करने का मौका बनाया था, लेकिन अल्कराज ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीत लिए। हालांकि, 25 वर्षीय कोर्डा ने तीसरे सेट में खुद को संभालते हुए 6–3, 5–7, 6–4 से जीत दर्ज की। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, यह एक कठिन मुकाबला था। कोर्डा ने शानदार खेल दिखाया और अहम मौकों पर मुझसे बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं कोर्डा ने अपनी जीत पर कहा, मैच में सबसे अहम चीज आत्मविश्वास थी। मैंने हर शाट पर भरोसा रखा और अंत में सफलता मिली। एटीपी टूर के अनुसार, विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर मौजूद कोर्डा, अल्कराज को हराने वाले सबसे कम रैंक वाले खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले यह कारनामा पिछले साल डेविड गोफिन ने किया था। अब कोर्डा का अगला मुकाबला क्वालीफायर मार्टिन

सैम करन की जगह शनाका को शामिल करेगी रायल्स, पीएसएल छोड़कर आईपीएल से जुड़ेंगे

मुम्बई। श्रीलंकाई क्रिकेटर दासुन शनाका के पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार शनाका राजस्थान रायल्स की ओर से खेल सकते हैं। रायल्स 30 मार्च को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इसमें शनाका इंग्लैंड के सैम करन की जगह ले सकते हैं। सैम ग्रोइन इंजरी के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। वहीं शनाका को आईपीएल नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा था पर अब रायल्स सैम की जगह उन्हें अवसर दे सकती है। उन्हें पीएसएल के लिए लाहौर कलंदर्स ने उन्हें 75 लाख पाकिस्तानी रुपया में खरीदा था। ऐसे में अगर शनाका लीग छोड़कर आते हैं तो वह जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी होंगे, जो इस साल पीएसएल छोड़कर आईपीएल में शामिल होंगे।

हाकी इंडिया ने की 8वें वार्षिक पुरस्कार 2025 के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

हाकी इंडिया ने सोमवार को 8वें वार्षिक पुरस्कार 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। यह पुरस्कार समारोह 27 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें वर्ष 2025 के दौरान भारतीय हाकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान देने वाले खिलाड़ियों व अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

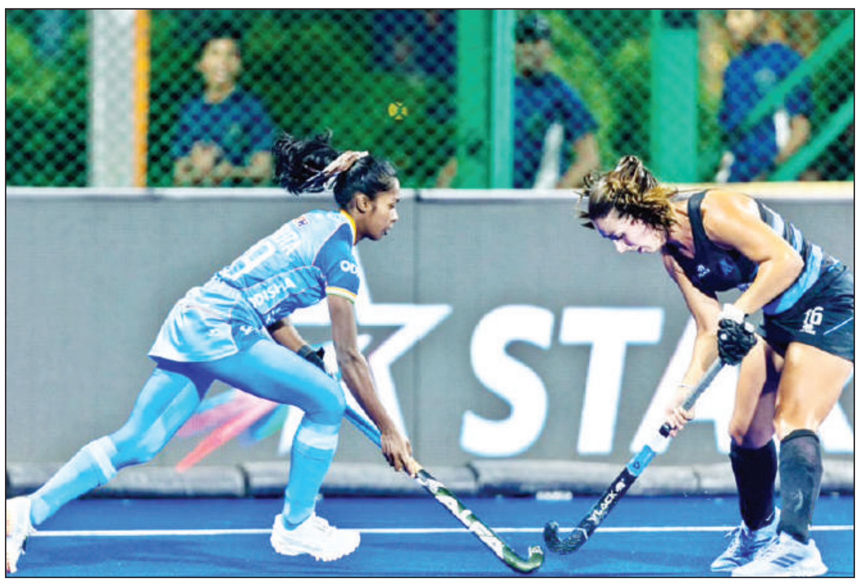

इस समारोह के प्रमुख पुरस्कारों में हाकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार शामिल है, जो पुरुष और महिला वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को दिया जाएगा। इसके अलावा उभरती प्रतिभाओं को हाकी इंडिया जुगराज सिंह उभरते खिलाड़ी (पुरुष अंडर–21) और हाकी इंडिया असुंता लकड़ा उभरती खिलाड़ी (महिला अंडर–21) पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

विभिन्न पोजीशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हाकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, हाकी इंडिया परगट सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, हाकी इंडिया अजीत पाल सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर और हाकी इंडिया धनराज पिल्लै वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इन आठ श्रेणियों में कुल 32 खिलाड़ियों को अंतिम सूची में शामिल किया गया है।

इसके अलावा समारोह में हाकी इंडिया अध्यक्ष उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार, जमन लाल शर्मा अमूल्य योगदान पुरस्कार, अंपायर और तकनीकी अधिकारियों के लिए विशेष सम्मान, तथा सर्वश्रेष्ठ सदस्य इकाई पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

इस दौरान 2025 में एशिया कप राजगीर (बिहार) में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम और एफआईएच हाकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर पुरुष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही 15वीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सदस्य इकाइयों को भी मान्यता दी जाएगी।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने कहा, यह भारतीय हाकी के लिए महत्वपूर्ण वर्ष है और ऐसे में पिछले वर्ष के बेहतरीन प्रदर्शन को पहचान देना जरूरी है। ये पुरस्कार खिलाड़ियों और अधिकारियों के समर्पण और उपलब्धियों को सम्मानित करते हैं।

वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, ये पुरस्कार खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और सदस्य इकाइयों के सामूहिक प्रयासों को मान्यता देते हैं, जिन्होंने भारतीय हाकी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

नामांकित खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (बलजीत सिंह पुरस्कार):

- प्रिंस दीप सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, बिचु देवी खारीबाम, सूरज करकेरा
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर (परगट सिंह पुरस्कार):
- संजय, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह।
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर (अजीत पाल सिंह पुरस्कार):
- हार्दिक सिंह, सुमित, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा।
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड (धनराज पिल्लै पुरस्कार):
- सुखजीत सिंह, अभिषेक, नवनीत कौर, शिलानंद लकड़ा।
- उभरती खिलाड़ी (महिला अंडर–21, असुंता लकड़ा पुरस्कार):
- साक्षी राणा, ज्योति सिंह, सुनेलिता टोप्पो, कनिका सिवाच
- उभरते खिलाड़ी (पुरुष अंडर–21, जुगराज सिंह पुरस्कार):
- प्रिंस दीप सिंह, मनमीत सिंह, अनमोल एक्का, अर्शदीप सिंह।
- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार):
- नवनीत कौर, सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, सविता।
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार):
- हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, संजय, अभिषेक।

मेजर लीग साकर: लियोनेल मेसी के गोल से इंटर मियामी की न्यूयार्क सिटी पर शानदार जीत

न्यूयार्क, 23 मार्च (एजेंसियां)।

मेजर लीग साकर में रविवार को खेले गए मुकाबले में इंटर मियामी ने शानदार वापसी करते हुए न्यूयार्क सिटी को 3-2 से हरा दिया। मैच का निर्णायक गोल मिकाएल दोस सैंटोस ने 74वें मिनट में किया।

इंटर मियामी के लिए लियोनेल मेसी ने भी अहम गोल दागा, जो उनके करियर का 901वां गोल रहा। इसके अलावा गोंजालो लुजान ने भी अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने शानदार वापसी की और महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

मुकाबले में न्यूयार्क सिटी की ओर से निकोलस फर्नांडीज मर्काउ और अगस्टिन ओहेदा ने गोल किए। 59वें मिनट में मैक्सी मोरालेज के बेहतरीन पास पर ओहेदा ने गोल कर टीम को 2–1 की बढ़त दिलाई थी।

हालांकि, इसके तुरंत बाद इंटर मियामी को फ्री किक मिली, जिस पर मेसी का शाट डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया और स्कोर 2–2 से बराबर हो गया। इससे पहले भी मेसी को दो मौके मिले थे, लेकिन दोनों बार गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई।

इसके बाद 74वें मिनट में मिकाएल दोस सैंटोस ने शानदार हेडर लगाकर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले मजबूत प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की, जबकि न्यूयार्क सिटी को इस सत्र की पहली हार का सामना करना पड़ा।

न्यूजीलैंड में नई टी20 प्रतियोगिता एनजेड20 को मिली मंजूरी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने प्रस्तावित नई टी20 प्रतियोगिता एनजेड20 को देश की प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता बनाने की दिशा में प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद बोर्ड अब प्रतियोगिता के संचालन, अधिकार वितरण और व्यावसायिक व्यवस्था जैसे पहलुओं पर काम करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, यह कदम देश की घरेलू टी20 व्यवस्था को नया रूप देने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके लागू होने पर वर्तमान सुपर स्मैश प्रतियोगिता की जगह एनजेड20 ले सकती है। सुपर स्मैश की शुरुआत पुरुष वर्ग में 2005–06 और महिला वर्ग में 2007–08 में हुई थी। नई प्रतियोगिता के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट मौजूदा संघ–आधारित प्रणाली से हटकर टीम–आधारित व्यवस्था अपनाएगा, जैसा कि दुनिया के कई देशों में प्रचलित है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेटापु–लिंडन ने सोमवार को बताया कि बोर्ड के सामने एनजेड20 को स्वतंत्र रूप से आयोजित करने या आस्ट्रेलिया की बिग बैश प्रतियोगिता से जोड़ने का विकल्प था, लेकिन विस्तृत चर्चा के बाद स्वतंत्र प्रतियोगिता को ही उचित माना गया।

टाटा आईपीएल फैन पार्क 2026 का ऐलान, पहले चरण में 15 शहरों में मिलेगा लाइव मैच का अनुभव

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टाटा आईपीएल फैन पार्क 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह आयोजन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती चरण के साथ किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शकों को स्टेडियम के बाहर भी आईपीएल का रोमांच अनुभव करने का मौका मिलेगा।

बोर्ड के अनुसार, पहले तीन हफ्तों में 11 राज्यों के 15 शहरों में फैन पार्क आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य अधिक से अधिक दर्शकों तक आईपीएल का उत्साह पहुंचाना और सामुदायिक माहौल में मैचों का आनंद देना है।

तीन सप्ताहांत में होंगे आयोजन

फैन पार्क का आयोजन तीन सप्ताहांत में किया जाएगा, पहला सप्ताह 28 और 29 मार्च, दूसरा सप्ताह 4 और 5 अप्रैल और तीसरा सप्ताह 11 और 12 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। हर सप्ताहांत में उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में पांच–पांच फैन पार्क लगाए जाएंगे, जिससे देशभर में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। पहले सप्ताह में रोहतक (हरियाणा), भोपाल (मध्य प्रदेश), नागपुर (महाराष्ट्र), तुमकुरु (कर्नाटक) और कृष्णनगर (पश्चिम बंगाल) में फैन पार्क लगाए जाएंगे। दूसरे सप्ताह में मथुरा (उत्तर प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), निजामाबाद (तेलंगाना), मैसूरु (कर्नाटक) और भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजन होगा। तीसरे सप्ताह में मेरठ (उत्तर प्रदेश), नडियाद (गुजरात), रत्नागिरी (महाराष्ट्र), कोयंबटूर (तमिलनाडु) और राउरकेला (ओडिशा) में फैन पार्क आयोजित किए जाएंगे। मनोरंजन और गतिविधियों का खास इंतजाम हर फैन पार्क में बड़े पर्दे पर लाइव मैच प्रसारण के साथ–साथ संगीत, मनोरंजन, फूड कोर्ट, बच्चों के लिए खेल क्षेत्र और कई इंटरैक्टिव गतिविधियां होंगी। दर्शक वर्चुअल बल्लेबाजी, गेंदबाजी नेट्स, फेस पेंटिंग, चीयर मीटर और 360 डिग्री फोटो बूथ जैसी सुविधाओं का भी आनंद ले सकेंगे।

कराबाओ कप: मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हराकर दो साल बाद जीता पहला खिताब

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)।

कराबाओ कप के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को आर्सेनल को 2-0 से हराकर दो साल बाद खिताब अपने नाम किया। वेम्बली मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में निको ओरेली ने दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को जीत दिलाई। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रही आर्सेनल इस मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही थी, लेकिन सिटी के सामने वह पूरी तरह फीकी साबित हुई।

इस जीत के साथ सिटी ने इस प्रतियोगिता का नौवीं बार खिताब जीता। टीम के मुख्य प्रशिक्षक पेप गार्डियोला के लिए यह जीत बेहद खास रही। उनके मार्गदर्शन में टीम ने पांचवीं बार यह खिताब जीता और वह इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल प्रशिक्षक बन गए। उन्होंने जोस मोरिन्हो, एलेक्स फर्ग्यूसन और ब्रायन क्लफ के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में सिटी ने खेल की रफ्तार बढ़ाई और 60वें मिनट में आर्सेनल के गोलकीपर केपा अरिजाबालागा की गलती का फायदा उठाते हुए ओरेली ने पहला गोल दागा।

इसके चार मिनट बाद सिटी ने बढ़त दोगुनी कर दी। दाईं ओर से बने शानदार मूव पर मैथियस नुनेस के सटीक पास को ओरेली ने हेडर के जरिए गोल में बदल दिया।

आर्सेनल के खिलाड़ियों में निराशा साफ दिखी। बेन व्हाइट को विरोधी खिलाड़ी पर फाउल करने के कारण पीला कार्ड भी मिला। अंत में आर्सेनल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गैब्रियल का शाट क्रासबार से टकरा गया।

मैच के बाद बर्नार्डो सिल्वा ने ट्राफी उठाई, जबकि आर्सेनल के अधिकांश समर्थक मैदान छोड़ चुके थे। सिटी के प्रशंसकों ने जीत का जमकर जश्न मनाया।

गौरतलब है कि सिटी पिछले वर्ष कोई खिताब नहीं जीत सकी थी, लेकिन इस जीत से उसने दिखा दिया कि वह अब भी खिताब की मजबूत दावेदार है।

जंग में झुलस रहा है भारत और रुस का व्यापार 9 लाख 40 हजार करोड़ के कारोबार पर संकट

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान,इजराइल और अमेरिका की जंग को करीब एक महीना होने वाला है। इससे दुनिया के तमाम देशों को भारी नुकसान हुआ है। भारत और रुस की बात करें तो दोनों देशों का साढ़े 9 लाख करोड़ से अधिका का कारोबार संकट में पड़ा हुआ है। चाबहार बंदरगाह के बाद अब ईरान के प्रमुख पोर्ट सिटी बंदर-ए-अंजली पर हुए एरियल अटैक ने भारत के लिए एक नया संकट खड़ा कर दिया है। यह शहर भारत और रूस द्वारा विकसित किए जा रहे इंटरनेशनल नार्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कारिडोर का सबसे अहम केंद्र माना जाता है। बंदर-ए-अंजली पर हुए इन हमलों ने भारत और रूस के बीच साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डालर (लगभग 9 लाख करोड़ रुपये) तक ले जाने के लक्ष्य को बड़ा झटका दिया है। कैस्पियन सागर के तट पर स्थित यह बंदरगाह रूस-ईरान व्यापार और भारत से आने वाले माल के लिए एक प्रमुख लाजिस्टिक हब है। 18 मार्च को हुए हमले में कस्टम हाउस समेत कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुँचा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले से विश्वसनीयता और सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं, जिससे भविष्य में माल ढुलाई और बीमा की दरों में भारी वृद्धि होना तय है। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह कारिडोर मुंबई को सेंट पीटर्सबर्ग से जोड़ता है। यह स्वेज नहर के पारंपरिक मार्ग को बाईपास करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को सस्ता और तेज बनाने के लिए तैयार किया गया था। इस मल्टी-मोडल नेटवर्क के जरिए माल ढुलाई का समय 25-30 दिनों से घटकर मात्र 7 दिन रह जाता है। अब तक सुरक्षित माने जाने वाले इस रूट पर सैन्य हमलों से मध्य एशियाई देशों की व्यापारिक योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। इसके अतिरिक्त, होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) में बढ़ते तनाव ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और तेल आपूर्ति के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। इस गंभीर स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर चर्चा कर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हो रहे हमलों की निंदा की है। भारत ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। वहीं, रूस ने भी इसे अपनी प्राथमिक परियोजनाओं पर बड़ा प्रहार माना है। इस कारिडोर की भविष्य की रणनीति पर चर्चा के लिए मास्को में एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की जा रही है। अगर इन हमलों पर लगाम नहीं लगी, तो यह न केवल भारत-रूस संबंधों बल्कि वैश्विक व्यापार के लिए अपूरणीय क्षति साबित हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

वित्त मंत्री ने लोकसभा में कार्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 किया पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कार्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। यह विधेयक सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में आगे संशोधन करने के लिए पेश किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को 10 मार्च को मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने लोकसभा में कारपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। इसका मकसद छोटे कारोबारियों, स्टार्टअप्स और किसानों की उत्पादक कंपनियों के लिए नियमों को आसान बनाना और गैर-जरूरी कानूनी जटिलताओं को कम करना है। लोकसभा एजेंडा के मुताबिक यह विधेयक सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करने के लिए लाया जा रहा है। इस विधेयक के मुख्य प्रावधान विधेयक का मुख्य प्रावधान छोटे-मोटे अपराधों को डी-क्रिमिनलाइज (अपराध की श्रेणी से बाहर) करना है। कुछ आपराधिक प्रावधानों की जगह सिविल पेनल्टी (जुर्माना) लागू करना है। इसके साथ ही छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स और किसान उत्पादक कंपनियों के लिए कंप्लायंस बोझ कम करना है। इसके अलावा कंपनियों के लिए व्यापार करने में आसानी के साथ जीवन की सुगमता को बढ़ावा देना है। क्यों जरूरी हैं ये बदलावसरकार का मानना है कि कई मामलों में मामूली प्रक्रियात्मक चूक को आपराधिक अपराध मानना व्यवसायों के लिए अनावश्यक दबाव पैदा करता है।

नया स्मार्टफोन वनप्लस 15टी अब जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। नया स्मार्टफोन वनप्लस 15टी अब जल्द लान्च होने जा रहा है। यह डिवाइस 24 मार्च को चीन में पेश किया जाएगा, जबकि इसके प्री-आर्डर पहले ही शुरू हो चुके हैं। भारतीय बाजार में यह स्मार्टफोन वनप्लस 15एस नाम से एंट्री कर सकता है। लान्च से पहले कंपनी ने इसके कुछ प्रमुख फीचर्स का खुलासा भी कर दिया है। डिजाइन की बात करें तो वनप्लस 15टी काम्पैक्ट फार्म फैक्टर में फ्लैगशिप अनुभव देने वाला स्मार्टफोन होगा। इसमें 6.32 इंच का अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो 165 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। फोन के बेजल बेहद पतले, करीब 1.1 मिमी होंगे और इसके किनारे गोल डिजाइन के साथ आकर्षक लुक देंगे। साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट स्कैनर भी दिया जाएगा। परफार्मेंस के मामले में यह डिवाइस काफी दमदार साबित हो सकता है। इसमें स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट मिलने की उम्मीद है, जो हाई-एंड प्रोसेसिंग और गेमिंग के लिए बेहतर माना जाता है। बैटरी भी इसकी बड़ी खासियत होगी। फोन में 7,500 एमएएच की बड़ी बैटरी दी जाएगी, जो 100वाट वायर्ड और 50वाट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करेगी। इसके अलावा, यह मैग्नेटिक वायरलेस एक्सेसरीज को भी सपोर्ट करेगा।

अब 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर में मिलेगी सिर्फ 10 किलो गैस

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी देशों से एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद तेल विपणन कंपनियां घरेलू सिलेंडरों में गैस की मात्रा कम करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पारंपरिक 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम गैस भरकर वितरण करने की योजना पर चर्चा हो रही है, ताकि सीमित स्टाक को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा सके। इस संकट की बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज में पैदा हुई बाधाएं हैं, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है। मौजूदा हालात में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे भारत आने वाली गैस सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि कई एलपीजी टैंकर इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में किल्लत की आशंका और गहरा सकती है। यदि सिलेंडर में गैस की मात्रा कम करने का फैसला लागू होता है, तो कंपनियों को अपने बाटलिंग प्लांट में बदलाव करने होंगे और नई मात्रा के अनुसार कीमतें भी तय करनी होंगी। अधिकारियों का मानना है कि 10 किलो गैस एक औसत परिवार के लिए लगभग एक महीने तक पर्याप्त हो सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला टिपको इंजीनियरिंग का आईपीओ, एक अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

इंडस्ट्रियल मशीनरी कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी टिपको इंजीनियरिंग इंडिया का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 मार्च को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक अप्रैल को बीएसई के एनएसई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,84,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 68,03,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 39 करोड़ रुपये के 44,27,200 नए शेयर और 12 करोड़ रुपये के 13,55,200 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। वहीं 10,20,800 शेयर मार्केट मेकर्स के लिए रिजर्व किए गए हैं।

कंपनी के आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 42.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 29.87 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 12.84 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर्स के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हारिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.45 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 15.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 13.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 35.98 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 101.36 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 133.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 86.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 8.42 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 25.68 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 37.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 37.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 2.56 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़कर 12.50 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 33.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 31.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कंपनी के ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) की बात करें तो 2022-23 में ये 3.47 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 12.14 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 23.85 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर 2025 तक ये 20.89 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

भारत में जीएलपी -1 दवाओं के बाजार में जेनेरिक क्रांति

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)।

सेमाग्लूटाइड की पेटेंट अवधि समाप्त होने के बाद भारत में ग्लूकागान लाइक पेप्टाइड (जीएलपी-1) दवाओं के जेनेरिक संस्करण बाजार में उपलब्ध हो गए हैं। अब तक कम से कम 15 जेनेरिक दवाएं लान्च हो चुकी हैं, जिससे ब्रांडेड दवाओं की कीमतों में 70 से 90 प्रतिशत तक की कमी आई है।

जेनेरिक दवाएं लान्च, ब्रांडेड दवाओं की कीमतों में 70 से 90 प्रतिशत तक की गिरावट

जीएलपी-1 एगोनिस्ट दवाएं मधुमेह नियंत्रित करने, वजन घटाने और भूख कम करने में मदद करती हैं। ये खास तौर पर टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे के मरीजों के लिए उपयोगी हैं और आमतौर पर साप्ताहिक एक बार इंजेक्शन के रूप में ली जाती हैं। ग्लेनमार्क की जेनेरिक दवा अब मात्र 1,300 रुपये और अल्केम लैबोरेटरीज की दवा 1,800 रुपये प्रति माह में उपलब्ध है, जो ब्रांडेड दवाओं की तुलना में क्रमश: 85 और 79 प्रतिशत तक सस्ती हैं। सन फार्मा ने वजन घटाने के लिए नोवेलट्रीट को 3,600 से 8,000 रुपये और मधुमेह के लिए सेमैट्रिनिटी को 3,000 से 5,200 रुपये के बीच पेश किया है। जायडस लाइफसाइंसेज ने अपने पेन और दोबारा इस्तेमाल होने वाले पेन संस्करणों की औसत मासिक लागत 2,200 रुपये रखी है। डा. रेड्डीज और यूएसवी ने मधुमेह के लिए इंजेक्शन वाले पेन की कीमत 4,200 रुपये प्रति माह तय की है, जबकि टारेंट फार्मा ने टैबलेट और इंजेक्शन संस्करण 3,999 रुपये में पेश किए हैं। इन दवाओं के रूप में दोबारा इस्तेमाल योग्य पेन, शीशी और टैबलेट शामिल हैं। जेनेरिक दवाओं के आने से मधुमेह और मोटापे से जुड़ी दवाओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और मरीजों को सस्ती, सुविधाजनक विकल्प मिलेंगे। आने वाले हफ्तों में और कंपनियों के जेनेरिक संस्करण बाजार में आने की उम्मीद है, जिससे यह क्षेत्र और अधिक सुलभ और किफायती हो जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक लाख...

इस प्रकार सोना अपने शिखर से लगभग 63,501 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है।

विशेषज्ञों के अनुसार सोना-चांदी को पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस बार मिडिल ईस्ट तनाव के बावजूद कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका प्रमुख कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और ऊंची ब्याज दरों की आशंका को बताया जा रहा है, जिससे निवेशक नकदी और डॉलर आधारित संपत्तियों की ओर झुक रहे हैं।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि ऊंची ब्याज दरें और मजबूत डॉलर गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों जैसे सोना-चांदी की मांग को कम कर देते हैं, जिससे इनकी कीमतों पर दबाव बढ़ जाता है।

इस अचानक आई गिरावट ने निवेशकों और ज्वेलरी बाजार दोनों को चौंका दिया है, वहीं विशेषज्ञ इसे उच्च स्तर के बाद आई तकनीकी और आर्थिक सुधारात्मक गिरावट भी मान रहे हैं।

संकट तो है...

इसलिए, सभी कानून और व्यवस्था एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा हो, साइबर सुरक्षा हो या रणनीतिक प्रतिष्ठान हों, सबकी सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने वैकल्पिक ऊर्जा बढाने के लिए भारत के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में, देश ने अपनी सौर ऊर्जा क्षमता को लगभग 03 गीगावाट से बढ़ाकर 140 गीगावाट कर दिया है। पिछले एक वर्ष में, देश भर में लगभग 40 लाख रूफटॉप सोलर पैनल लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री सूर्यगढ़ मुफ्त बिजली योजना ने भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गोवर्धन योजना के तहत, देश में 200 संपीड़ित बायोगैस संयंत्र भी चालू हो गए हैं। ये सभी प्रयास देश के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहे हैं। सरकार ने शांति अधिनियम के माध्यम से देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करके भविष्य की तैयारियों को और मजबूत किया है। हाल ही में, लघु जलविद्युत विकास योजना को भी मंजूरी दी गई है, जिससे अगले पांच वर्षों में 1500 मेगावाट की नई जलविद्युत क्षमता जुड़ेगी।

श्री मोदी ने एथेनॉल का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत कर दी है जिसका लाभ देश को बड़े स्तर पर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के बावजूद सरकार ने पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति पर गंभीर असर न पड़े, इसके लिए प्रयास किए हैं। देश अपनी एलपीजी की 60 प्रतिशत आवश्यकता आयात करता है। आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण सरकार ने घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है। इसके साथ ही एलपीजी का घरेलू उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है। देश भर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रहे, इसके लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

बेगमपेट रनवे के...

मुख्यमंत्री ने दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों का उदाहरण देते हुए कहा कि हैदराबाद को प्रदूषण और भीड़भाड़ से बचाने के लिए नियोजित विकास जरूरी है। इसके लिए प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को आउटर रिंग रोड के बाहर स्थानांतरित किया जाएगा। मुक्त हुई भूमि का उपयोग मध्यम वर्ग के आवास के लिए होगा।

360 किमी लंबा रीजनल रिंग रोड : केंद्र ने इसके उत्तरी हिस्से के लिए अनुमति दे दी है, जिससे शहर में भारी वाहनों का दबाव कम होगा।

मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि चारमीनार और गुलज़ार हौज़ जैसे ऐतिहासिक स्थलों वाले इस शहर को बढ़ते वाहनों के दबाव से बचाने के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है।

शेयर...

वहीं एनएसई निफ्टी 50 सूचकांक 2.60 प्रतिशत यानी 601.85 अंक की गिरावट के साथ 22,512.65 पर बंद हुआ।

इंट्रा-डे कारोबार में सेंसेक्स 73,732.58 पर खुलकर एक समय 1,974.5 अंक गिरकर 72,558.44 के निचले स्तर तक पहुंच गया, जबकि निफ्टी 22,824.35 पर खुलकर 643 अंक की गिरावट के साथ 22,471.25 तक फिसल गया।

मुख्य सूचकांकों के साथ-साथ व्यापक बाजारों में और ज्यादा कमजोरी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 3.90 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 3.94 प्रतिशत तक गिर गया, जिससे छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करने वाले निवेशकों को अधिक नुकसान हुआ।

निफ्टी इंडिया वीआईएक्स, जिसे बाजार की अस्थिरता का पैमाना माना जाता है, सोमवार को 19.11 प्रतिशत उछलकर 27.17 तक पहुंच गया और अंत में 17.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26.73 पर बंद हुआ।

रियल्टी, मेटल और कंस्ट्रक्शन सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित

सेक्टरवार विश्लेषण में निफ्टी कंस्ट्रक्शन ड्यूरेबल में 5 प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मेटल 4.97 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 4.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले सेक्टर रहे।

इसके अलावा निफ्टी बैंक 3.72 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 3.16 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 2.49 प्रतिशत गिरा, जबकि आईटी सेक्टर में सबसे कम 0.18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेंसेक्स में आई इस भारी गिरावट के कारण बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 14 लाख करोड़ रुपये घटकर 428.76 लाख करोड़ रुपये से 415.11 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। इससे निवेशकों की संपत्ति में भारी गिरावट दर्ज की गई।

मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह के अनुसार, सप्ताहांत में सामने आए घटनाक्रम और अमेरिका की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दी गई चेतावनी ने निवेशकों के मन में डर पैदा कर दिया। ईरान के सख्त जवाब से बाजार का माहौल और नकारात्मक हो गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का करीब 80 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में यदि होर्मुज मार्ग बाधित होता है या कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती हैं, तो इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और कॉरपोरेट कंपनियों की कमाई पर सीधे तौर पर पड़ेगा।

कोलंबिया...

सीमा से लगा हुआ है।

हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल से काले धुएं और आग की लपटों की तस्वीरें सामने आईं, जबकि सेना और राहत दल मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान में जुट गए।

सरकार ने बताया है कि दुर्घटना के कारणों और मृतकों या घायलों की संख्या का अभी तक आधिकारिक तौर पर पता नहीं चल पाया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सभी आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए हैं और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

रक्षा मंत्री ने अपने बयान में इसे देश के लिए बेहद दुखद क्षण बताया और लोगों से अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचने की अपील की।

दुर्घटनाग्रस्त विमान अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन का सी-130 हरक्यूलिस था, जिसे 1950 के दशक से दुनिया भर में सैनिकों, उपकरणों और राहत सामग्री के परिवहन के लिए उपयोग किया जाता रहा है। यह विमान छोटे और अस्थायी रनवे पर भी उड़ान भरने और उतरने की क्षमता के लिए जाना जाता है।

फरवरी के अंत में बोलीविया की वायुसेना का एक सी-130विमान एल ऑल्टो शहर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें कई लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए थे। इस घटना ने दक्षिण अमेरिका में सैन्य विमानन सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 24 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भगवान महावीर का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव 31 को

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
श्री महावीर जैन सेवा संघ, त्रयनगर द्वारा भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर 31 मार्च, 2026 को इंपीरियल गार्डन्स, सिख विलेज, सिकंदराबाद में एक भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की शुरुआत सुबह 9:30 बजे तड़बंद हनुमान मंदिर से भव्य वरघोड़ा (शोभायात्रा) के साथ होगी, जो इंपीरियल गार्डन तक जाएगी। इसके पश्चात सुबह 10:30 बजे से मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस गरिमामय और आध्यात्मिक आयोजन में जुड़वां शहरों और आसपास के क्षेत्रों से हजारों जैन श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। पूरा वातावरण भक्ति, रंग और पवित्र ऊर्जा से सराबोर रहेगा।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी होंगे मुख्य अतिथि

कार्यक्रम को पूज्य जैन साधु-साध्वियों का सान्निध्य प्राप्त होगा, जो धर्म सभा का नेतृत्व करेंगे और अहिंसा, सत्य, करुणा और त्याग के शाश्वत सिद्धांतों पर प्रवचन देंगे। समारोह की गरिमा बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कोर कमेटी के अनुसार, इस अवसर पर समाज के कई प्रतिष्ठित बुजुर्ग, सम्मानित गणमान्य व्यक्ति और प्रख्यात हस्तियां भी शिरकत करेंगी।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सामाजिक सरोकार

अध्यात्म के साथ-साथ इस महोत्सव में विविध कार्यक्रमों का संगम होगा। जिसमें-

भक्ति संगीत: सुरीले भजनों और मंत्रों से वातावरण गुंजायमान रहेगा।

सांस्कृतिक प्रदर्शन: जैन युवाओं और बच्चों द्वारा जैन विरासत पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

जनसेवा पहल: शाकाहार, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जीव दया पर आधारित स्टाल लगाए जाएंगे।

विद्वान चर्चा: विद्वानों और आध्यात्मिक नेताओं के साथ संवाद सत्र आयोजित होंगे।

सुकन्या समृद्धि और कैंसर स्क्रीनिंग कैंप की घोषणा

श्री महावीर जैन सेवा संघ ने इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण सामाजिक पहलों की घोषणा की है। पहली, सुकन्या समृद्धि योजना, जिसके तहत एक महीने से 14 वर्ष तक की बालिकाओं के कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा (इसकी विस्तृत जानकारी जल्द साझा की जाएगी)। दूसरी पहल के रूप में जीतो द्वारा एक कैंसर स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य के प्रति समुदाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उत्सव के आनंद को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम स्थल पर छाछ, आम का रस, तरबूज और अन्य पारंपरिक व्यंजनों के स्टाल लगाए जाएंगे। शहर के विभिन्न जैन मंडलों द्वारा भी अपनी गतिविधियों और सेवाओं को प्रदर्शित करने वाले स्टाल लगाए जाएंगे। आयोजन समिति ने भक्तों, व्यवसायियों और पेशेवरों के उत्साहपूर्ण रिस्पॉन्स पर हर्ष व्यक्त किया है।

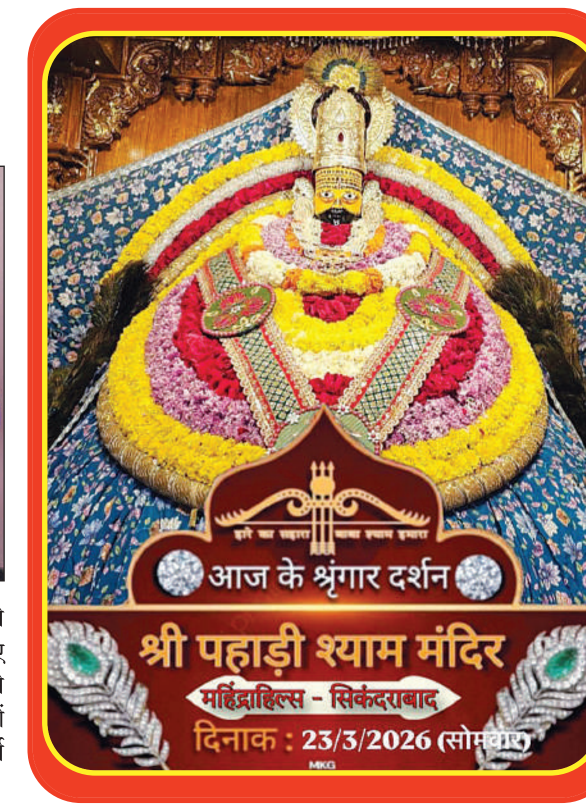

पत्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 164वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

274 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ, नेत्र जांच के साथ चश्मे वितरण और मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा जोशी समाज के सहयोग से 164वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर बेगम बाजार स्थित एलएमजी स्मार्ट किड्स हाई स्कूल में आयोजित किया गया।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में किम्स साइन अस्पताल, बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2-डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप और सामान्य चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की गईं।

इस अवसर पर ऑर्थो विशेषज्ञ डॉ. गायत्री, डॉ. मबरूर, नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा, बीएमडी तकनीशियन अनिल, 2-डी इको तकनीशियन अक्षिता तथा विपणन प्रतिनिधि उदय कुमार ने अपनी सेवाएं दीं।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा द्वारा 178 रोगियों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से 149 लोगों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा 6 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई।

इस दौरान के.एच. भगवान, प्रतीक्षा, पी. यादगिरी, नरसिंग राव और रामकृष्ण ने भी अपना सहयोग प्रदान किया।

शिविर में डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने सामान्य जांच की सेवाएं दीं। बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता ने फिजियोथेरेपी तथा एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज ने दंत चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं।श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक विकलांग रोगी को आवश्यक सहायता प्रदान की गई।शिविर का 274 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नगरसेवक गोशामहल लाल सिंह, तेलंगाना सरकार मत्स्य विभाग अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार, भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव, महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद राठी, पूर्व पार्षद मेट्टू वैकुंठम, कांग्रेस नेता कन्हैयालाल साहू, रघुनंदन चौधरी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता तथा स्थानीय भागीदार जोशी समाज के सुरेश जोशी, विक्की जोशी, सुधाकर जोशी, देवा जोशी, निम्बा जोशी सहित शंकरलाल यादव, राजू लाल यादव, रूपलाल यादव, घनश्याम यादव, विजय यादव, मनोज सिंह, स्वयंसेवक अजय तुलस्यान, पवन भुवानिया, योगेश अग्रवाल, निर्मला केडिया, सुमन भुवानिया, सुनैना नरसरिया एवं अन्य सहयोगियों ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बंडारू दत्तात्रेय ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रपूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सोमवार को लोक भवन में तेलंगाना के माननीय राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से शिष्टाचार भेंट की।

इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच राज्य की वर्तमान परिस्थितियों और विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने लोक कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए।

मुलाकात के दौरान श्री दत्तात्रेय ने राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक बेहद सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

शहीद दिवस के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार, 23 मार्च शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहीदों की पुण्य स्मृति में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहीद किसी एक परिवार, जाति, धर्म या संप्रदाय के नहीं होते, बल्कि वे पूरे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका जीवन और बलिदान हमें यह सिखाता है कि देश के लिए सर्वोपरि कुछ भी नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब-जब देश पर संकट आया, तब-तब वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति देकर मातृभूमि की रक्षा की और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वतंत्रता और सम्मान का मार्ग प्रशस्त किया।उन्होंने आगे कहा कि 23 मार्च का दिन भारतीय इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन देश के महान क्रांतिकारी वीरों-शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव-ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। इन महान वीरों का बलिदान केवल एक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, साहस और आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम की ज्योति प्रज्वलित करता है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि शहीदों का बलिदान हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें, समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा दें और देश के विकास में अपना योगदान दें। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन शहीदों को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। साथ ही यह संकल्प लिया गया कि सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास निरंतर जारी रखा जाएगा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य से उपस्थित थे।

चैत्र नवरात्रि पर श्री आईमाताजी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल

पारसीगुटा मंदिर में पूजा-अर्चना व हवन-यज्ञ का आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे उपस्थित

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन-यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में मंदिर परिसर भक्तों से भरा रहा और पूरे वातावरण में मंत्रोच्चार तथा धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज सुनाई दी।

कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सलाहकार जसवंत देवड़ा, भोल-राम-देवी सोलंकी, ओमप्रकाश पंवार, नारायणलाल, डायाराम सीरवी, दुर्गाराम परिहारिया, पंडित हिमांशु सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने विधि-विधान से माता आईमाताजी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

हवन-यज्ञ के दौरान पंडित हिमांशु द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न कराया गया, जिसमें उपस्थित भक्तों ने आहुति देकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और भक्तों ने भक्ति भाव से माता के जयकारे लगाए।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था और दिनभर पूजा-पाठ, भजन तथा हवन-यज्ञ का क्रम चलता रहा।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं और सेवाभावी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर नरेन्द्र गोयल का अभिनंदन

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चिराग अली लेन स्थित राघव रत्ना टॉवर्स में अग्रवाल समाज कार्यालय में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर प्रमुख समाजसेवी एवं गौभक्त नरेन्द्र गोयल का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान तथा तरुण मेहता ने नरेन्द्र गोयल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उनके समाजसेवी कार्यों की सराहना की।कार्यक्रम में अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा के मंत्री राजेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे। सभी ने नरेन्द्र गोयल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

लोडाया गोत्र की कुलदेवी सच्चाई माता की सामुहीक पहेडी भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन मे लोडाया गोत्र की कुलदेवी श्री सच्चाई माता की सामूहीक पेढ़ी तथा प्रसादी भव्यता के साथ सम्पन्न हुई ।यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री सच्चाई माँ भाविक मंडल के मणीलाल लोडाया एवं लहेरचंद लोडाया ने बताया कि लोडाया गोत्र की कुलदेवी श्री सच्चाई माता कि 22वीं सामूहीक पेढ़ी तथा प्रसादी अंतर्गत विभिन्न मांगलीक कार्यक्रम आयोजन रविवार दि. 22 मार्च 2026 को किया गया जिसमे प्रात: 9.30 बजे सामैया, प्रात: 10 बजे माता जी की प्रतीमा को स्थापना की गयी, तत्पश्चात माताजी की भव्य पहेड़ी एवं आरती की गयी तथा सभी भक्तों ने प्रसादी का लाभ लिया । इस वर्ष की पेढी एवं स्वामीवात्सल्य का संपूर्ण आयोजन दाता मातुश्री दीमुवाई वालजीभाई लोडाया परिवार हस्ते कामया उर्वि समकित लोडाया (गाम कोठारा हाल हैदराबाद) द्वारा रखा गया।

समिति के सदस्य लहेरचंद लोडाया एवं गौतम लोडाया ने बताया कि धार्मिक आयोजन के दरमियान माताजी ने हाजीर होकर आगे भी पेढ़ी एवं प्रसादी को यथावत जारी रखने के लिये भक्तों से कहा एवं आगामी वर्ष में सभी लोडाया परिवारजनों के लिये सुख, शांती एवं सौभाग्य पूर्ण रहेगा एसा शुभाशीर्वाद दिया। गत 22 वर्ष से लगातार माता की पेढ़ी का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर संगीतकार कुणाल शाह एवं उर्मि भट्ट ने भक्ती की रमझट जमायी एवं उपस्थित भक्तो को ढोल की धुन पर गरबा थीरकने के लिये मजबुर कर दिया ।कार्यक्रम का संचालन रश्मीबेन राजेश लोडाया ने किया । अवसर पर लाभार्थी परिवार एवं केटरींग मे सेवा प्रदान करने के लिए भट्टाचार्य एवं सभी नियाणी बहनो का अभिनंदन मंडल की ओर से किया गया।

मत्स्य अवतार महोत्सव पर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में भक्ति और उल्लास

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज, भाग्यनगर द्वारा श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में सायंकाल 6 बजे भगवान श्री विष्णु के प्रथम अवतार मत्स्य अवतार का विशेष शृंगार कर महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा।

महोत्सव के दौरान भगवान के मनोहारी श्रृंगार के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महा आरती रही, जिसमें उपस्थित सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से भाग लेकर भगवान की आराधना की।

महा आरती के पश्चात सभी धर्मप्रेमी लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

कच्छी भवन में प्रारंभ हुई चैत्र मास की आयंबिल ओली

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अचलगच्छ जैन संघ, हैदराबाद सिटी द्वारा चैत्र मास के पावन अवसर पर रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में आयंबिल ओली का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार, 24 मार्च से प्रारंभ होकर यह शाश्वती आयंबिल ओली आगामी बुधवार, 1 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी। आयंबिल का समय प्रतिदिन प्रातः 11:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रेस को विज्ञप्ति में संघ के चेयरमेन रमण नागडा एवं ट्रस्टी पोपटलाल छेडा ने बताया कि शासनरत्न, राष्ट्रसंत, अचलगच्छाधिपति प.पू. आ.भ. श्री गुणसागरसूरीश्वरजी म.सा. एवं तपस्वीरत्न प.पू. आ.भ. गुणोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञा-आशीर्वाद तथा वर्तमान गच्छाधिपति साहित्य दिवाकर सौम्य स्वभावी दक्षिण दीपक प.पू. आ.भ. श्री कलाप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा., सरलस्वभावी प.पू. आचार्यश्री कवीन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा., ज्योतिषाचार्य प.पू. आचार्यश्री वीरभद्रसागरसूरीश्वरजी म.सा. एवं आगमोभ्यासी प.पू. महोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शुभाशीर्वाद से यह धार्मिक आयोजन संपन्न हो रहा है।

जन-जन की श्रद्धा और आस्था के केंद्र, जैन-अजैन सभी के प्रिय प.पू. सा. श्री तत्वपूर्णाश्रीजी म.सा., प.पू. सा. श्री तत्वयशाश्रीजी म.सा., प.पू. सा. श्री मुक्तिवर्षाश्रीजी म.सा. एवं प.पू. सा. श्री जितयशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 की पावन निश्रा में आयंबिल ओली का आयोजन किया जा रहा है।

जेद्दा में साटा द्वारा उगादि और ईद का भव्य आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

जेद्दा (सऊदी अरब), 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सऊदी अरब के जेद्दा शहर में 'सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन' के तत्वावधान में उगादि और ईद का त्यौहार बेहद भव्यता और उत्साह के साथ मनाया गया। विदेश में रह रहे भारतीय समुदायों के लिए यह आयोजन अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव महसूस करने का एक सुनहरा अवसर साबित हुआ। पारंपरिक वेशभूषा में सजे परिवारों, बच्चों और युवाओं ने मिलकर इस उत्सव को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ रहीं, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हाल ही में दुबई से आए प्रसिद्ध गायक बालू और प्रिया के साथ गोपी, हारून और अंजाद के प्रदर्शन ने आयोजन में नई ऊर्जा भर दी। भक्ति संगीत से लेकर मनोरंजन गतिविधियों तक, हर प्रस्तुति ने लोगों को अपनी जड़ों से जोड़े रखा।ग्लोबल तेलुगु जेद्दा के अध्यक्ष, श्री शौकत अली (अनंतपुर) ने इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे समारोह न केवल त्यौहार मनाने का जरिया हैं, बल्कि जेद्दा में तेलुगु समुदाय के बीच एकता को भी मजबूत करते हैं।साटा जेद्दा के अध्यक्ष, श्री अंजाद बेग (वारंगल) ने कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों, स्वयंसेवकों और प्रायोजकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग से ही यह उत्सव इतना विशेष बन पाया।सऊदी प्रीमियम रेजिडेंसी से जुड़े प्रमुख तेलुगु व्यक्तित्व डॉ. नागराजू और उनकी पत्नी लक्ष्मी ने नए साल (उगादि) पर सभी के स्वास्थ्य, खुशी और सफलता की कामना की। साटा के संस्थापक अध्यक्ष मल्लेषम, साटा रियाद के अध्यक्ष शीनिवास मच्छा और साटा दम्मम के अध्यक्ष तेजा पल्ले ने भी उगादि और ईद की बधाई देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

पुष्कर में सम्पन्न हुई विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय परिषद बैठक

20260 28 कार्यकाल के लिए 401 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी गठित, विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय परिषद की बैठक राजस्थान के पुष्कर में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राधेश्याम शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में देशभर से विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में ब्राह्मण समाज की पहचान, शान और परंपरा को नए वैचारिक आधार पर स्थापित करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान वर्ष 2026 से 2028 के कार्यकाल के लिए 401 सदस्यों की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। मुंबई निवासी श्री सत्यनारायण श्रीमाली को राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार सौंपा गया। साथ ही देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए पदाधिकारियों की नियुक्तियां भी की गईं।तेलंगाना विप्र फाउंडेशन, जोन-16 के अध्यक्ष पद पर पुनः दूसरी बार हरीकिशन ओझा को मनोनीत किया गया। इसके साथ ही हरीनारायण व्यास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा दक्षिण भारत के राष्ट्रीय महामंत्री का पदभार भगवान व्यास को सौंपा गया।इन सभी नियुक्तियों की आधिकारिक घोषणा मंत्री रामदेव नागला द्वारा जारी की गई। नागला ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।राष्ट्रीय महामंत्री पवन पारीक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रीय परिषद की बैठक का औपचारिक समापन हुआ। बैठक के दौरान पुष्कर में विप्रजनों का बड़ा जनसमूह उमड़ा, जिसने संगठन की एकजुटता और सक्रियता का परिचय दिया।

राधे-राधे नाम की शक्ति से सेवा का दो वर्ष का सफर निरंतर जारी : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। (एजन्सी),राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की सुंदर मिसाल प्रस्तुत की गई।इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे नाम की दिव्य शक्ति के प्रभाव से यह सेवा कार्य निरंतर बिना किसी विघ्न के पिछले लगभग दो वर्षों से चलता आ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रुप के तीनों केंद्रों पर यह अन्नदान सेवा नियमित रूप से जारी है और समय के साथ इसमें सेवा भाव एवं जनसहभागिता निरंतर बढ़ती जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि सेवा कार्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में प्रेम, करुणा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। ऐसे प्रयास समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य करते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की नई किरण जगाते हैं।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश शारदा, रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी बडेर भवन में स्व. खरताराम चोयल की श्रद्धांजलि सभा में पुष्प अर्पित करते हुए जोराराम, चेनाराम, वेनाराम , रुघाराम, कालुराम, उम्मेदराम , उत्तम,सुरेश, दिलीप, हितेश, धावल, वेदांश चोयल। सीरवी समाज के गणमान्य मांगीलाल काग, रावतराम , सोहनलाल परिहार, प्रेम पंवार, संतोष चोयल, मोहनलाल हाम्बड़, नारायणलाल काग, परसराम ,चोलाराम हाम्बड़, जसवंत देवड़ा,मोहन , उदाराम व अन्य समाज बन्धु भी उपस्थित थे।

मलकाजगिरि के सांसद इटेला राजेंद्र को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर मां बनभौरी परिवार के संयोजक सुशील मित्तल एवं सदस्य कपिल गर्ग ने शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दीपक अग्रवाल तथा भूतपूर्व प्रजा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव भी उपस्थित रहे और सांसद के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग कार्यालय में ईद मिलन समारोह, मुख़्तार अहमद का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के कार्यालय में ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर एक विशेष उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सीता दयाकर रेड्डी ने की, जिसमें आयोग के अन्य गणमान्य सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ईद के इस उल्लासपूर्ण वातावरण में माननीय अध्यक्ष श्रीमती सीता दयाकर रेड्डी ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के सचिव शेख मुख़्तार अहमद को ईद की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान आयोग के सदस्यों बी. वचन कुमार, बी. अपर्णा, जी. सरिता, एम. चंदना राज और प्रेमलता अग्रवाल ने भी उत्सव में भाग लिया और भाईचारे का संदेश दिया।सम्मान से अभिभूत होकर मुख़्तार अहमद ने अध्यक्ष और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मैं अध्यक्ष महोदया और आयोग के सभी सम्मानित सदस्यों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मुझे इतने प्रेम, आत्मीयता और गर्मजोशी भरे आतिथ्य के साथ सम्मानित किया।''

कार्यक्रम का समापन एक-दूसरे को ईद की बधाई देने और समाज में शांति व सद्भाव बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

सिखवाल महिला मंडल द्वारा 30 सामूहिक उद्यापन सम्पन्न

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल महिला मंडल के तत्वावधान में 21 मार्च 2026 को फीलखाना स्थित शृंगरिषि भवन में 30 महिलाओं का सामूहिक उद्यापन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्गा ओझा ने की, जबकि विशेष सहयोग देवकन्या तिवाड़ी का रहा। इस अवसर पर शोभा उपाध्याय, राजेश्वरी उपाध्याय, लीला जोशी, परमेश्वरी ओझा, नन्दा तिवाड़ी, रेखा उपाध्याय, कलावती, सुनीता तिवाड़ी, किरण व्यास, उषा उपाध्याय और कान्ता जायलवाल सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम धार्मिक अनुष्ठानों और पारंपरिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें महिलाओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल क्लब द्वारा निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब के तत्वावधान में सिकंदराबाद स्थित स्माइलिश ओरल डेंटल अस्पताल में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।शिविर में डॉ. सौम्या ने उपस्थित लोगों के दांतों की जांच कर आवश्यक उपचार प्रदान किया, जबकि उनके सहयोगी डॉ. मानव और डॉ. स्नेहा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय कैबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता सहित कई लोगों का दंत परीक्षण किया गया और आवश्यक उपचार, जिसमें रूट कैनाल भी शामिल रहा, किया गया।

कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्षा दिव्या विकास गुप्ता, सचिव रश्मि पवन गुप्ता तथा स्फूर्ति कॉलेज के बी.टेक विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। अंत में क्लब पदाधिकारियों द्वारा चिकित्सकों को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया गया।

हंसते-हंसते फांसी पर झूल गए वीर सपूत, उनके बलिदान को अश्रुपूर्ण नमन : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में 23 मार्च शहीद दिवस के अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान (सेवा) कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत भावपूर्ण वातावरण में किया गया। इस पावन दिन पर देश के अमर शहीदों को श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण देशभक्ति और भावनाओं से ओत-प्रोत हो उठा, जब राम प्रकाश अग्रवाल ने शहीदों को याद करते हुए कहा कि 23 मार्च केवल एक तिथि नहीं, बल्कि त्याग, साहस और देशप्रेम की अमर गाथा है। इसी दिन भारत मां के लाल सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया और अपने प्राणों की आहुति देकर आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता का अमूल्य उपहार दिया।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि जब-जब हम स्वतंत्र हवा में सांस लेते हैं, तब-तब हमें उन वीरों का स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अपने सपनों, अपने परिवार और अपने जीवन को देश के लिए न्यौछावर कर दिया। उनके बलिदान की गूंज आज भी हर भारतीय के दिल में सुनाई देती है। शहीद कभी मरते नहीं, वे हर धड़कन में, हर तिरंगे की लहर में जीवित रहते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर वीर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात राधे-राधे ग्रुप द्वारा जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। सेवा का यह कार्य केवल अन्नदान नहीं, बल्कि उन शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि था, जिन्होंने हमें मानवता, त्याग और सेवा का मार्ग दिखाया।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, गौरव गोयल, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, महेश गुप्ता, प्रवेश जैन, अनिता जैन, मीनल जैन, लक्षिता जैन एवं ई. जगन (चंपापेट) सहित अनेक सदस्य भावभीनी श्रद्धा के साथ उपस्थित रहे।

आचार्य हीराचंद्र जी के 88वें जन्मदिवस पर सेवा व संस्कार कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रत्नसंघ के अष्टम आचार्य आचार्य श्री हीराचंद्र जी म.सा. के 88वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में श्री जैनरत्न युवक परिषद् हैदराबाद द्वारा मलकपेट स्थित आदरना अनाथ आश्रम में सेवा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद् सदस्यों ने अनाथ आश्रम के लगभग 120 बालक-बालिकाओं को नाश्ता वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर बच्चों के साथ आत्मीय संवाद भी किया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मकता का संचार हुआ।

कार्यक्रम के दौरान व्यसन मुक्ति विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित बच्चों ने धूम्रपान, शराब और अन्य कुव्यसनों से दूर रहने की शपथ ली। इस पहल को बच्चों और आश्रम प्रबंधन ने सराहा। कार्यक्रम में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए अध्ययन पद्धति, समय प्रबंधन और तनाव नियंत्रण के बारे में मार्गदर्शन दिया गया तथा उनके प्रश्नों का समाधान किया गया।कार्यक्रम का संचालन खुशी अनिल भंडारी ने किया। इस अवसर पर परिषद् के विकास रांका, नमन बगमार, नमन गुंदेचा, चेतन कटारिया, अंकुरा कटारिया, तुषार गुंदेचा, ऋषभ कटारिया, दर्शन गुगलिया, रित्विक कटारिया और सम्यक गुगलिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम सेवा, संस्कार और समाज जागरूकता का संगम बनकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्री गोपाल मंदिर समिति, निजामाबाद के तत्वावधान में गणगौर पर्व के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुरुषोत्तम मास में नैमिषारण्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में गौ भागवत भक्त मंडल हैदराबाद द्वारा नैमिषारण्य धाम में 9 जून से 15 जून 2026 तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में चादरघाट गणेश मंदिर में एक सभा आयोजित की गई, जिसमें कथा व्यास आचार्य सत्य प्रकाश जी महाराज (वृंदावन) ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सभा में कथा सहयोगकर्ता मुरलीधर गुप्ता, सुरेन्दर अग्रवाल, रमेश मोदानी, भरथ अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे और कथा आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव और सहयोग प्रदान किया।

शहीद भगत सिंह को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहीद दिवस के अवसर पर रामपुरा गौशाला के पास स्थित अमर शहीद भगत सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वार्ड सदस्य वाई. नागीरेड्डी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीसीसी उपाध्यक्ष और मंगलहाट की पूर्व कॉर्पोरेटर श्रीमती परमेश्वरी सिंह लोध ने भाग लिया। इस दौरान राकेश सिंह, शशिराज सिंह, नरेश सिंह, मनोहर गायकवाड़, किरण मुदिराज, महेंद्र सिंह, संतोष, शोभा बाई, शांता बाई, रेणुका मुदिराज, संतोषी बाई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी उपस्थित रहकर शहीद भगत सिंह को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

निजी अस्पताल में भीषण आग से मचा हड़कंप, बाल-बाल बचे मरीज और कर्मचारी

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के विजयनगर कॉलोनी, मेहंदीपट्टनम स्थित एक निजी अस्पताल में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक एयर कंडीशनिंग यूनिट में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। इस घटना से अस्पताल में मौजूद मरीजों और कर्मचारियों के बीच भारी दहशत फैल गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आग श्रुति मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल की तीसरी मंजिल पर लगी। बताया जा रहा है कि वहां लगी एक एसी यूनिट में अचानक धमाका हुआ, जिसके तुरंत बाद लपटें उठने लगीं। आग देख अस्पताल के भीतर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इमारत से बाहर की ओर दौड़ पड़े।

आग की सूचना मिलते ही अस्पताल के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए एहतियात के तौर पर मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और युद्ध स्तर पर अग्निशमन अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे अस्पताल को किसी बड़े नुकसान से बचा लिया गया।

संबंधित अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस दुर्घटना में अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, SAROJINI DEVI Spouse of Ex.Army No.7057975F Ex Hav Late PUDOTA ANANDA RAO, R/o.1-17-14, Ram Nagar Colony, Near Water Tank Alwal, Secunderabad-500010, Telangana have changed my name from SAROJINI DEVI to KATURI SAROJINI DEVI vide affidavit dt:10-03-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, P NEELIMA Spouse of No.17003444N Nk/P & D, Name: PULIGADDA RAMANJANEYULU, Residing at H.No.5-178, Vill:Piligaddavaripalem, PO: Arumbaka, Teh:Cherukuplie, Dist: Guntur, Andhra Pradesh-522309 have changed my name from P NEELIMA to PULIGADDA NEELIMA vide affidavit dt:23-03-2026 before G. Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, YAGATI MEGHANA , is legally wedded spouse of No 9127652L, Rank Rfn Name KUNA BHARATHKUMAR presently residing at Ville:Subrahamanyapuram, Tehsil:JALUMURU, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh State, India hereby State that I have changed my name from KUNA MEGHANA to YAGATI MEGHANA, due to wrongly entry in service record of my Husband, vide Affidavit No AC 266723, Dated.20 March 2026

CHANGE OF NAME

I, SAGATA RAM, father of VIKASH VAGELA, permanent residing at Somaniyon Ki Dhani, Genhu, Post: Barmer, District:Barmer, Rajasthan - 344001, that, I have Changed my Son's Name from VIKASH VAGHELA to VIKASH VAGELA, as per due to erroneously entered in my service documents. (date of birth of my Son is 19 Jan 2008) Vide Affidavit Date.23-03-2026 before B.Ramesh, B.A. LL.B, Advocate and Notary, Indira Nagar Trimulgherry Secunderabad, Telangana

पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारत सरकार का महारत्न सीपीएसई)

प्रोजेक्ट ए : अनंतपुरम कर्नूल टीबीसीबी ट्रांसमिशन सिस्टम प्रोजेक्ट

(पूर्व में इस परियोजना को पावरग्रिड के प्रोजेक्ट एसपीवी अर्थात् ''**पावरग्रिड अनंतपुरम कर्नूल ट्रांसमिशन लिमिटेड**'' को सौंपा गया था, जिसे 1 मार्च 2026 से पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड के साथ विलय किया गया है। एमसीए के आदेश संख्या 24/7/2024-सीएल-III दिनांक 27-01-2026 के अनुसार)

सार्वजनिक सूचना

पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड ने टीबीसीबी मार्ग के अंतर्गत अनंतपुरम (अनंतपुर) (2500 मेगावॉट) एवं कर्नूल (1000 मेगावॉट) आंध्र-प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए ट्रांसमिशन योजना के साथ जुड़े 400 केवी डी/सी (क्वाड मूस) अनंतपुर पीएस कड़पा विद्यमान सब स्टेशन टीएल का निर्माण पूरा किया है, विद्युत अधिनियम 2003 एवं उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुरूप यह जन-साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त उल्लेखित लाइन 26-03-2026 से प्रभार होगी। यह लाइन आंध्र-प्रदेश राज्य में निम्नलिखित गाँवों से होकर गुजर रही है।

क्र. सं.	गाँव का नाम	तहसील/मंडल	जिला
01	डोनिमुक्ला, गोंडेरला, तिम्मापुरम, तिम्मापुरम थांडा, नल्लादसरा पल्ली, डोनचरिया, नक्कनदोड्डी, पटाकोट्टाचेरुवु, नेलागोंडा, नक्कनदोड्डी थांडा, गोलालाडोड्डी, सेवागढ़।	गुंतकल	अनंतपुर
02	पेड्डोड्डी, अब्बेदोड्डी, अनिगनिडोड्डी, मार्नेपल्ली, मार्नाडुरु, राजापुरम, थोंडापाडु, तुरकापल्ले, ब्राह्मणपल्ली, एर्रागुडी, कोट्टापेटा, चेरलोपल्ली, पुलकुंटा।	गूटी	अनंतपुर
03	रामाराजुपल्ली, रामाराजुपल्ली आरएस, एडुरुरू।	पामिड़ी	अनंतपुर
04	कचेपल्ली, कोट्टापल्ली, गूटी अनंतपुरम, मिदुथुरु, अवुलमपल्ली, पेद्दावदुगुरु, मेडिमाकुलपल्ली, तेलिकी, लक्ष्मीपल्ली, कंडियागुडुरु, चिन्नावदुगुरु, विरुपापुरामु, चिंथालचेरुवु।	पेद्दा वदुगुरू	अनंतपुर
05	पुप्पाला, पी. वेंगननापल्ले, गंगाराम।	यादिकी	अनंतपुर
06	चेरतोपल्ली, तुर्कापल्ली, कोंडापुरम, पेद्दयेक्कलुरु, चागल्लु, पेद्दा पप्पुरु, बोंडालाडिने, गारलाडिने, धर्मपुरम, सोमनापल्ली, शैकुपल्ले, नारापुरम, नमननंकापल्ले, अम्मलाडिनेपल्ली, कोट्टापल्ले।	पेद्दा पप्पुरु	अनंतपुर
07	येरागुंटा पल्ली, तिम्मापुरम।	ताड़िपत्रि	अनंतपुर
08	कोनगुंटपल्ली, अरकेटिवमुला, कांडिकापुला, चिंताकुंटा, पुतलुरु, थक्कलपल्ली, नागिरेड्डीपल्ले, नारायणपल्ली, सनागलागुडुरु, वेंगन्नापल्ले, गोपाराजेपल्ले।	पुतलुरु	अनंतपुर
09	कोट्टापल्ले चेवनागयापल्ली येनुमालाचिंथा, बेदादुरू, पोट्टीपाडु, डोनकुपल्ली, लिंगमनेनिपल्ले, चेन्नामनेनिपल्ले, लावानुरू।	सिम्हाद्रिपुरम	वाईएसआर कड़पा
10	पेडिपालेम, चेववेरीपल्ले, नंद्यालपल्ली, सनकेसुला, रावलाकोलानु, जंगमरेड्डी पल्ली, मुसलरेड्डीपल्ली, कसानूर, थेलिकी, लोमाडा।	सिम्हाद्रिपुरम	वाईएसआर कड़पा
11	बोदिवारीपल्ली, बुचुपल्ले, थोंदुर, मल्लेला, गंगादेवी पल्ले, अगादुर चेरलोपल्ले, पोटुलापल्ली, सोंथाकोवुरु, बी.कोट्टापल्ले, उदावगंडिया।	थोंडुरू	वाईएसआर कड़पा
12	सोमपल्ले, उप्पलुरु।	मुद्दनूर	वाईएसआर कड़पा
13	अंकिरेड्डीपल्ले, बसिरेड्डीपल्ले, कोम्माड्डी, वेंकटपुरम, अय्यावरुपल्ले, इंदुकुर, उरुटुरु, गंडलावारिपल्ली, कोट्टप्पल कीर्तिपल्ले, तलपनुरु, पायसमपल्ली, लिंगाला, ओबयापल्ले, अलीडेना पल्ले।	विरापा नयनिपल्ले	वाईएसआर कड़पा
14	राजुपालेम, बयानापल्ले, नासानतापुरम, चिंतारेड्डीपल्ले, चिन्नाचेप्पल्ले, लेटापल्ले, येल्लारेड्डी पल्ली, दादिरेड्डीपल्ली, वंकामाड़ा।	कमलापुरम	वाईएसआर कड़पा
15	सितिवरिपल्ले पेडिकालावा।		वाईएसआर कड़पा
16	कोट्टापेटा, मचानुरु, कोनायापल्ले, संकतिपल्ले, गंगुलापल्ले, कोंडारेड्डीपल्ले, एनुगुवारिपल्ली, रल्लापल्ली, अय्यावरिपल्ली, श्रीनिवासपुरम, रामापुरम, मोयिलाकलावा, गोपालपुरम, मित्तमिदापल्ले, हवलदारपेटा, सुरतखानपल्ले, एरालापाडु, शिवशंकरपुरम, गंगनप्पल्ले, मल्लयापल्ले, गिरियापल्ले, वडालवारिपल्ली, टिपिरेड्डीपल्ले, इसुकापल्ली, रसावरिपल्ले, पेसलावारिपल्ले, बिंदुराव पल्ली, चेन्नमराजुपल्ली।	वल्लुरु	वाईएसआर कड़पा
17	तिरुवेणुगाराजुपल्ले, भकरापेटा गोलापल्ली, चिन्नापल्ले, ओबुलमपल्ले कम्मवारिपल्ले, गोपालपुरम बालुपल्ले, पापासाहेबपेंटा, बसिरेड्डीपल्ले, अप्पाराजुपल्ले, रसूलापल्ले, कोत्तापेटा, कृष्णापुरम बुग्गलेटीपल्ले, लिंगारेड्डीपल्ले, चिंताकोम्मादिन्ने, पाडिगालेपल्ले, जमालुपल्ले, चेरियोपल्ली, दौलतापुरम, लक्कीरेड्डीपल्ले, कोट्टापल्ले, चिन्ना काम्पल्ले।	पेंडलीमर्री	वाईएसआर कड़पा

आम जनता से अपील की जाती है कि वे उक्त ट्रांसमिशन लाइन और उसके टावरों से दूर रहें, और **26-03-2026** को या उसके बाद इन टावरों पर न चढ़ें और न ही ऐसी किसी लाइन को छुएं। उल्लंघन का कोई भी कार्य चाहे वह प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, आकस्मिक या परिणामी हो, जिससे गंभीर बिजली का झटका लग सकता है और जिसके परिणामस्वरूप कोई दुर्घटना हो सकती है या जान-माल का नुकसान हो सकता है, उसके लिए **पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड** या उसके कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता./-
प्रोजेक्ट इंचार्ज A 9 : अनंतपुर कर्नूल, गूटी सीएओ

पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारत सरकार का महारत्न सीपीएसई)

कंस्ट्रक्शन एरिया ऑफिस : C/o 400केवी पावरग्रिड गूटी सबस्टेशन, कर्नूल रोड, गूटी, अनंतपुर जिला, आं.प्र. 515 402

रीजनल हेडक्वार्टर : सदर्न रीजन-1, 6-6-8/32 और 395ई, कवाड़ीगुड़ी, सिकंदराबाद-500080

रजिस्टर्ड ऑफिस : बी-09, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016, टेली फोन : 011-26560112, 26560121

CIN: U40106DL2022GOI397095

मुख्यमंत्री ने मूसी पुनरुद्धार परियोजना के लिए कैबिनेट उप-समिति की घोषणा की

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि सरकार मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के संचालन के लिए एक कैबिनेट उप-समिति बनाने को तैयार है।

उन्होंने सोमवार को कहा कि सरकार विस्थापित होने वाले हर व्यक्ति का पुनर्वास सुनिश्चित करेगी और किसी को भी बेघर नहीं रहने देगी। विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने कहा कि समिति में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर शामिल होंगे। यह समिति परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेगी और सभी हितधारकों से सुझाव आमंत्रित करेगी। उन्होंने विपक्षी दलों से 'झूठे प्रचार' से बचने और रचनात्मक रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने मूसी परियोजना के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिए गंडीपेट से गौरेली तक नदी के किनारे एक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की योजना है।

बुनियादी ढांचे की पहलों पर उन्होंने घोषणा की कि बेगमपेट हवाई अड्डे पर भारत के पहले अंडरपास को मंजूरी मिल गयी है। इसका उद्देश्य सिग्नल पर लगने वाले जाम को कम करना और यातायात प्रवाह में सुधार करना है। केबीआर पार्क के पास मल्टी-लेवल पार्किंग का विकास और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने जैसे उपाय भी किये जा रहे हैं।

शहरी परिवहन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद मेट्रो का विस्तार जल्द ही शुरू होगा। राज्य सरकार अंतिम छोर तक यातायात सुधारने के लिए लार्सन एंड टुब्रो से संचालन अपने हाथ में लेने पर विचार कर रही है। उन्होंने सिकंदराबाद और चेरलापल्ली रेलवे स्टेशनों के उन्नयन की भी योजना बतायी।

दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति पर श्री रेड्डी ने कहा कि 'तेलंगाना राइजिंग 2047' विजन के हिस्से के रूप में 10,000 वर्ग किमी का औद्योगिक गलियारा विकसित किया जायेगा। साथ ही,' प्योर, क्योर और रेयर जोन ' का विकास भी किया जायेगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदूषण रोकने और आवास के लिए जमीन खाली करने के उद्देश्य से शहर के भीतर प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को आउटर रिंग रोड के बाहर स्थानांतरित किया जायेगा।

अनियंत्रित शहरीकरण के प्रति आगाह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद को दिल्ली जैसे शहरों में दिखने वाले प्रदूषण और नागरिक चुनौतियों से बचना चाहिए। उन्होंने सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 'हिल्ट' नीति शुरू करने और औद्योगिक भूमि को बहु-उपयोगी क्षेत्रों में फिर से वर्गीकृत करने की घोषणा की।

प्रशासनिक दक्षता पर श्री रेड्डी ने कहा कि सरकार ने हैदराबाद को तीन नगर निगमों में विभाजित करने और सभी विभागों में एकीकृत नीतियों के साथ स्मार्ट गवर्नेंस ढांचा अपनाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने मूसी परियोजना को संभालने के तरीके को लेकर श्री केटी रामा राव और पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना भी की। उन्होंने दोहराया कि वर्तमान सरकार सभी पक्षों के सुझावों के लिए तैयार है।

तेलंगाना राइजिंग 2047 के तहत हैदराबाद में बुनियादी ढांचे को मिलेगा बड़ा बढ़ावा : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना राइजिंग 2047 दृष्टिकोण के तहत बुनियादी ढांचे के विस्तार, यातायात की भीड़ को कम करने और टिकाऊ शहरी नियोजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए हैदराबाद के भविष्य के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा प्रस्तुत की।विधानपरिषद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी समृद्ध विरासत और चारमीनार तथा गुलज़ार हौज जैसे ऐतिहासिक स्थलों के लिए जाने जाने वाला हैदराबाद अब तेजी से होते शहरीकरण, विशेष रूप से बढ़ते वाहन घनत्व और यातायात की भीड़ से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है।श्री रेड्डी ने पर्याप्त पार्किंग बुनियादी ढांचा तैयार करने और सड़क, रेल तथा मेट्रो सेवाओं सहित परिवहन प्रणालियों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। सरकार ने पहले ही सिकंदराबाद और चारलापल्ली रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया है और अंतिम छोर तक संपर्क सुधारने के लिए मेट्रो रेल के और विस्तार की योजना बना रही है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार मेट्रो संचालन को अपने हाथ में लेने की दिशा में बढ़ रही है और केंद्र ने विस्तार के प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यातायात के प्रवाह को आसान बनाने के लिए बेगमपेट हवाई अड्डे के पास एक भूमिगत मार्ग और प्रमुख मार्गों पर ऊंचे गलियारों सहित अनूठी बुनियादी ढांचा पहलों पर भी प्रकाश डाला।

सरकार ने दीर्घकालिक योजना के हिस्से के रूप में संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना को तीन क्षेत्रों क्योर (सेवा क्षेत्र), प्योर (विनिर्माण), और रेयर (कृषि) में विभाजित किया है। हैदराबाद के भीतर, बाहरी रिंग रोड के अंदर के क्षेत्रों को एक मुख्य आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जबकि शहर को अधिक रहने योग्य बनाने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को स्थानांतरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मूसी नदी के पुनरुद्धार की योजनाओं की भी घोषणा की, जिसमें गंडिपेट से गौरेली तक एक ऊंचे गलियारे का निर्माण शामिल है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मूसी बेसिन के निवासियों को उचित पुनर्वास के बिना विस्थापित नहीं किया जाएगा और इस परियोजना का उद्देश्य कठिनाई पैदा करने के बजाय जीवन स्तर में सुधार करना है।श्री रेड्डी ने शासन सुधारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार पारदर्शी नीतियों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से स्मार्ट गवर्नेंस पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए हैदराबाद को तीन नगर निगमों और चार पुलिस आयुक्तालयों में पुनर्गठित किया गया है। उन्होंने विपक्षी दलों से विकास की पहलों का राजनीतिकरण न करने का आग्रह किया और मूसी नदी के पुनरोद्धार जैसी परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए रचनात्मक सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने दोहराया कि सरकार हैदराबाद की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए इसे अधिक रहने योग्य, कुशल और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी शहर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मृत बिजली कर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ के बीमा चेक सौंपे

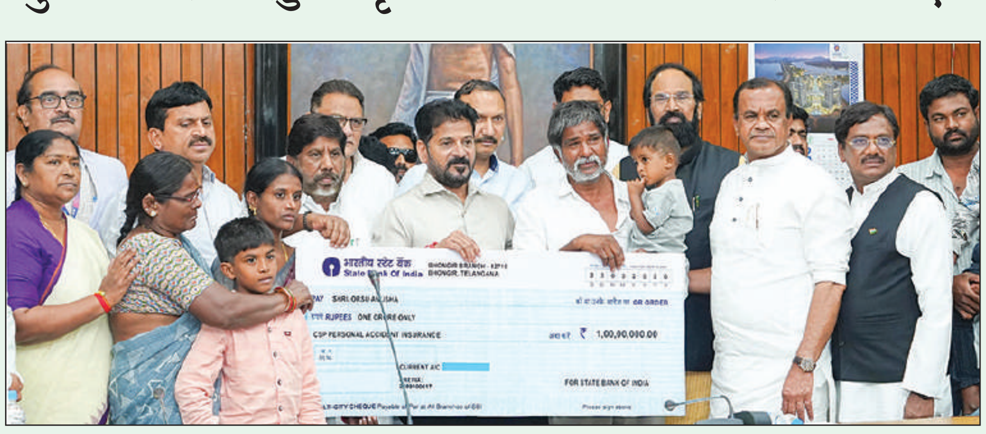

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले बिजली विभाग के दो कर्मचारियों के परिजनों को सोमवार को एक -एक करोड़ रुपये के दुर्घटना बीमा चेक सौंपे।मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर में ओर्सु सुरेश और मुख्तार बेग के परिवारों को ये चेक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाना और संकट की घड़ी में उनके परिवारों को सरकार का भरोसा देना है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बिजली मंत्री भट्टी विक्रमार्क की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने मृत कर्मचारियों के परिवारों के साथ खड़े रहकर सराहनीय पहल की है।

कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए श्री रेड्डी ने बताया कि राजीव आरोग्यश्री योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा कवरेज को पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। इसके अलावा सीपीईसीईएस सर्वे के तहत चिन्हित सभी परिवारों को पांच लाख रुपये का बीमा कवर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारिवारिक बीमा योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु की स्थिति में कोई भी परिवार असहाय न रह जाए। साथ ही बिजली विभाग और सिंगरेनी कोलियरियों के कर्मचारियों के लिए एक करोड़ रुपये से अधिक का दुर्घटना बीमा कवर भी उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि इस तरह के कदम सरकार के मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जिससे कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक सुरक्षा और सम्मान मिल सके।

महालक्ष्मी योजना के लिए जल्द ही स्मार्ट कार्ड टीजीएसआरटीसी को भारी मुनाफा : पोन्नम

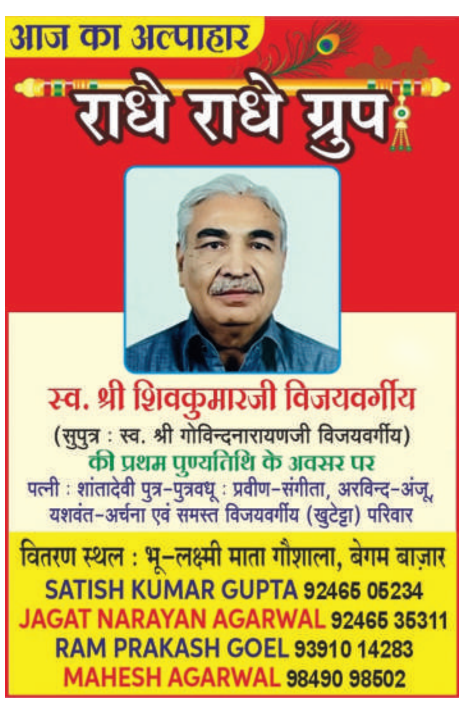

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को विधानसभा को सूचित किया कि राज्य सरकार महालक्ष्मी मुफ्त बस यात्रा योजना के तहत महिला लाभार्थियों के लिए जल्द ही चिप आधारित स्मार्ट कार्ड जारी करेगी।

प्रश्नकाल के दौरान उत्तर देते हुए श्री प्रभाकर ने कहा कि लाभार्थियों का डेटा तेलंगाना प्रौद्योगिकी सेवा (टीजीटीएस), सुशासन केंद्र (सीज-ीजी), स्वयं सहायता समूहों और शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभागों के डेटाबेस सहित कई स्रोतों से संकलित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 9 दिसंबर, 2023 को योजना के शुभारंभ के बाद से 11 मार्च, 2026 तक कुल 283.94 करोड़ महिला यात्रियों ने मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठाया है।

इस योजना से तेलगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) को 2023-24 के दौरान 1,163.07 करोड़ रुपये और 2024-25 के दौरान 4,122.79 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। कर्मचारी संबंधी मुद्दों पर उन्होंने कहा कि सरकार ने टीजीए-सआरटीसी कर्मचारियों को सरकारी सेवा में विलय करने का निर्णय लिया है और तौर-तरीकों पर काम करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। रिपोर्ट का इंतजार है और कार्यान्वयन पर उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि 15 मार्च, 2026 तक टीजीएसआरटीसी में सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मॉडल के तहत कुल 940 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं, जो सभी वेट लीज पर ली गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निजी ऑपरेटरों को कोई इलेक्ट्रिक बस आवंटित नहीं की गई है और आश्वासन दिया कि ई-बसों के शामिल होने से मौजूदा कर्मचारियों की नौकरी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।वित्तीय प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि टीजीएसआरटीसी ने 2024-25 में 590.30 करोड़ रुपये और 2025-26 (फरवरी तक) में 954.86 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है, जो इसकी वित्तीय स्थिति में लगातार सुधार दर्शाता है।

तेलंगाना सरकार पर भाजपा का हमला तेज वादे पूरे न करने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादों को लागू करने में पूरी तरह विफल रही है और उसने समाज के सभी वर्गों को धोखा दिया है।भाजपा के असेंबली घेराव विरोध प्रदर्शन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि शासन के 26 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा को छोड़कर अपनी छह गारंटियों में से किसी को भी पूरा नहीं किया है।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किसानों, युवाओं और बीसी, एससी व एसटी समुदायों से विशिष्ट आश्वासन किए थे, लेकिन उनके क्रियान्वयन में कोई प्रगति नहीं दिख रही है। उन्होंने निम्नलिखित मुख्य बिंदु उठाए:

रयथु भरोसा: किसानों को योजना के तहत प्रति एकड़ 45,000 रुपये तक का बकाया अभी तक नहीं मिला है।

शुल्क प्रतिपूर्ति: लगभग 8,000 करोड़ रुपये का शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया लंबित है, जिससे छात्रों के प्रमाण पत्र संस्थानों द्वारा रोके जा रहे हैं।

पेंशन: विकलांगों, महिलाओं और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन की अनदेखी की जा रही है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए राव ने आरोप लगाया कि महिला और युवा विंग के सदस्यों सहित 800 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं को विभिन्न थानों में हिरासत में लिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि कई पार्टी नेताओं को उनके घरों में नजरबंद (र्कीश अअॅअॅर्शीीं) कर दिया गया और हैदराबाद आ रहे कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही रोककर हिरासत में ले लिया गया।रामचंद्र राव ने स्पष्ट किया कि इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य जनहित के मुद्दों को उजागर करना था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की ''विफलताओं और कुशासन'' के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेगी और इसे और तेज करेगी।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार जनता से किए गए आश्वासनों को तुरंत पूरा करे।

तेलंगाना सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए है प्रतिबद्ध : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को विधानसभा को सूचित किया कि वर्तमान सरकार सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान के लिए ठोस कदम उठा रही है।

प्रश्नकाल के दौरान सदन के सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के विपरीत (जब वेतन अक्सर हर महीने की 15 तारीख के बाद जमा होता था) वर्तमान सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कर्मचारियों को हर महीने की एक तारीख को बिना किसी देरी के वेतन मिले।उपमुख्यमंत्री ने प्रमुख उपायों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछली सरकार के बकाया तीन महंगाई भत्तों (डीए) का भुगतान कर दिया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि पिछली सरकार ने सेवानिवृत्ति लाभों का बोझ कम करने के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 58 से बढ़ाकर 61 वर्ष और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष कर दी थी। परिणामस्वरूप, लगभग 17,000 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने का वित्तीय दायित्व अब वर्तमान सरकार पर आ गया है।

श्री विक्रमार्क ने सदन को सूचित किया कि कर्मचारियों के सभी लंबित चिकित्सा बिलों का भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि पिछली सरकार ने 40,150 करोड़ रुपये का बकाया छोड़ दिया था, जिसमें कर्मचारियों के बकाया से संबंधित 4,575 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। इसकी जानकारी विधानसभा में प्रस्तुत श्वेत पत्र में विस्तृत रूप से दी गयी है।सरकार वर्तमान में इन लंबित बकाया राशियों के भुगतान के लिए हर महीने 700 करोड़ रुपये खर्च कर रही है और प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इस राशि को बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये करने पर विचार कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि पदभार संभालने के बाद से सरकार ने कर्मचारी संबंधी देनदारियों के लिए लगभग 6,146 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.